फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 240 प्रभात जयपुर, गुरुवार 3 अप्रैल, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

The 1857 Mutiny
Advent Of Brutality

"Throughout the day, the rebels looted the city, and at night, they slept in silken beds. The city of Delhi was emptied of its rulers and peopled instead by creatures of the Lord who accepted no lord."- Ghalib

Bring Your Photos to Life

Create Stunning Ghibli-Style Art with These Free AI Tools

जैम व ज्वैलरी निर्यात को भारी धक्का लग सकता है, अगर अमेरिका ने भारी वृद्धि की टैरिफ में

भारतीय जैम व ज्वैलरी अगर महंगी हो गई, भारी टैरिफ के कारण तो जैम व ज्वैलरी का निर्माण सिंगापुर व यूएई जैसे स्थानों पर शिफ्ट हो सकता है, जहाँ टैरिफ कम होगा

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अप्रेल। टैरिफ की उल्टी गिनती शुरु हो गई है, इसके साथ ही भारत के बाज़ारों में अनिश्चितता का माहौल नज़र आने लगा है। अमेरिका द्वारा रैसिप्रोकल टैरिफ लगाए जाने की संभावना निर्यात के प्रमुख सैक्टरों को प्रभावित कर सकती है। लेकिन यह चुनौती भारत को उन "इकोनॉमिक रिफार्म्स" (आर्थिक सुधारों) के लिए भी प्रेरित कर सकती है, जिनकी देश को बहुत आवश्यकता है। महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या ये टैरिफ घातक आघात देंगे या फिर इनके कारण दीर्घकालिक रिकवरी की शुरुआत होगी?

अमेरिका का टैरिफ निर्णय सभी क्षेत्रों को प्रभावित करेगा। लेकिन यू.एस. के माल पर भारत की ऊँची टैरिफ इस देश को अधिक संवेदनशील बनाती है। विश्लेषकों की भविष्यवाणी है कि टैरिफ में हल्की वृद्धि, फार्मास्युटिकल्स और आई.टी. जैसे

- क्योंकि, जैम व ज्वैलरी उद्योग काफी "लेबर इनसैंटिव" है, इस ट्रेड को धक्का लगने से काफी बेरोज़गारी भी फैल सकती है। जैसा कि विदित ही है।
- इकॉनामिस्टों का मानना है, भारत प्राइम टारगैट है, अमेरिका द्वारा भारी टैरिफ लगाने की दृष्टि से, क्योंकि यह ऐतिहासिक सत्य है कि सदा से भारत, अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर भारी व ज्यादा टैरिफ लगाता आ रहा है, जबकि, अमेरिका भारत से आयातित वस्तुओं पर कम टैरिफ लगाता रहा है।
- जैम व ज्वैलरी इण्डस्ट्री जैसी ही स्थिति भारतीय टैक्सटाइल इण्डस्ट्री की है। आज भारत के टैक्सटाइल एक्सपोर्ट का लगभग एक तिहाई हिस्सा अमेरिका को एक्सपोर्ट होता है। अगर, भारत में निर्मित कपड़ों व परिधान पर भी भारी टैरिफ लगा तो, भारत को काफी धक्का लग सकता है, क्योंकि बाँग्लादेश व वियतनाम जैसे देश का माल सस्ता होगा, कम टैरिफ के कारण और अमेरिका में आयातित होने वाले वस्त्र परिधान का व्यापार इन देशों में शिफ्ट हो सकता है।

क्षेत्रों को अल्पकालिक प्रोत्साहन (शॉर्ट टर्म) बूस्ट दे सकती है। जबकि, सख्त टैरिफ से बाज़ार में वृहत गिरावट की शुरुआत हो सकती है।

वी.टी. मार्केट्स के रॉस मैक्सवैल ने कहा, "अमेरिका के माल पर भारत की टैरिफ ऐतिहासिक रूप से ऊँची रही है, उस टैरिफ की तुलना में जो यू.एस. भारत के माल पर लगाता है। यह भारत को एक प्रमुख टारगैट बनाता है। फार्मास्युटिकल्स, ऑटोमोबाइल, कृषि और वस्त्र जैसे क्षेत्र अरबों के व्यापारिक नुकसान का सामना कर सकते हैं।"

कूटनीतिक प्रयास जारी होने के साथ-साथ अन्य देशों की तरफ से जवाबी कार्रवाहियों की चिंता बढ़ रही है। केयर एज रेटिंग्स के सचिन गुप्ता ने कहा, "यू.एस. द्वारा लगाई गई टैरिफ निर्यात आधारित क्षेत्रों को बाधित कर सकती है, विशेषरूप से उन क्षेत्रों को, जो विवेकपूर्ण खर्च पर निर्भर हैं।" इसके अलावा अन्य प्रभावित देशों की तरफ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लालू यादव अचानक अस्पताल में भर्ती

पटना, 02 अप्रैल। पिछले 10 वर्षों में तीन आपरेशन करा चुके राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद का ब्लड शुगर बढ़ गया है। सोमवार से ही वे कुछ असहज महसूस कर रहे थे। बुधवार पूर्वाह्न जांच के लिए वे दिल्ली प्रस्थान करने वाले थे कि एयरपोर्ट के रास्ते में अधिक असहज हो गए। उन्हें पटना में ही पारस अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पूरे दिन चिकित्सकों की सघन निगरानी में रहने के बाद, देर शाम इलाज के लिए उन्हें दिल्ली भेजा गया है, जहाँ एम्स में उनकी जांच होगी।

दिल्ली में वे अपनी सांसद पुत्री

- बताया जा रहा है कि वे जांच के लिए दिल्ली जाने के लिए एयरपोर्ट जा रहे थे कि रास्ते में उनकी तबियत बिगड़ गई और उन्हें पटना के ही पारस अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां से उन्हें डॉक्टर्स की निगरानी में दिल्ली भेजा गया है।

मीसा भारती के सरकारी आवास पर ठहरेंगे। उनके साथ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी जा रहे हैं।

76 वर्षीय लालू लंबे समय से गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं। सन् 2024 में मुंबई में उनकी एंजियोप्लास्टी हुई थी। हृदय में तीन मिलीमीटर के छेद को भरा गया था और एक स्टेंट लगाया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूनुस चटगांव बंदरगाह को चीन को "ऑफर" करना चाहते हैं?

चीन तो सदा से "इण्डियन ओशन" (हिन्द महासागर) में अपना "सामरिक महत्व का बंदरगाह बनाना चाहता है और बाँग्लादेश के नेता मोहम्मद यूनुस का चीन के राष्ट्रपति के समक्ष कहा गया यह संदेश भरा कथन चीन को बहुत कर्णप्रिय लग रहा है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अप्रैल। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के बारे में मोहम्मद यूनुस के बयान ने भारत व अन्य भागों में सुरक्षा व सामरिक विशेषज्ञों को हैरान कर दिया है। यूनुस का बयान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लिए है तथा ऐसा लग रहा है वे चीन को भारत में घुसने के लिए बांग्लादेश में बेस बना कर देने की बात कर रहे हैं।

यूनुस ने कहा कि भारत के सातों पूर्वोत्तर राज्य "लैंड लॉक्ड" अर्थात जमीन से घिरे हुए हैं और उनके हिंद महासागर तक पहुंचने के मार्ग का एकमात्र संरक्षक बांग्लादेश है। चीन हिंद महासागर में दबदबा कायम करने के लिए बहुत व्यग्र है, न केवल रणनीतिक कारणों से, बल्कि व्यवसायिक कारणों से भी। विशाल हिंद महासागर भारत के तट से शुरु होकर अंटार्कटिका तक जाता है, बीच में कोई बाधा नहीं आती। यहां से भारी मात्रा में व्यापार होता है। चीन अफ्रीका के तट पर अपना अड्डा बना चुका है।

- भारत के सामरिक विशेषज्ञ, इस प्रस्ताव को बहुत गंभीरता से ले रहे हें, क्योंकि चीन चटगांव बंदरगाह से भारत के नॉर्थ-ईस्ट प्रदेशों में अपनी उपस्थिति आसानी से बढ़ा सकता है।
- पर, चटगांव बंदरगाह के आस-पास का हिस्सा हिन्दू बाहुल्य है तथा पहले पाकिस्तान ने और फिर बाँग्लादेश इन हिन्दुओं को कभी मुख्यधारा से नहीं जोड़ा, बल्कि प्रताड़ित ही किया है।
- वहाँ की हिन्दू जनता काफी समय से चटगांव व उससे जुड़े इलाके को भारत में विलय करने की माँग करते रहे हैं, हालाँकि, किन्हीं कारणों से उनकी माँग पर कभी ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया।
- सामरिक विशेषज्ञों की राय है, भारत को चटगांव और उसके आस-पास लोगों की माँग को आधार बनाकर, चटगांव को भारत में विलय का मुद्दा उठाना चाहिए?

चीन की हिंद महासागर तक सीधी पहुंच नहीं है। उसे मलेशिया का चक्कर काटकर जाना पड़ता है। चीन लंबे समय से म्यांमार को बहला -फुसला रहा है, ताकि बंगाल की खाड़ी में उसके बंदरगाहों का इस्तेमाल कर सके।

अगर इनमें से कुछ बंदरगाहों पर चीन का कब्जा हो गया तो भारत को अपनी समुद्री सीमा पर कड़ी निगरानी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आग में जिंदा जलीं दो मासूम बालिकाएं

चूल्हे की चिंगारी से छप्पर में आग लगने के कारण यह बड़ा हादसा हुआ

भरतपुर, 2 अप्रैल। डीग जिले में खोह थाना क्षेत्र के हिंगोटा गांव में बुधवार को दिल दहला देने वाला हादसा हो गया। यहां छप्पर में आग लगने से दो बालिकाएं जिंदा जल गईं। दोनों मासूम बच्चियां मालाखेड़ा की रहने वाली थीं और ईद पर अपनी मां के साथ ननिहाल हिंगोटा आई हुई थीं।

अलवर के मालाखेड़ा के खरेड़ा गांव निवासी बच्ची वामिका (6) और मुस्कान (4) अपनी मां फरमीना के साथ ईद पर 31 मार्च को नाना दीनू के घर हिंगोटा आई थीं। बुधवार सुबह फरमीना अपने माता-पिता और भाई बहनों के साथ गांव में ही एक व्यक्ति के खेत पर गेहूं की कटाई करने के लिए निकल गई थी। खेत पर जाने से पहले, उसने बच्चों और अपने लिए खाना बनाया था। हादसे के दौरान दोनों बच्चियां छप्पर में बने एक कमरे में सो रही थीं। इस दौरान छप्पर के बाहर बने चूल्हे की आग, जिसे फरमीना ने अच्छी

- दोनों बच्चियाँ मालाखेड़ा की रहने वाली थीं और ईद पर अपनी माँ के साथ ननिहाल हिंगोटा आई हुई थीं।

तरह नहीं बुझाया था, से निकली चिन्गारी से छप्पर ने आग पकड़ ली।

घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे पुलिस और प्रशासन की टीम ने आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बच्चियों के शवों को, डीग जिला अस्पताल में पोस्टमॉर्टम करवाकर, परिजनों को सौंप दिया। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, पूरे गांव में घटना के बाद मातम छाया हुआ है।

ग्रामीणों का कहना है कि अगर समय रहते आग पर काबू पा लिया जाता तो इन मासूमों की जान बच सकती थी।

मुस्लिम महिलाओं ने वक्फ विधेयक के समर्थन में प्रदर्शन किया

भोपाल, 02 अप्रैल। लोकसभा में आज पेश किए गए 'वक़्फ़ संशोधन विधेयक 2025' के समर्थन में आज मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में मुस्लिम महिलाओं ने प्रदर्शन किया।

यहां आनंद नगर क्षेत्र में दर्जनों मुस्लिम महिलाएं एकत्रित हुयीं और वे हाथों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के

- भोपाल की मुस्लिम महिलाओं ने कहा, कानून बन जाता है तो करोड़ों रूपए की जमीन, जो दबी पड़ी है, बाहर आ जाएगी, गरीब मुसलमानों का भला होगा।

कटआउट भी लिए हुए थीं। ये महिलाएं, मोदी और वक्फ संशोधन विधेयक के समर्थन में नारेबाजी करते हुए भी सुनी गयीं।

प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने मीडिया से कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक पारित होना चाहिए। एक महिला ने कहा कि यदि यह कानून बन जाता है, तो करोड़ों रुपए की जो जमीन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लोकसभा में वक्फ बिल पेश, सरकार ने कहा, बिल पारित होने तक सदन चलता रहेगा

अखबार छपने तक संसद में गर्मागर्म बहस जारी थी

नई दिल्ली, 2 अप्रैल। लोकसभा में अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजीजू ने बुधवार को वक्फ संशोधन बिल पेश किया। यह बिल 1995 के वक्फ अधिनियम में बदलाव के उद्देश्य से लाया गया है। विधेयक 11 बजे पेश हुआ और इस पर आठ घंटे तक चर्चा हुई। विपक्ष ने पुरजोर तरीके से बिल का विरोध किया। अंत में गृह मंत्री अमित शाह ने बहस का जवाब दिया। उन्होंने एक-एक करके सभी आरोपों का जवाब दिया व संदेहों का निराकरण किया।

गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में स्पष्ट किया कि वक्फ विधेयक मुसलमानों से संबंधित है और वक्फ बोर्ड में किसी दूसरे धर्म के लोगों को शामिल करने की बात पूरी तरह भ्रामक है।

उन्होंने कहा कि यह विधेयक केवल इसलिये लाया गया है, ताकि वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन पारदर्शी और नियम कायदे के अनुसार हो और उसका फायदा मुस्लिम समुदाय के गरीबों,

- केन्द्रीय अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री और संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजीजू ने लोकसभा में 11 बजे बिल पेश किया, जिस पर बहस के लिए आठ घंटे का समय नियत किया गया था। पर, यह व्यवस्था भी थी कि जरूरत पड़ी तो समय बढ़ाया जा सकता है।
- गृह मंत्री अमित शाह ने बिल पर विपक्ष के आरोपों का करारा जवाब दिया, उन्होंने वक्फ को सरकारी सम्पत्ति या किसी अन्य की सम्पत्ति दान करने पर कहा कि मैं वही चीज़ दान कर सकता हूँ जो मेरी है, सरकारी सम्पत्ति या किसी और की सम्पत्ति दान में नहीं दी जा सकती।"
- शाह ने कहा, 2013 में यूपीए सरकार द्वारा लगाए गए वक्फ बिल संशोधन में खामियाँ नहीं होतीं तो यह बिल नहीं लाना पड़ता।
- अखिलेश यादव ने वक्फ बिल के विरोध में कहा, भाजपा को ज़मीनों से प्यार है, रेल्वे व डिफैंस की ज़मीन भी बेच चुकी है।
- जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर ने कहा कि अगर वक्फ बिल पारित हुआ तो इसकी जिम्मेवारी नीतीश और जद (यू) की होगी।

महिलाओं और बच्चों को मिले।

गृह मंत्री ने वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 पर हो रही चर्चा में हस्तक्षेप करते हुये कहा कि चैरिटी कमिश्नर कानून के तहत, किसी भी धर्म का व्यक्ति धर्मार्थ संस्थाओं के नियमन एवं निरीक्षण के लिये अधिकृत किया जा सकता है, उसी तरह वक्फ पर निगरानी के लिये बोर्ड में कलेक्टर और सदस्यों को शामिल करने का प्रावधान किया गया है, जो किसी धर्म में हस्तक्षेप

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एयरफोर्स का जैगुआर विमान क्रैश, एक पायलट की मौत

नयी दिल्ली, 02 अप्रैल। गुजरात के जामनगर जिले के सुवरडा गांव के पास एयरफोर्स का लड़ाकू विमान जैगुआर क्रैश हो गया है, इस हादसे में एक पायलट की मौत हो गई है और दूसरा पायलट गंभीर रूप से घायल हो गया है, उसे अस्पताल ले जाया गया है। हादसे के बाद आसपास का इलाका आग की चपेट में आ गया है। एसपी, कलेक्टर सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंच

- गुजरात के जामनगर जिले के सुरवडा गांव में यह हादसा हुआ।

गए हैं तथा घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। विमान क्रैश होने के बाद का एक दर्दनाक वीडियो सामने आया है। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि पायलट जमीन पर घायल अवस्था में पड़ा हुआ है और उसके आसपास लोगों की भीड़ इकट्ठा है। आसपास विमान के टुकड़े बिखरे पड़े हैं और आग लगी हुई है। हादसे के बाद इलाके में धुएं का गुबार फैल गया। साथ ही विमान के टुकड़े दूर तक जाकर गिरे हैं। मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई है।

'श्री शुभम लॉजिस्टिक' और 'ओरिगो' के साथ कृषि उपज के भण्डारण व रख-रखाव का अनुबन्धन समाप्त किया राजस्थान सरकार ने

इन दोनों कंपनियों के खिलाफ कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने गहलोत सरकार के कार्यकाल में 150 करोड़ का भ्रष्टाचार करने और अवांछित लाभ लेने का आरोप लगाया था

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 2 अप्रैल। कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा द्वारा "श्री शुभम लॉजिस्टिक" और उसकी इकाई "मैसर्स ऑरिगो कॉमोडिटीज इण्डिया प्राईवेट लि." को अशोक गहलोत सरकार के कार्यकाल के दौरान120 करोड़ रूपये का अवांछनीय लाभ पहुंचाने और भारी भ्रष्टाचार करने के मामले में कुछ महत्वपूर्ण 'डवलपमेंट' सामने आये है। राजस्थान राज्य भण्डारण निगम और कृषि विभाग ने इन दोनों कम्पनियों के साथ कृषि उपज के भण्डारण और रख-रखाव के लिए किये गये अनुबन्ध को रद्द कर दिया है।

जैसा कि विदित है, मंत्री किरोड़ी लाल ने 16 मई 2024 को मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में गंभीर आरोप लगाये थे कि गहलोत सरकार के कार्यकाल के दौरान कृषि उपज के भंडारण के लिए "श्री शुभम लॉजिस्टिक" और "आरिगो" के साथ अनुबंधन किया गया था। इन कंपनियों को 120 करोड़ रूपए का अवांछित लाभ गहलोत सरकार के अफसरों की मिलीभगत से दिया गया और राज्य सरकार के भंडारण निगम को करीब 200 करोड़ रूपए का नुकसान उठाना पड़ा।

इस पत्र में मीणा ने आरोप लगाया था कि श्री शुभम लॉजिस्टिक ने अनुबंधों की शर्तों का उल्लंघन करते हुए 3,000 करोड़ रूपए के मूल्य से भी अधिक की कृषि उपज का इंश्योरेंस (बीमा) नहीं कराया। ऐसी स्थिति में, किसी दुर्घटना, आपदा या कालाबाज़ारी से किसानों को अवांछित भारी नुकसान झेलना पड़ सकता था। इसके अतिरिक्त, मीणा ने पत्र में आरोप लगाया था कि श्री शुभम लॉजिस्टिक ने अनुबंध के अनुसार कई खर्चों का और बैंक गारंटी का भुगतान

- किरोड़ी लाल मीणा ने मुख्यमंत्री को लिखे अपने शिकायत पत्र में इन दोनों कंपनियों और भण्डारण निगम में हुए सी.ए.जी. के ऑडिट रिपोर्ट को भी उद्धृत किया था जिससे स्पष्ट जाहिर था कि कहीं अफसरों की मिलीभगत से दोनों कंपनियों को 120 करोड़ का अवांछित लाभ हुआ और भण्डारण निगम को 200 करोड़ से भी अधिक का नुकसान।
- इन दोनों कंपनियों के साथ अनुबंधन समाप्त करने के बाद कृषि विभाग ने अलग-अलग जिलों के कलैक्टरों को आदेश जारी किये हैं कि वह यह सुनिश्चित करें भण्डारण निगम के भण्डार गृहों के नियंत्रण व प्रबंधन को वापस सौंपे जाने की कार्यवाही शांतिपूर्ण तरीके से पूरी की जाए, और कंपनियों के अधिकारियों व कर्मचारियों को हिदायत दी गई है कि वह इस प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न न करें।

नहीं किया, जिससे निगम को करोड़ों का नुकसान हो गया। मीणा ने पत्र में लिखा था कि श्री शुभम लॉजिस्टिक अशोक गहलोत के करीबियों की ही कंपनी है। इसलिए उसे और उसकी इकाई ओरिगो को सर्वंपित नाम पहुंचाया गया है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि किरोड़ी लाल ने कृषि विभाग और भण्डारन निगम के अधिकारियों की देख-रेख में हुए भ्रष्टाचार को सिद्ध करने के लिए अपने शिकायती पत्र में इसी मुद्दे पर कन्ट्रोलर एण्ड ऑडिटर जनरल (कैग) की रिपोर्ट को भी उद्रित किया था। वर्तमान में इस मामले की जांच एसीबी में भी चल रही है।

नए डवलपमेंट के अनुसार जनवरी माह में राज्य भण्डारन निगम की ओर से 'श्री शुभम लॉजिस्टिक' और 'ओरिगो' को "शो कॉज दो नोटिस" दिया गया था क्योंकि दोनों कंपनियों ने अनुबन्ध की शर्तों के अनुसार कृषि उपज के भण्डारण के लिए उपयुक्त इंश्योरेंस नहीं करवाया था, बैंक गारंटी उपलब्ध नहीं करवाई थी, और करोड़ों के अन्य भुगतान नहीं किये थे। दोनों कंपनियों की ओर से उपयुक्त जवाब नहीं पाये जाने पर क्रमशः मार्च फिर और अप्रैल में कृषि बोर्ड और भण्डारन निगम ने श्री शुभम लॉजिस्टिक और ओरिगो के साथ किये गये अनुबन्ध को रद्द कर दिया। बोर्ड की बैठक में यह भी तय कर दिया गया था कि ओरिगो और श्री शुभम की जमा 'सिक्योरिटी' (प्रतिभूति जमा राशी) और बैंक गारंटी को भी जब्त किया जाएगा।

दोनों कंपनियों के साथ अनुबंधन समाप्त करने के फलस्वरूप कृषि विभाग ने डीडवाना-कुचामन, टोंक, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ, दौसा, जैसलमेर, जोधपुर इत्यादि के जिलों कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, को आदेश जारी किया है भण्डारण निगम के उन भण्डार गृहो, जिनका संचालन ओरिगो या श्री शुभम लॉजिस्टिक द्वारा किया जा रहा था, का निरीक्षण कर उनका प्रत्यक्ष नियंत्रण व प्रबन्धन निगम को वापस लौटाया जाएगा। इसके साथ ही ओरिगो और श्री शुभम लॉजिस्टिक के कर्मचारियों एवं अधिकारियों को कहा गया है कि वह गोदामों की नियंत्रण को सौंपे जाने के समय कोई उपद्रव व्यवहार नहीं करें नहीं तो उनके खिलाफ कार्यवाही भी जा सकती है।

वर्तमान में श्री शुभम लॉजिस्टिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'शिवाजी ने कोई मस्जिद नहीं तोड़ी, सौ प्रतिशत धर्म निरपेक्ष थे'

मुंबई, 02 अप्रैल। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज सौ फीसदी धर्मनिरपेक्ष शासक थे, जिन्होंने कई युद्ध जीते, लेकिन कभी किसी मस्जिद को नष्ट नहीं किया। केंद्रीय मंत्री का यह बयान ऐसे पर समय आया है, जब

- केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक पुस्तक विमोचन समारोह में कहा कि छत्रपति शिवाजी आदर्श शासक थे।

महाराष्ट्र में औरंगजेब की कब्र को लेकर विवाद चल रहा है। एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि महाराष्ट्र के बाहर कई लोगों के मन में छत्रपति शिवाजी महाराज को लेकर कई तरह की गलतफहमियां हैं।

उन्होंने कहा, "शिवाजी महाराज

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK CMYK

विचार बिन्दु

हम यहाँ किसी विशेष कारण से हैं। इसीलिए अपने भूत का कैदी बनना छोड़िये। अपने भविष्य के निर्माता बनिए। –रोबिन शर्मा

कभी अन्नदाता तो कभी आम लोगों को रुलाता टमाटर

यह कैसी विडंबना है कि टमाटर की खेती करने वाले काश्तकारों को आज टमाटर की लागत तो दूर तुड़वाई के पैसे भी नहीं मिल पा रहे हैं। मध्य प्रदेश की मण्डियों से आ रहे समाचार केवल मध्यप्रदेश के टमाटर उत्पादक किसानों की ही पीड़ा व्यक्त नहीं कर रहे अपितु देश की अधिकांश मण्डियों में टमाटर के भाव औंधे मुंह गिर गए हैं। कुछ समय पहले ही गृहणियों की रसोई में टमाटर का तड़का मुश्किल हो गया था और टमाटर के खुदरा भाव 200 रु. प्रति किलो को छू गए थे आज वहीं टमाटर देश की किसी-किसी मण्डी में तो एक रु. प्रति किलो से भी कम में बोला जा रहा है। ऐसे में किसान अपनी बदनसीबी के आसूं बहाते हुए सड़कों पर फेंकने, पशुओं को खिलाने या मण्डियों में बिखेरने को मजबूर हो रहे हैं। आज गली-मौहल्ले में फेरी लगाकर बेचने वाले सब्जी विक्रेता ही 10 से 15 रु. किलों में टमाटर बेच रहे हैं। खुदरा में टमाटरों के भाव कम होने से आम नागरिकों को तो तात्कालीक फायदा हो रहा है पर उत्पादक किसान अपने आपको ठगा महसूस कर रहा है। यह केवल इस बार की ही समस्या नहीं है अपितु प्रतिवर्ष इस तरह के हालातों से किसानों को दो-चार होना पड़ता है। देखा जाएं तो टमाटर ना कोई से दोस्ती और ना कोई से प्रेम वाली कहावत को चरितार्थ करता रहा है। साल में मौका मिलने पर पहले आम नागरिकों को रुलाता है तो फिर आम लोगों को थोड़ी राहत देते हुए उत्पादक काश्तकारों को रुलाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ता। लगभग यही स्थिति प्याज की कई सालों से चली आ रही है।

जहां तक टमाटर के उत्पादन की बात है तो भारत दुनिया का दूसरा सबसे अधिक टमाटर उत्पादन करने वाला देश है। टमाटर के उत्पादन में भी चीन पहले पायदान पर है तो तुर्की, अमेरिका, मिस्र तीसरे, चौथे और पांचवें पायदान पर है। कहने को तो यह कहा जाता है कि टमाटर का उद्गम देश दक्षिणी अमेरिका, पश्चिमी तटीय प्रदेश माना जाता है। मैक्सिको से टमाटर सारी दुनिया में पहुंचा है। टमाटर धीरे-धीरे रसोई का प्रमुख उपयोगी बन गया। यह भी माना जाता है कि 16वीं शताब्दी में पुर्तगाली खोजकर्ताओं के साथ टमाटर ने हमारे देश में प्रवेश किया और आज यह घर-घर की जरुरत बन गया। इसे विलायती भंटा या विलायती बैंगन भी कह कर पुकारा जाता रहा है। छत्तीसगढ़ की जशपुर टमाटर देश की सबसे बड़ी मण्डी मानी जाती है तो आंध्र प्रदेश टमाटर का सर्वाधिक उत्पादक प्रदेश माना जाता है। वैसे टमाटर की पैदावार समूचे देश में होती है और टमाटर के सहउत्पाद खासतौर से टमाटर कैचअप, टमाटर सॉस, टमाटर सूप आदि से कंपनियां बारे न्यारे कर रही हैं।

सवाल यह है कि सरकार को टमाटर या इसी तरह की जल्द खराब होने वाले उत्पादों के रखरखाव और एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचाने के लिए कोल्ड स्टोरेज और कोल्ड स्टोरेज युक्त परिवहन वाहनों की संख्या बढ़ानी होगी। सरकार ने भले ही किसानों के उत्पादों को लाने ले जाने के लिए ट्रेन सेवा शुरु कर दी है पर अभी इस दिशा में तेजी से काम करने की आवश्यकता है।

जहां तक टमाटर की गणित समझने का सवाल उठता है विशेषज्ञों का मानना है कि टमाटर की खेती में काश्तकार की एक से दो लाख रु. तक की लागत प्रति एकड आती है और यह भी माना जाता है कि सामान्य परिस्थितियों में 400 से 420 क्विंटल टमाटर की पैदावार काश्तकार प्रति एकड़ तक ले लेते है। अत्यधिक गर्मी, अत्यधिक बरसात और ओलावृष्टि से सबसे अधिक टमाटर की फसल प्रभावित होती है। कीट प्रकोप के कारण भी टमाटर की पैदावार पर सीध असर पड़ता है। सबसे अधिक चिंतनीय बात यह है कि जब टमाटर की फसल तैयार होकर बाजार में आती है तो टमाटर की भावों में तेजी से गिरावट आने लगती है। इसका व्यापारी दोहरा लाभ उठाते हैं। एक तो ज्यादा से ज्यादा टमाटरों की खरीद कर निजी कोल्ड स्टोरेज में जमा कर देते हैं और मौके-बेमौके बाजार में कृतिम अभाव पैदा कर दोहरा लाभ कमा लेते हैं। इसके अलावा बड़ी मात्रा में टमाटर के सहउत्पाद तैयार करने वाली मल्टीनेशनल कंपनियां बुवाई से पहले ही काश्तकारों से सौदा कर लाभ उठाती है। खैर यह विषयांतर होगा।

टमाटर उत्पादक किसान तुड़वाई या मण्डी तक पहुंचाने की लागत भी नहीं मिलने से परेशान है तो किसान इन हालातों को देखते हुए टमाटर के भी न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करने और सरकारी खरीद की दबी जुवान से बात करने लगे हैं। खैर यह तो अलग बात हुई पर कहीं ना कहीं सरकार को भी साल दर साल होने वाले ऐसे हालातों को देखते हुए किसानों और आमलोगों के हित का रोडमेप बनाना ही होगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि जब सड़कों पर टमाटर बिखरे मिलते हैं तब भी सरकार की साख प्रभावित होती है तो जब टमाटर के भाव आसमान छूने लगते हैं तब भी सरकार की साख पर सीधा-सीधा असर पड़ता है। राजनीतिज्ञ भूले नहीं होंगे प्याज के भावों में उतार-चढ़ाव का असर सरकारों के आने और जाने से जुड़ा रह चुका है। सवाल यह है कि सरकार को टमाटर या इसी तरह की जल्द खराब होने वाले उत्पादों के रखरखाव और एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचाने के लिए कोल्ड स्टोरेज और कोल्ड स्टोरेज युक्त परिवहन वाहनों की संख्या बढ़ानी होगी। सरकार ने भले ही किसानों के उत्पादों को लाने ले जाने के लिए ट्रेन सेवा शुरु कर दी है पर अभी इस दिशा में तेजी से काम करने की आवश्यकता है। देश में फूड पार्क बनाने की दिशा में तेजी लानी होगी। सबसे ज्यादा जरुरी सरकार को तत्काल बाजार हस्तक्षेप की और ध्यान देना होगा। एक विंग ऐसी होनी चाहिए कि जो बाजार में मांग और उपलब्धता पर नजर रखे और समय रहते काश्तकारों के लिए जब जरुरत हो तब और आमलोगों के लिए जब जरुरत हो तब कदम उठाएं ताकि किसान, मण्डी और आमलोगों के हितों की रक्षा की जा सके। अब तो यह भी साफ हो गया है कि बाजार में कब अधिक माल आयेगा तो कब किल्लत वाल स्थिति होगी। जब सब कुछ सामने है तो दीर्घकालीन नीति बनाकर दोनों के हितों को ध्यान में रखना होगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल गुरूवार 3 अप्रैल, 2025

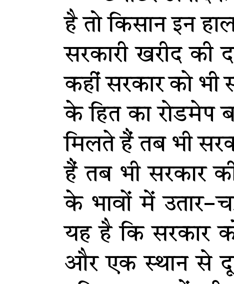

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, रोहिणी नक्षत्र प्रात: 7:02 तक, सौभाग्य योग रात्रि 12:01 तक, कौलव करण दिन 10:46 तक, चन्द्रमा सायं 6:22 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-वृष, मंगल-कर्क, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवि योग प्रात: 7:02 से आरम्भ होगा। आज स्कन्ध षष्ठि व्रत, यमुना जयन्ती, अशोका षष्ठि है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:52 तक, चर 10:58 से 12:30 तक, लाभ-अमृत 12:30 से 3:36 तक, शुभ 5:08 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:20, सूर्यास्त 6:41

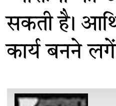

मेष

व्यावसायिक कार्यों के लिए यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

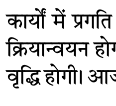

वृष

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। आज मन:स्थिति ठीक रहेगी।

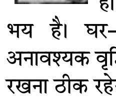

मिथुन

आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। वाणी पर संयम रखना ठीक रहेगा।

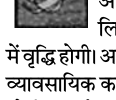

कर्क

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

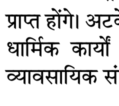

कन्या

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

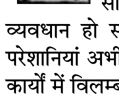

तुला

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों में व्यवधान हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियां अभी बनी रहेंगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

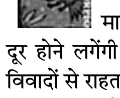

वृश्चिक

व्यावसायिक आर्थिक मामलों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक आर्थिक विवादों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

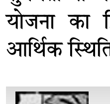

धनु

व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक योजना का क्रियान्वयन होगा। आज आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

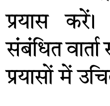

मकर

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

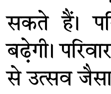

कुंभ

घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

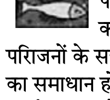

मीन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

राजस्थान के युवा अमेरिका में परेशान हो रहे : यह संबंध ठहराव मांगता है

राजेन्द्र मोहन शर्मा

राजस्थान के युवा इंजीनियर रोहित गोठेचा अपनी कम्पनी के काम से अमेरिका में हैं। वे और उन जैसे हजारों युवा राजस्थान सहित अन्य राज्यों से अमेरिका में काम हेतु जाते रहते हैं। लेकिन इस बार जैसा हालात कभी नहीं थे। रोहित गोठेचा कहते हैं यहां अमेरिका में काम कर रहे राजस्थानी और अन्य भारतीय युवाओं में भव का माहौल है। ट्रम्प की वीजा और इमिग्रेशन को लेकर जो आक्रामक नीति है उससे राजस्थानी युवा अन्य देशों का रूख करने को विवश हो गए हैं।

वस्तुत:भारत अमेरिका के सम्बन्धों में वैसी गहराई और ठहराव कभी नहीं रहा जैसा रूस के साथ रहा है। जब सोवियत संघ का जमाना था तब भी और उसके विघटन के बाद रूस बन जाने के बाद। आज भी हमारे रिश्ते रूस से लाजवाब हैं। लेकिन ऐसी सहुलियत अमेरिका के साथ नहीं है। दशकों से हम देख रहे हैं कि अमेरिका भारत का एक विश्वस्त और भरोसेमंद दोस्त कभी नहीं रहा। दोनो देशों के बीच का रिश्ता महज ले दे का रहा है। अमेरिका को भारत के रूप में एक सस्ता बाजार चाहिए और भारत को उन्नत तकनीक, अत्याधुनिक विज्ञान और अद्वितीय हथियार चाहिए। इसी लेन देन पर दशकों से टिके रिश्तों में ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में काफी पेचीदगियां आ गई हैं।

अपने पहले कार्यकाल के मुकाबले ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में काफी आक्रामक और भ्रमित वक्तव्य के लिए कुख्यात हो रहे हैं। ''भारत और अमेरिका दो महान लोकतांत्रिक देश हैं''। यह केवल मुहावरा भर रह गया है। भारत का लोकतंत्र ईवीएम अर्थात इलेक्ट्रॉनिक वाटर मशीन के प्रश्नों के घेरे में उलझा रहता है जिसमें विपक्षी पार्टियां एल एन मस्क और ट्रम्प के ट्वीट को कोट कर पेपर वैलेट की जोर शोर से मांग कर रहे हैं। तथा अमेरिका का लोकतंत्र ट्रम्प के तानाशाही पूर्ण रवैये की भेंट चढ चुका है। हालांकि अमेरिका के इसी महान लोकतंत्र में बाइडेन के मुकाबले पिछली बार हारने वाले ट्रम्प महाशय ने अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस के सदन में चढ़ाई कर दी थी और परिणाम मानने से इंकार तक कर दिया था। ट्रंप का बेखोफ़ होकर एक के बाद एक चौंकाने वाला और बेहद रिस्की निर्णय यह बता रहा है कि जैसे ट्रंप ने यह सोच लिया हो कि अब अगला कार्यकाल तो मिलने का नहीं है इसलिए कुछ ऐसा कर चलो ताकि इतिहास में ख्यात या कुख्यात किसी न किसी रूप में याद किया जाऊं।

कभी यूक्रेन को धमकी तो कभी गले लगाना, कभी पुतिन से गले लगना और फिर तत्काल ही भारी भरकम पाबंदी घोषित करना, कभी मोदी जी को अपना पक्का दोस्त कहना और अगले ही पल भारतियों को हथकड़ियों में जकड़ना, कभी चीन के साथ नर्मी फिर अगले ही क्षण कड़े तेवर। ये लक्षण एक विचारवान और धीर-गंभीर शासक के नहीं हो सकते। यों तो ट्रम्प के साथ अति आत्मविश्वास का मानसिक असन्तुलन का लेवल चस्पा हो चुका है या फिर अमेरिका को रसातल में पहुंचाने की जिद। यह साफ दिख रहा है कि भारत सरकार एक प्रोटोकॉल के तहत अमेरिकी फैसलों पर सोच समझकर प्रतिक्रिया देने के लिए बाध्य है लेकिन भारतीय जनता नहीं। जो अपमान जनक और बेहूदे निर्णय ट्रम्प ले रहे हैं उससे यह तय है कि भारतीयों की कुदृष्टि ट्रंप को अवश्य लगने को हैं। अमेरिका ने अनेक ऐसी गलतियां कर दी हैं जिससे कि अमेरिका का बर्बाद होना तय कर दिया है। सत्ता में आने के बाद से ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ताबड़तोड़ फैसले ले रहे हैं।

अमेरिका हमेशा से ही एक मिली-जुली संस्कृति का केंद्र रहा है। यहां विभिन्न देशों से लोग आकर कर रहते हैं, और फिर यहीं के नागरिक बन कर रह जाते हैं। यहां के अति आधुनिक संसाधन और प्रतिभाशाली लोगों को अच्छे अवसर बहुत आकर्षित करते हैं। यहां मेहनत करने वालों को बहुत जल्दी सफलता मिलती है। कोई बॉडीबिल्डर यहां आकर बड़ा एक्टर बना सकता है और किसी राज्य का गवर्नर भी बन सकता है। ऐसा किसी और देश में सम्भव नही हो सकता है? यह है अमेरिकन निर्णय और तेज रफ्तार वाला अमेरिका। मगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आने के साथ अब अमेरिका में सब कुछ तेजी से बदल रहा है। ट्रंप समर्थक अब भारतीयों समेत सभी इमिग्रेंट्स यानी बाहर से आकर बसने वाले लोगों के खिलाफ हैं। वे चाहते हैं कि अमेरिका में बाहर से लोगों का आना बंद हो जाए। वे इमिग्रेशन को अमेरिकियों के लिए नौकरी कम होने, उनकी कम सैलरी और अपराध बढ़ने का कारण मानते हैं।

अमेरिका में मूल अमेरिकी केवल 2 प्रतिशत हैं। बाकी 98 फीसदी लोग कहीं न कहीं से आकर बसे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के पिता जर्मन थे। मेलानिया स्लोवेनिया से हैं। वहीं जेडी वेंस स्कॉट्स-आयरिश हैं और उनकी पत्नी भारतीय हैं। राष्ट्रपति चुनाव के दौरान ट्रंप ने इमिग्रेशन को बड़ा मुद्दा बनाया। चुनाव जीतते ही उन्होंने इमिग्रेंट्स के खिलाफ कार्रवाई की। इससे हजारों भारतीय भी प्रभावित हुए हैं। ट्रंप ने जन्मजात नागरिकता में भी बदलाव कर रहे हैं। यह मामला अब अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में है। ट्रंप मनमर्जी से टैक्स लगा रहे हैं। अगर टैक्स ज्यादा होगा, तो अमेरिका में बाहर से आने वाली चीजें महंगी हो जाएंगी। जो चीजें देश में बनती हैं, उनके दाम भी बढ़ जाएंगे। अभी तो ये टैक्स सिर्फ कुछ चीजों पर ही लगा है, जैसे कार और स्टील। कहीं 10 प्रतिशत तो कहीं 25 प्रतिशत। मगर बाद में कीमतें बढ़ेंगी, 2 अप्रैल से लागू हो सकती हैं।

इसी तरह 1970 के दशक में जब पूरी दुनिया ने जलवायु परिवर्तन पर ध्यान देना शुरु किया था तब अमेरिका ने इसमें बड़ी भूमिका ग्रहण कर ली थी। अमेरिका ने पर्यावरण संरक्षण एजेन्सी भी बनाई। उसने हवा, पानी और जंगलों को लेकर कानून बनाए। जलवायु संरक्षण पर शोध कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। यूनिसेफ की सहायता से अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को आगे बढ़ाया। 2015 में पेरिस समझौता हुआ लेकिन विडम्बना देखिए ट्रंप ने इस पेरिस समझौते से अमेरिका को अलग कर दिया है। क्या पर्यावरण नुकसान से अमेरिका सुरक्षित रह जाएगा। जब पूरी दुनिया तबाह होगी तब अमेरिका कौन से बिल में घुस कर बचेगा। ट्रंप के इस दुराग्रह का असर अमेरिका और कनाडा के करोड़ो लोगों के पीने के पानी की गुणवत्ता पर पड़ने वाला है।

वहां लोग खराब पानी पीने को मजबूर हो जाएंगे। अब वहां कारखानों से निकलने वाले गंदे पानी को रोकने वाला कोई नहीं है। अमेरिकी शहरों सहित सभी प्राकृतिक जगहों पर फिर से धुंधला आसमान, गंदी नदियां, जहरीला कचरा और कारखानों का गंदा पानी दिखाई देना शुरू हो गया है। जलवायु संकट और गहराने लगेगा। अभी हाल ही में अमेरिका भीषण आग की चपेट आ चुका है। जंगलों लगी आग थमी नहीं है। जिससे अमेरिकियों की सेहत, रोज़गार, शहरों, बुनियादी ढांचे, पेड़-पौधों और जानवरों पर बहुत बुरा असर डालना शुरू कर दिया है। ट्रम्प ने अपने अक्खड़पन का नमूना अमेरिका में शिक्षा विभाग को बन्द करके दिया है। नतीजा होगा शिक्षा की गुणवत्ता खराब होना। क्वालिटी एजूकेशन के लिए हर युग और हर देश में सरकार का समर्थन और सहयोग अत्यावश्यक होता है। एक दौर था जब अमेरिका में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सैनिकों को उच्च शिक्षा के लिए कॉलेजों में भेजा जाता था। वहां आज भी मध्यम वर्ग और पहली पीढ़ी के छात्र कॉलेज जाना एक बड़ी उपलब्धि मानते हैं। अमेरिकी में सभी सरकारें हमेशा से उच्च शिक्षा को समर्थन देती आई हैं। इससे शोध में आगे रहने, काम करने की क्षमता बढाने जैसे फायदे होते हैं। इसमें दूसरे देशों से आने वाले विद्यार्थियों को भी समाविष्ट किया जाता था। मगर ट्रंप ने पूरी बाजी पलट दी है। निश्चित रूप से इससे भारत से जाने वाले प्रतिभाशाली छात्रों को अब वजीफा नहीं मिलेगा। परिणामस्वरूप अब भारतीय प्रतिभाओं को आर्थिक भार उठाने के लिए खुद को जूझना पड़ेगा जो काफी मुश्किल होगा।

ट्रंप का विश्वविद्यालयों के प्रति उपेक्षा भाव से छात्रों को कम स्कॉलरशिप मिलेंगी तो शोध कार्य भी कम होंगे। शिक्षकों को भारतीय अध्यापकों की तरह अधिक संख्या वाली क्लासों में पढ़ाना होगा। उच्च शिक्षा का महत्व कम हो गया, तो शोध और विकास सहित नए कारोबार तक हर चीज में अमेरिका का पिछड़ तय है। अच्छे कॉलेजों में एडमिशन मिलना, अमेरिका में अमीरी और जन्म के आधार पर बनने वाले नकली अभिजात्य वर्ग को रोकने का एक कारगर तरीका रहा है। मगर अब ये तरीका कमजोर पड़ गया है जिससे समतामूलक समाज बनाना कठिन हो जाएगा। अमेरिका में रह रहे मेरे निकटवर्ती लोगों से बात हुई तो उन्होंने बताया कि यहां रह रहे भारतियों में भारी भय व्याप्त है। बहुत से युवा लोगों ने कनाडा सहित अन्य देशों शिफ्ट होना शुरू कर दिया है। भारत के लोग अब ट्रम्प की नीतियों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करने लगे हैं। यही समय है जब हमें अमेरिका के उचित विकल्प की राह तलाशनी चाहिए। अमेरिका अपने हितों के लिए भारत से बहुत बड़ी कीमत चाहता है, प्रधानमंत्री मोदी इसके लिए तैयार नहीं है। भारत ने अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए बाजार खोलने के खिलाफ रुख अपनाया है, जिसे लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नाराज हैं। अमेरिका ने भारत पर शुल्क लगाने की धमकी दी है, जबकि भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और संधियों पर कड़ी नजर रखते हुए व्यापार लाभ सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा है। उधरअमेरिका को कर्ज देने वाले देशों में चीन-जापान के अलावा भारत भी शामिल है।अमेरिका ने भारत से सैंकड़ो अरब डॉलर का कर्ज ले रखा है। डीडब्लू की रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने करीब 234 अरब डॉलर के अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड खरीदे हैं। अमेरिका इस पर भी कम ब्याज देना चाहता है।अब आप अमेरिकी दबाव को बखूबी समझ सकते हैं।

–राजेन्द्र मोहन शर्मा,
साहित्यकार, शिक्षाविद् एवं चिंतक

स्कूली शिक्षा की परीक्षा : असर 2024 में राजस्थान का प्रदर्शन

डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत

कल्पना कीजिए, राजस्थान के किसी दूरस्थ गाँव के सरकारी स्कूल में एक आठ साल का बच्चा बैठा है। उसकी किताबें खुली हैं, लेकिन अक्षर अब भी पहेली बने हुए हैं। कक्षा में शिक्षक की आवाज गूंज रही है, पर समझने और सीखने के बीच अब भी एक लंबी दूरी बनी हुई है। यह केवल एक बच्चे की कहानी नहीं, बल्कि राज्य के लाखों बच्चों की हकीकत है।

वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट असर 2024, जिसे गैर-सरकारी संगठन प्रथम ने जनवरी 2025 में प्रकाशित किया, भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की स्थिति का एक व्यापक आकलन प्रस्तुत करती है। इस रिपोर्ट में 605 ठाामीण जिलों के 17,997 गांवों से 6.5 लाख बच्चों का सर्वेक्षण किया गया। इस रिपोर्ट में राजस्थान के ग्रामीण इलाकों की शिक्षा व्यवस्था के बारे में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं, जो यह दर्शाते हैं कि स्कूलों में बच्चे तो हैं, लेकिन शिक्षा अब भी अधूरी है। आइए, इसी संदर्भ में राजस्थान की शैक्षिक स्थिति को कारणों, चुनौतियों और संभावित समाधानों के साथ विस्तार से समझते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान में 6-14 आयु वर्ग के बच्चों का स्कूल नामांकन 90 प्रतिशत से अधिक है, जो राष्ट्रीय औसत के करीब है। समठा शिक्षा अभियान और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत किए गए प्रयासों का इसमें महत्वपूर्ण योगदान रहा है। हालांकि, 15-16 आयु वर्ग में लगभग 10 प्रतिशत बच्चे स्कूल से बाहर हैं, जो ड्रॉपआउट की गंभीरता को दर्शाता है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों की ड्रॉपआउट दर 11 प्रतिशत से अधिक है, जो बाल विवाह, घरेलू जिम्मेदारियों, और शिक्षा के प्रति सामाजिक उदासीनता से जुड़ी हुई है। बाड़मेर, जैसलमेर, और सिरोही जैसे जिलों में यह दर और भी अधिक है। सरकारी स्कूलों में नामांकन 2018 के 65 प्रतिशत से बढ़कर 2022 में 70 प्रतिशत हुआ, लेकिन 2024 में यह फिर से 66 प्रतिशत पर आ गया। यह उतार-चढ़ाव निजी स्कूलों की ओर रुझान और सरकारी स्कूलों में गुणवत्ता की कमी को दर्शाता है।

रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान में बच्चों की मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। कक्षा 3 के सरकारी स्कूलों के केवल 22 प्रतिशत बच्चे कक्षा 2 के स्तर का पाठ पढ़ सकते हैं, जो 2022 के 18 प्रतिशत से थोड़ा बेहतर है, लेकिन 2018 के 25 प्रतिशत से भी कम है। इसका मतलब समझिए कि तीसरी कक्षा के तीन चौथाई से अधिक बच्चे पिछली कक्षा की किताब ही नहीं पढ़ पा रहे है।

संख्यात्मकता में भी हालात गंभीर हैं-कक्षा 3 के केवल 30 प्रतिशत बच्चे घटाने जैसे सरल कार्य कर पाते हैं, जो राष्ट्रीय औसत (33.7 प्रतिशत) से नीचे है। कक्षा 5 के स्तर पर यह आंकड़ा और खराब हो जाता है, जहाँ 47 प्रतिशत बच्चे ही कक्षा 2 स्तर का पाठ पढ़ पाते हैं और 28 प्रतिशत बच्चे विभाजन कर सकते हैं। राजस्थान में निपुण भारत मिशन के तहत 80 प्रतिशत स्कूलों में आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफ़ अल एन) गतिविधियाँ शुरू हुई हैं और 70 प्रतिशत शिक्षकों को प्रशिक्षण मिला है, फिर भी अपेक्षित सुधार नहीं दिख रहा है। असर रिपोर्ट ने 14-16 आयु वर्ग के बच्चों की डिजिटल साक्षरता पर विशेष ध्यान दिया है। राजस्थान में 89 प्रतिशत बच्चों के घरों में स्मार्टफोन उपलब्ध हैं, लेकिन केवल 30 प्रतिशत के पास अपना निजी फोन है। लैंगिक असमानता भी स्पष्ट है-35 प्रतिशत लड़कों की तुलना में केवल 25 प्रतिशत लड़कियों के पास अपना स्मार्टफोन है। 55 प्रतिशत बच्चे इसे शैक्षिक उद्देश्यों के लिए उपयोग करते हैं, जबकि 78 प्रतिशत सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं। हालांकि, ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी और डिवाइस की कमी इसे सीमित करती है।

राजस्थान की शिक्षा व्यवस्था कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच संसाधनों और गुणवत्ता में भारी अंतर बना हुआ है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाई होती है। शिक्षकों की संख्या गुणवत्ता भी एक बड़ी समस्या बनी हुई है, क्योंकि एफ़ अल एन प्रशिक्षण के बावजूद प्रभावी शिक्षण सुनिश्चित नहीं हो पा रहा है। इसके अलावा, गरीबी, बाल श्रम और बाल विवाह जैसी सामाजिक-आर्थिक बाधाएँ स्कूल छोड़ने की दर को बढ़ा रही हैं, विशेष रूप से लड़कियों के लिए यह समस्या अधिक गंभीर है। तकनीकी संसाधनों और इंटरनेट की कमी के कारण डिजिटल विभाजन भी बढ़ रहा है, जिससे ग्रामीण छात्रों को आधुनिक शिक्षा से वंचित रहना पड़ता है। इसके साथ ही, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और निपुण भारत मिशन के लक्ष्य जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू नहीं हो पा रहे हैं, जिससे सुधार की गति धीमी बनी हुई है।

इन चुनौतियों से निपटने के लिए कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाने की आवश्यकता है। सबसे पहले, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुनिश्चित करने के लिए शिक्षक प्रशिक्षण और भर्ती प्रक्रिया को मजबूत किया जाना चाहिए, जिससे शिक्षकों की संख्या और गुणवत्ता दोनों में सुधार हो सके। लड़कियों की शिक्षा पर विशेष जोर दिया जाए और सामाजिक बुराई रोकने के लिए जागरूकता बढ़ाने हेतु विशेष अभियान चलाए जाएँ। डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण स्कूलों में इंटरनेट और स्मार्ट डिवाइस की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि छात्रों को आधुनिक तकनीक से जोड़ा जा सके। इसके अलावा, शिक्षा में स्थानीय समुदाय की भागीदारी बढ़ाई जाए, जिससे अभिभावकों और स्थानीय नेतृत्व को शिक्षा प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल किया जा सके। अंत में, नियमित मूल्यांकन और निगरानी की व्यवस्था की जाए, ताकि प्रगति को ट्रैक किया जा सके और सुधार की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें।

असर जैसी रिपोर्ट न केवल शिक्षा व्यवस्था का संतुलित मूल्यांकन प्रस्तुत करती है, बल्कि नीति-निर्माताओं के प्रयासों की प्रगति को भी मापती है। यह स्पष्ट करती है कि राज्य का भविष्य उसकी स्कूली शिक्षा की मजबूती पर निर्भर करता है। यदि राजस्थान को एक समृद्ध और सक्षम समाज की ओर अग्रसर करना है, तो स्कूली शिक्षा में व्यापक और सार्थक सुधार आवश्यक हैं। यह केवल बुनियादी ढांचे या नामांकन दरों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि शिक्षण गुणवत्ता, समावेशी सीखने के अवसरों और सामुदायिक सहयोग पर भी केंद्रित होना चाहिए। शिक्षा में इन बदलावों से न केवल बच्चों का भविष्य सुधरेगा, बल्कि राज्य की सामाजिक और आर्थिक प्रगति भी सुनिश्चित होगी।

- डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत,
बीकानेर
(राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता)

कैलादेवी मेले में आज से फिर बढ़ेगी भक्तों की भीड़

मेले के आठवें दिन तक करीब 24 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं

करौली, (निसं.)। कैलादेवी में चल रहे मेले में गुरुवार छठ से एक बार फिर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ेगा। मेले के आठवें दिन तक करीब 24 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं।

उत्तर भारत के प्रमुख शक्तिपीठ तीर्थ स्थल आस्था धाम कैलादेवी में इन दिनो मेला चल रहा है। मेले में लघु कुंभ का सा दृश्य देखने को मिल रहा है। चारों तरफ होटल, धर्मशालाओं में ढोल-नंगाडों की गूंज पर नाचते भक्त बाजारों में कैलामाता की जय जयकार करते दिखाई दे रहे हैं। भीड़भाड़ के चलते खेल खिलौने और भोग प्रसाद के दुकानदारों कि अच्छी खासी बिक्री हो रही है दिनभर कैलामैया का भवन माता के जयकारों से गूंजायमान रहता है मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कैलादेवी मंदिर ट्रस्ट प्रबंधन, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन पूरी तरह से सजग और मुस्तैद नजर आ रहा है। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को कतारों में मंदिर ट्रस्ट की ओर से पेयजल हेतु ठंडी पानी की नि:शुल्क बोतलों का वितरण किया जा रहा है। वहीं माता के दर्शनों के लिए कतारों में लगे भक्तों पर केवड़ा जल का छिड़काव किया जा रहा है। कैलादेवी मंदिर ट्रस्ट के मेला कंट्रोल रूम प्रभारी एडवोकेट संतोष कुमार सिंह ने बताया कि मेले में आठवें दिन बुधवार तक करीब 24 लाख श्रद्धालु दर्शन लाभ ले चुके हैं। वहीं गुरुवार छठ से लोगों की भीड़ का बढ़ना शुरू होगा जो सप्तमी, अष्टमी और नवमी तक चलेगी, जिसको देखते हुए मंदिर ट्रस्ट ने पुख्ता प्रबंध कर लिए हैं।

कैलादेवी मेले के दौरान बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है।

गर्मी के मौसम में आमजन को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को उनके निवास पर जयपुर, जोधपुर और अजमेर विद्युत वितरण निगमों की समीक्षा बैठक को संबोधित किया।

- 'विद्युत तंत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए डिस्कॉम्स उठाएं प्रभावी कदम'

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गर्मी के मौसम में आमजन को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि डिस्कॉम्स के अधिकारी बिजली आपूर्ति की सतत् मॉनिटरिंग करें और लाइनों में सुधार, ट्रांसफार्मर और जीएसएस स्थापित करने से संबंधित कार्यों को समय पर पूरा करें। साथ ही, डिस्कॉम्स बिजली छीजत घटाने को प्राथमिकता देते हुए इसे न्यूनतम करने का लक्ष्य प्राप्त करें।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर जयपुर, जोधपुर और अजमेर विद्युत वितरण निगमों (डिस्कॉम्स) की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डिस्कॉम्स उन ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत तंत्र को सुदृढ़ करें, जहां गत वर्ष विद्युत आपूर्ति सुचारू नहीं थी। टीएण्डडी और एटीएण्डसी लॉसेज को न्यूनतम करने के लिए फीडर्स लेवल मॉनिटरिंग की जाए। साथ ही, खराब मीटर्स का रिपेयर और रिप्लेसमेंट सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने ऊर्जा उत्पादन निगम को पीक टाइम से पहले मेंटेनेंस पूरा करने के लिए भी निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाअभियान (पीएम कुसुम) ए तथा सी कम्पोनेन्ट्स मील का पत्थर साबित होंगे। इन कम्पोनेंट में अपेक्षित गति लायी जाए। उन्होंने कहा कि विद्युत तंत्र के सुदृढ़ीकरण में आरडीएसएस योजना की अहम भूमिका है। इस योजना की प्रभावी क्रियान्विति से घरेलू एवं अघरेलू उपभोक्ताओं को सुचारू बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी और उन्हें ट्रिपिंग की समस्या से भी निजात मिलेगी। जयपुर, जोधपुर और अजमेर डिस्कॉम्स इस योजना की प्रभावी रूप से क्रियान्वित करें। जो कॉन्ट्रेक्टर्स योजना के कार्यों को संपादित करने में अनावश्यक देरी कर रहे हैं, उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली योजना के लाभान्वित परिवारों को सोलर प्लांट लगाते हुए निःशुल्क 150 यूनिट्स बिजली प्रतिमाह उपलब्ध कराएगी। जिन अल्प आय वर्ग के घरों पर सोलर प्लांट का स्थान उपलब्ध नहीं है, वहां पर सामुदायिक सोलर प्लांट स्थापित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने इस योजना की त्वरित क्रियान्विति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

शर्मा ने डिस्कॉम्स को लंबित घरेलू एवं अघरेलू कनेक्शन शीघ्र जारी करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि लंबित कृषि कनेक्शन्स को प्राथमिकता से निस्तारित किया जाए। डिस्कॉम्स के अधिकारी प्रतिदिन कृषि कनेक्शन जारी करने की रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय को भेंजे। मुख्यमंत्री ने पीएचईडी कनेक्शनों को जारी करने की स्थिति, 33 और 11 केवी जीएसएस के निर्माण और खराब ट्रांसफार्मर के रिप्लेसमेंट की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

बैठक में ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, डिस्कॉम्स चैयरमेन आरती डोगरा, राजस्थान ऊर्जा विकास निगम के प्रबंध निदेशक ओम कसेरा, राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम के प्रबंध निदेशक नथमल डिडेल, जोधपुर विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक डॉ. भंवरलाल, अजमेर विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक केपी वर्मा उपस्थित रहे।

जेलों की सुरक्षा को लेकर बदलाव

जेल से मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को धमकियां मिलने के बाद बदलीं व्यवस्थाएं

- सुरक्षा और चेकिंग के लिए तैनात आरएसी टीम को जेल से बाहर किया

जयपुर। राजस्थान की सेंट्रल जेल से मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को धमकियां मिलने के बाद पुलिस महानिदेशक जेल के निर्देश के बाद सभी जेलों की सुरक्षा को लेकर बदलाव किया गया है। जेल की सुरक्षा और चेकिंग के लिए तैनात आरएसी टीम को जेल से बाहर कर दिया है। अब आरएसी टीम केवल जेल के मेन गेट पर ही तैनात रहेगी।

गौरतलब है कि हाल ही में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को बीकानेर सेंट्रल जेल और उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा को जयपुर सेंट्रल जेल से धमकी मिली थी। इसके बाद डीजी जेल गोविंद गुप्ता की ओर से मामले की जांच की तो सामने आया कि आरएसी की टीम जेल प्रहरियों के साथ मिलकर कैदियों की भी जांच करती है। ऐसे में कैदी, जेल प्रहरी और आरएसी टीम में तैनात जवान मिलकर अंदर तक सामान पहुंचा रहे है। इसके बाद डीजी ने आदेश जारी कर मैन गेट के अलावा जेल में बैरिकेड तक तैनात आरएसी की टीम को हटाने के लिए कहा है।

पुलिस महानिदेशक जेल गोविंद गुप्ता ने बताया कि जो नियमों में है वह कर रहे है। जो नियमों में नहीं है और वह जेल में हो रहा है तो उसे सुधारने की जिम्मेदारी हमारी है। उन्होंने बताया कि जेल में सालों दशकों से जेल प्रहरी और आरएसी की टीम ही जेल में जाने वाले सामान,कैदी की जांच किया करते थे। लेकिन अब केवल जेल विभाग के प्रहरी ही जेल में जांच का काम करेंगे।

यहां वह जेल के लिए आने वाले सामान की जांच करेगी। कैदी की जांच नहीं करेगी। लेकिन उनका सामान जरूर चेक करेगी। जांच करने वाली आरएसी की टीम के लिए जेल के मेन गेट पर गुमटी लगा दी जाएगी। जो केवल आरएसी जवानों के लिए होगी।

देवनानी से महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष ने की मुलाकात

विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर का पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया।

- दोनों विधान सभाओं की संसदीय परंपराओं और व्यवस्थाओं पर हुई चर्चा
- विधान सभा सदन और राजनीतिक आख्यान संग्रहालय को बताया उत्कृष्ट

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से महाराष्ट्र विधान सभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने बुधवार को प्रात: यहां विधान सभा में मुलाकात की। देवनानी ने नार्वेकर का पुष्प गुच्छ भेंट कर, दुपट्टा पहना कर अभिनंदन किया। देवनानी ने श्री नार्वेकर को राजस्थान विधान सभा में नवाचारों का एक वर्ष पुस्तक की प्रति भेंट की।

देवनानी ने नार्वेकर को हिंदू विजय प्रवर्तक पुस्तक की प्रति और राजस्थान विधान सभा का स्मृति चिन्ह भी भेंट किया।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने महाराष्ट्र विधान सभा अध्यक्ष नार्वेकर को विधान सभा का सदन और सदन में की गई ऑनलाइन व्यवस्था के साथ ही राजस्थान विधान सभा स्थित म्यूजियम का अवलोकन कराया। देवनानी ने बताया की नेवा प्रोजेक्ट के तहत राजस्थान विधान सभा के सदन को डिजिटल किया गया है साथ ही सदन को नये कलेवर में तैयार कराया गया है। नार्वेकर ने देवनानी का आभार जताते हुए कहा कि सदन को डिजिटल कराया जाना सराहनीय पहल है।

लापता नाबालिगों की बरामदगी के लिए क्या है नीति : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने नाबालिग किशोरी के लापता होने के एक माह तक पुलिस की ओर से किसी तरह का अनुसंधान नहीं करने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में पुलिस महानिदेशक को 7 अप्रैल को तलब किया है। अदालत ने डीजीपी से पूछा है कि लापता हुए नाबालिगों की बरामदगी के लिए पुलिस की क्या नीति है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस मुकेश राजपुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश देवलाल गुर्जर की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में डीसीपी पूर्व तेजस्विनी गौतम अदालत में पेश हुई। उनकी ओर से प्रकरण की तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश कर मामले में की जा रही पुलिस की जांच से अदालत को अवगत कराया गया। इस पर अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि किशोरी गत 5 फरवरी से लापता है और पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। यहां तक की पुलिस ने मामले में आरोपी बनाए गए युवक के परिजनों के बयान भी हाईकोर्ट की ओर से नोटिस जारी करने के बाद लिए। पूर्व में भी अन्य मामलों में पुलिस की ऐसी कार्यप्रणाली सामने आ चुकी है। ऐसे में डीजीपी अदालत में पेश होकर इस संबंध में जानकारी दे।

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर 74.17 लाख की ठगी करने वाले को महाराष्ट्र से पकड़ा

साइबर थाना पुलिस ने 74 लाख रुपए से अधिक की साइबर ठगी के मामले का खुलासा कर एक आरोपी को महाराष्ट्र से पकड़ा है।

- शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर लोगों को लेता था झांसे में
- इन्वेस्टमेंट के नाम पर 50 बैंक खातों में जमा करवाए रुपए

जयपुर। साइबर थाना पुलिस ने 74 लाख रुपए से अधिक की साइबर ठगी के मामले का खुलासा कर एक आरोपी को महाराष्ट्र से पकड़ा है। आरोपी को जयपुर लाकर पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। वह लोगों को वाट्सएप पर मैसेज भेजकर शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट का झांसा देता और अलग-अलग बैंक खातों में रुपए जमा करवाकर ठगी की वारदात को अंजाम देता था। वारदात के लिए शातिर अपराधी अलग-अलग मोबाइल सिम का इस्तेमाल करता था।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) कुंदन कंवरिया ने बताया कि 74.17 लाख रुपए की साइबर ठगी के मामले में आरोपी तुषार वासुदेव पुस्तके निवासी दहिवडी तालुका मान जिला सातारा (महाराष्ट्र) को गिरफ्तार किया गया है। उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। आरोपी ने इन्वेस्टमेंट के नाम पर करीब 40-50 बैंक खातों में रुपए ट्रांसफर करवाए। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी के द्वारा ऑनलाइन शेयर मार्केट मे इन्वेस्ट के नाम पर लोगों के साथ साइबर धोखाधड़ी के लिए पहले एक फर्जी व्हाटसएप नम्बर पर सम्पर्क किया जाकर अपने व्हाटसएप ग्रुप में इन्वेस्टमेंट करने के लिये जोड़ा जाता है। फिर फर्जी लुभावने विज्ञापनों के बार में जानकारी देते है। जिसमें मोटे मुनाफे का लालच दिखाया जाता। उसके बाद एक वेब पेज का लिंक भेजकर रजिस्टेशन करवा कर शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट शुरू करवाकर धोखाधडी की जाती है। बदमाश धोखाधड़ की राशि अलग-अलग बैंक खातों में डिपोजित करवाते थे। डिपोजित राशि का लेन देन वेब पेज पर दर्शाते है। शुरूआत में पीड़ित से छोटे-छोटे अमाउण्ट इन्वेस्ट करवाते है और उसका फर्जी मुनाफा उसके मोबाईल पर वेब पेज पर दर्शा कर पीडित का विश्वास जीत लिया जाता था। इसके बाद खाते में मोटा अमाउण्ट इन्वेस्ट करने के लिए प्रेरित किया जाता और उसके पेज पर अधिक मुनाफा दिखाकर जाता। इसके बाद विभिन्न प्रकार के टैक्स (इन्कम टैक्स, सर्विस टैक्स, मेम्बर एवं वीआईपी चार्जेज) लगा कर विड्रो करने से पीडित को रोकते और जब पीड़ित व्यक्ति अपनी राशि निकालने के लिए दबाव डालता है तो मोबाइल बन्द कर लेते है या ग्रुप से हटा देते है।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) ने बताया कि परिवादी ने 15 जनवरी को साइबर ठगी का मामला साइबर अपराध थाने में दर्ज करवाया था कि शेयर मार्केट में ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट के नाम पर उससे अलग-अलग ट्रांजेक्शन कर 74.17 लाख रुपए की ठगी की गई। पुलिस ने तकनीकी रूप से अनुसंधान किया तो सामने आया कि शातिर आरोपी के अलग-अलग खातों में 23 लाख रुपए से अधिक राशि का ट्रांजेक्शन किया गया। मोबाइल नंबर की पड़ताल में सामने आया कि आरोपी महाराष्ट्र के सतारा जिले का निवासी है। जांच पड़ताल में आरोपी का जो पता मिला, पुलिस वहां पहुंची तो आरोपी नहीं मिला। इसके बाद मुखबिरों से जानकारी जुटाकर आरोपी तुषार वासुदेव पुस्तके को हिरासत में लिया और उसे जयपुर लाकर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में साइबर ठगी की कई और वारदातों का खुलासा होने की संभावना है।

एएजी पद पर सांदू की नियुक्ति को लेकर लिया स्वप्रेरित प्रसंज्ञान निस्तारित

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पूर्णपीठ की सहमति के बाद भी आपराधिक मामलों में पैरवी के लिए राजकीय अधिवक्ता कम एएजी पद पर ब्रह्मानंद सांदू की नियुक्ति नहीं करने से जुडे मामले में लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान को निस्तारित कर दिया है। सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस आनंद शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश प्रकरण में एकलपीठ की ओर से लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान को निस्तारित करते हुए दिए। अदालत ने माना कि यह जनहित का मामला नहीं है और ऐसे में इस पर स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान भी नहीं लिया जा सकता। इसके अलावा अधिवक्ता नियुक्ति को लेकर राज्य सरकार को विशेषाधिकार प्राप्त है। अदालत ने अधिवक्ता सांदू को छूट दी है कि वे चाहे तो इस संबंध में अलग से सर्विस रिट पेश कर सकते हैं।

सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में प्रमुख विधि सचिव रिकॉर्ड सहित पेश हुए। वहीं अदालत ने अधिवक्ता सांदू से पूछा कि इस मामले में उनका क्या कहना है। सांदू ने कहा कि मार्च 2024 में उनका पुलिस वेरिफिकेशन हुआ था और तब उन्हें पता चला था कि राज्य सरकार ने उनका नाम जयपुर पीठ में जीए-एएजी पद के लिए तय किया है। वहीं हाईकोर्ट प्रशासन की ओर से भी माना कि उनके नाम की सहमति दी गई थी।

किराएदार युवक की हत्या करने वाले को उम्रकैद

जयपुर। एससी, एसटी मामलों की विशेष अदालत ने पत्नी के साथ अवैध संबंध होने के शक के चलते किराएदार युवक की गला घोंटकर हत्या करने वाले मकान मालिक दिनेश प्रजापत को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही पीठासीन अधिकारी मोहन लाल जाट ने अभियुक्त पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

पीड़ित पक्ष की ओर से अधिवक्ता दीपक चौहान ने अदालत को बताया कि राजीव मीणा अभियुक्त के मकान में किराए पर रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। घटना के दिन 8 जून, 2020 को मृतक के परिचित रघुवीर सिंह को घटना की जानकारी मिली। जब वह मौके पर पहुंचा तो मृतक राजीव का शव घर के बाहर चबूतरे पर रखा था और उसके गले में रस्सी का निशान था। पूछने पर अभियुक्त ने बताया कि राजीव ने अपने कमरे में उसकी पत्नी की साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली थी।

कांग्रेस के नेताओं में बयान देने की होड़ : खर्रा

जयपुर। नगरीय विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि कांग्रेस परिसीमन और लोकतंत्र की बात करती है। कांग्रेस को परिसीमन से दिक्कत नहीं है, इन्हें सुशासन, सुधारों तथा एक प्रदेश-एक चुनाव से दिक्कत है। उन्होंने कहा कि कानूनी प्रक्रिया के तहत हो रहे परिसीमन को कांग्रेस बेवजह राजनीति से जोड़ रही है।

खर्रा ने कहा कि परिक्षेत्र के हर मतदाता और हर नागरिक को आपत्ति दर्ज कराने का अधिकार है। वार्डों के पुनर्सीमांकन के मामले में उस नगरपालिका क्षेत्र का कोई भी मतदाता कोई भी नागरिक आपत्ति लगा सकता है, यह उनका अधिकार है। साथ ही, राजनैतिक दलों को भी अधिकार है कि उनकों किसी भी प्रकार की परेशानी हो तो, आपत्ति लगानी चाहिए। लेकिन प्रतिपक्ष अनावश्यक राजनीति कर रहा है। नेता प्रतिपक्ष इस मामले को पहले ही उठा चुके हैं। उसी होड में दुसरे नेता भी इस मुद्दे को लेकर अपना बयान जारी कर रहे हैं।

उन्होंने परिसीमन की प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए कहा कि यह एक प्रक्रियागत कार्य है।

सहायक आचार्य भर्ती-2024 के साक्षात्कार पर रोक

जयपुर। हाईकोर्ट ने सहायक आचार्य भर्ती-2024 की चयन प्रक्रिया के दौरान चयन के नियमों में बदलाव करने पर राज्य सरकार और आरपीएससी से जवाब तलब किया है। इसके साथ ही अदालत ने भर्ती के लिए आयोजित होने वाले साक्षात्कार पर अंतरिम रोक लगा दी है। सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस आनंद शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश मनोज कुमार शर्मा व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

वक्फ संशोधन बिल गरीब मुसलमानों के हित में : मदन राठौड़

जयपुर। राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने नई दिल्ली में मीडिया बाइट के कहा कि वक्फ संशोधन बिल का देशभर में स्वागत हो रहा है। अधिकांश मुस्लिम वर्ग के लोग इस संशोधन से खुश है, यह बिल गरीब मुसलमानों के हित में है। इस बिल से किसी की भी हानि नहीं हो रही है। इस बिल संशोधन में यह प्रावधान भी किया गया है कि जो वक्फ की संपत्ति वर्तमान में उससे कोई छेडखानी नहीं की जाएगी। वक्फ बिल संशोधन वर्तमान समय की मांग है।

राठौड़ ने कहा कि वक्फ की संपत्ति पर कई लोगों ने कब्जे कर रखे है। वक्फ की संपत्ति अल्ला को दी गई है तो इसकी संपत्ति पर बाहुबली या मठाधीशों का कब्जा क्यों है। कुछ बाहुबली लोग इस संपत्ति का उपयोग करते हुए लाभ प्राप्त कर रहे है, जबकि मुस्लिम समाज को इसका लाभ तक नहीं मिल रहा। वक्फ बिल संशोधन मुसलमानों के हित में है, गरीब मुसलमानों के भलाई के लिए इस धन का उपयोग किया जाएगा। जबकि अब तक बाहुबली ही इसका उपयोग कर रहे थे। राठौड़ ने बताया कि यह कैसा कानून है जो यह कहता है कि किसी भी संपत्ति को कह दो कि ये वक्फ की संपत्ति है और वो उसकी हो जाए, यह ठीक नहीं है।

प्रदेश में 5000 करोड़ की लागत से नेशनल हाइवे बनेंगे : दिया कुमारी

- राज्य योजना में सड़कों के लिए 17384 करोड़ का प्रावधान

जयुपर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बताया कि प्रदेश में 21 नेशनल हाईवे परियोजनाओं के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा लगभग 5000 करोड़ की लागत की नई परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके तहत नागौर नेत्रा सड़क के 4 लेन का कार्य , रायपुर जस्साखेड़ा, गंगापुर सिटी बाईपास, करौली बाईपास सहित विभिन्न सड़कों का निर्माण सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा करवाया जायेगा । इसके साथ ही दुर्घटना सम्भावित 13 ब्लैक स्पाट्स के सुधार का कार्य भी करवाया जायेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नीतिन गड़करी का इस स्वीकृति के लिए धन्यवाद दिया है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा है की मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश की डबल इंजन सरकार विकास के नये प्रतिमान स्थापित कर रही है। गत वर्ष में राज्य योजना में सड़क, पुल/आरओबी/आरयूबी निर्माण हेतू 12620 करोड़ रूपये व्यय किये गए जो कि अब तक का सर्वाधिक है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष सड़क विकास के बजट में ऐतिहासिक वृद्धि करते हुए 17384 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। गौरलतब है कि राज्य योजना में ग्रामीण सड़क, वृहद् जिला सड़क (एमडीआर), स्टेट हाईवे सहित विभिन्न निर्माण करवाये जाते ।

केंद्रीय सड़क आधारभूत निधि से प्रदेश में गत वर्ष में लगभग 1300 करोड़ की लागत की सड़कों का निर्माण करवाया गया है। अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता ने बताया कि उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के प्रयासों एवं प्रभावी मॉनिटरिंग से सीआरआईएफ में पूर्व के वर्षों मे संचयी राशि में से राशि प्राप्त करते हुए अब तक की सर्वाधिक राशि गत वर्ष में खर्च की गई है।

भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान नई ऊंचाइयों पर : नरेंद्र हर्ष

जयपुर। भाजपा से जुड़े उद्यमी एवं विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय सचिव नरेंद्र कुमार हर्ष ने मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से आत्मीय भेंट की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री के सरल, संवेदनशील और विकासपरक नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके कुशल मार्गदर्शन में राजस्थान तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर हो रहा है। हर्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। हर्ष ने मुख्यमंत्री की दूरदर्शिता की सराहना करते हुए कहा कि वे जनसेवा को समर्पित हैं और हर तबके के कल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं। चाहे वह गरीबों के उत्थान की बात हो, युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की योजना हो, बेटियों की सुरक्षा का विषय हो या आधारभूत संरचना के विकास की बात हो-हर क्षेत्र में मुख्यमंत्री का संवेदनशील नेतृत्व झलकता है। हर्ष ने सांगानेर क्षेत्र के विकास का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की अगुवाई में इस क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है, नए सड़कों, फ्लाईओवर और आधुनिक सुविधाओं का विस्तार हो रहा है।

मौसमी बीमारियों से बचाव की पुख्ता तैयारियां हों : गजेंद्र सिंह खींवसर

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बुधवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आगामी गर्मियों में मौसमी बीमारियों से बचाव की तैयारियों सहित अन्य विषयों पर समीक्षा की।

- 'अलर्ट मोड में रहें अधिकारी, नियमित रूप से करें निरीक्षण'
- 'जांच, दवा व उपचार का हो माकूल प्रबंध'

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि मौसम विभाग के अनुसार इस वर्ष भी राजस्थान सहित देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी एवं हीटवेव की चेतावनी दी गई है। इसे देखते हुए सभी जिलों में अधिकारी अलर्ट मोड में रहते हुए जल्द से जल्द आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करें। किसी भी चिकित्सा संस्थान में जांच, दवा एवं उपचार से संबंधित व्यवस्थाओं में कोई कमी नहीं रहे। किसी भी स्तर पर लापरवाही सामने आई तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

चिकित्सा मंत्री बुधवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आगामी गर्मियों में मौसमी बीमारियों से बचाव की तैयारियों सहित अन्य विषयों पर समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य स्तर से मौसमी बीमारियों से बचाव की तैयारियों की सतत मॉनिटरिंग की जाए। साथ ही, राज्य स्तर से अधिकारी नियमित रूप से फील्ड में जाकर निरीक्षण करें। साथ ही, संभाग एवं जिला स्तर के अधिकारी भी अपने-अपने क्षेत्र में आवश्यक रूप से निरीक्षण करें ताकि चिकित्सा व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रहें।

खींवसर ने सभी जिलों में चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जहां भी डॉक्टर्स या नर्सिंग स्टाफ पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं है, वहां वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। स्थानीय स्तर पर नियमानुसार संविदा आधार पर चिकित्सक या अन्य चिकित्साकर्मियों की सेवाएं ली जाएं। उन्होंने गुरूवार दोपहर तक सभी जिलों से चिकित्सा संस्थानों में मानव संसाधन की स्थिति की विस्तृत जानकारी भिजवाने के निर्देश दिए।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि किसी भी चिकित्सा संस्थान में पंखे, कूलर, एसी आदि की कमी की शिकायत नहीं आए। समय रहते जरूरी संसाधनों की खरीद एवं मेंटीनेंस सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए तात्कालिक आवश्यकतानुसार आरएमआरएस में उपलब्ध राशि का नियमानुसार उपयोग किया जाए। साथ ही, दानदाताओं, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं भामाशाहों से भी सहयोग लिया जा सकता है। श्री खींवसर ने कहा कि जिलों में कंट्रोल रूम स्थापित कर उनका सुचारू संचालन किया जाए। सभी अस्पतालों में आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्थाएं पुख्ता हों। एम्बुलेंस की क्रियाशीलता एवं उसमें सभी जीवन रक्षक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित हो। आमजन को मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए जागरूक करने के निर्देश भी दिए।

रूपनगढ़ हत्याकांड और फायरिंग मामला : फरार चल रहे दो आरोपी गिरफ्तार

मामले में अब तक 32 जने गिरफ्तार हो चुके हैं, चार अब भी फरार हैं

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिले के किशनगढ़ उपखंड के रूपनगढ़ कस्बे में गत छह माह पहले जैन छात्रावास की जमीन पर कब्जे को लेकर हुए जघन्य हत्याकांड और फायरिंग मामले में जिला पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस ने मामले में फरार चल रहे दो शातिर अपराधियों को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मामले में अब तक 32 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, चार अब भी पुलिस की गिरफ्त से दूर है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

सीओ रूरल उमेश गुप्ता ने बताया कि जिला पुलिस द्वारा 22 सितंबर 2024 को रूपनगढ़ में फायरिंग, हत्या और आगजनी की वारदात ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी थी। इस दौरान बदमाशों ने खुलेआम गोलियां चलाईं, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया था। पुलिस ने इस मामले में थाना रूपनगढ़ में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया।

पुलिस ने हत्याकांड और फायरिंग मामले में फरार चल रहे दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया।

पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्य और मुखबिरों की मदद से आरोपियों की पहचान की।

इसके बाद उनके छिपने के संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई। पुलिस ने दो फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने नया गांव हरमाड़ा निवासी रमेश मोडीवाल और गांव रलावता निवासी ओमप्रकाश को गिरफ्तार किया है।

- **बदमाशों ने खुलेआम गोलियां चलाईं थी, जिससे स्थानीय लोग भयभीत हो गए थे**

चार अब भी फरार :- सीओ रूरल उमेश गुप्ता ने बताया कि मामले में अब तक पुलिस 32 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जिनमें एक महिला आरोपी भी शामिल है। इसके अलावा दो विधि से संघर्षरत बालकों को भी निरुद्ध किया गया है। वहीं इस मामले में चार अन्य फरार आरोपी अब भी फरार है। रूपनगढ़ में हुई इस फायरिंग और हत्याकांड की घटना ने पूरे जिले में सनसनी फैला दी थी। बदमाशों ने खुलेआम गोलियां चलाईं, जिससे स्थानीय लोग भयभीत हो गए थे।

हादसे में एक की मौत, दो घायल

बीकानेर, (निसं)। जिले के श्रीडूंगरगढ़ में एक बार फिर सड़क हादसे में एक जने की मौत हो गई। बीकानेर से जयपुर जा रही टूरिस्ट बस डंपर से टकरा गई। हादसे में 60 साल के बुजुर्ग की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पीबीएम हॉस्पिटल रेफर किया गया है। ये तीनों टूरिस्ट बस में सवार थे। हादसा मंगलवार रात का है।

जानकारी अनुसार बीकानेर से आ रही टूरिस्ट बस पेट्रोल पंप पर तेल भरवाने मुड़ी और श्रीडूंगरगढ़ की ओर से जा रहे एक डंपर ट्रक से टकरा गई। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। डंपर ने इतनी जोर से टक्कर मारी कि बस के आगे का हिस्सा पूरी तरह पिचक गया। आगे लगे कांच टूटकर सवारियों पर जा घुसे। पुलिस ने लोगों को निकालकर पीबीएम हॉस्पिटल पहुंचाया।

सूरजगढ़ पालिका ईओ भरत कुमार हरितवाल को सस्पैंड किया

पूर्व पार्षद बाबूलाल चेतीवाल के नेतृत्व में शिकायत हुई थी, डीएलबी डायरेक्टर ने आदेश जारी किये

सूरजगढ़, (निसं)। नगरपालिका के ईओ भरत कुमार हरितवाल को डीएलबी डायरेक्टर ने सस्पैंड कर दिया है। जानकारी के अनुसार भरत कुमार हरितवाल राजस्व अधिकारी द्वितीय है, जो ईओ के पद पर सूरजगढ़ में कार्यरत थे। लगातार डीएलबी को भरत कुमार हरितवाल की शिकायतें मिल रही थी, जिसके बाद डीएलबी डायरेक्टर इंद्रजीत सिंह ने आदेश जारी कर भरत कुमार हरितवाल को सस्पैंड करके उनका मुख्यालय डीएलबी जयपुर कर दिया है। आदेशों में लिखा गया है कि ईओ भरत कुमार हरितवाल के विरूद्ध प्राप्त शिकायतों के प्रकरण में अनुशासनिक कार्रवाई प्रस्तावित है। ऐसे में उन्हें सस्पैंड किया गया है।

इससे पहले सूरजगढ़ नगरपालिका से डीएलबी ने उन्हें एपीओ कर दिया था, लेकिन भरत कुमार हरितवाल एपीओ के विरूद्ध ट्रिब्यूनल कोर्ट में

भरत कुमार हरितवाल

पहुंच गए थे, जहां से वे स्टे ले आए और वापिस आकर सूरजगढ़ ईओ की कुर्सी पर बैठ गए। उनकी शिकायतें पहले भी हो रही थी। वापिस आने के बाद भी पूर्व पार्षद बाबूलाल चेतीवाल के नेतृत्व में पार्षदों ने उनकी शिकायतें तथ्यों और तर्कों के साथ डीएलबी समेत मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, डीएलबी के प्रमुख शासन सचिव को भेजी थी, जिसके बाद डीएलबी ने यह फैसला लिया है।

इससे पहले 2018 में मंडावा ईओ रहते हुए एसीबी ने भरत कुमार हरितवाल को 40 हजार रूपए की रिश्वत लेते हुए ट्रेप किया था। जिसके चलते व सस्पैंड हो गए थे। इसके बाद जब 2021 में भरत कुमार हरितवाल को बहाल किया गया था। तो सरकार की ओर से उन्हें फिल्ड पोस्टिंग ना देने की बात कही गई थी। बावजूद इसके भरत कुमार हरितवाल जब पिलानी ईओ लगाया गया तो पिलानी नगरपालिका के पार्षदों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सूरजगढ़ से हुई शिकायतों में भी इस बिंदू शामिल था। तरह-तरह के विवादों के चलते ईओ भरत कुमार हरितवाल हमेशा सुर्खियों में रहे हैं।

लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ को कुलगुरु ने गद्दी पर बैठाया

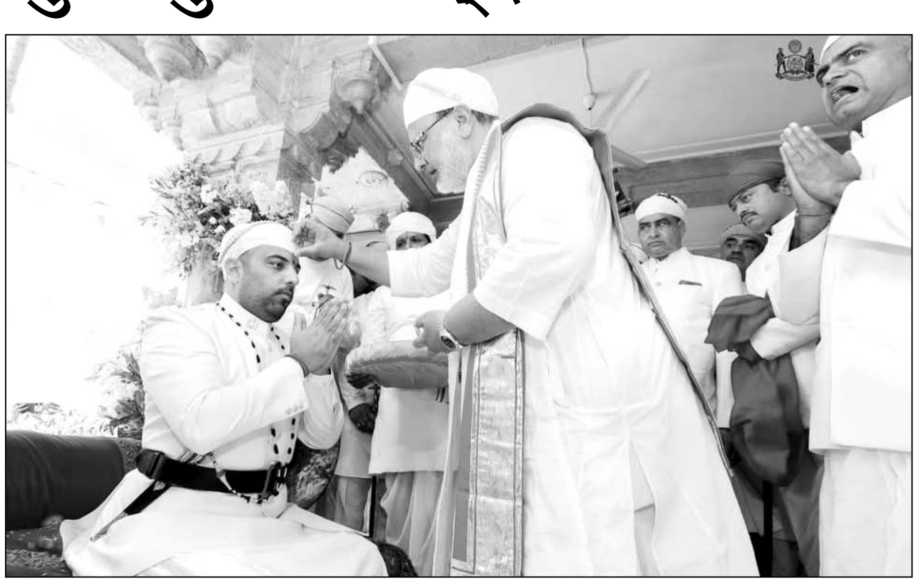

उदयपुर में मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के सदस्य डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ को कुलगुरू ने गद्दी पर बैठाया।

उदयपुर, (कासं)। मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के सदस्य डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ को कुलगुरु डॉ. वागीश कुमार गोस्वामी ने बुधवार को गद्दी पर बैठाया। मंत्रोच्चारण और शंखनाद के बीच यह रस्म निभाई गई। इसके बाद लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ ने अपने कुलगुरु समेत तमाम संत-महात्माओं का आशीर्वाद लिया।

गद्दी उत्सव की रस्म के यज्ञ में पंडितों और विद्वानों ने लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ से पूजन करवाया। हवन-पूजन सिटी पैलेस में हुआ, ओडिशा के डिप्टी सीएम और लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ के ससुर कनकवर्धन सिंह, जाने-माने कवि और एक्टर शैलेश लोढ़ा सहित तमाम लोग उदयपुर सिटी पैलेस में सुबह ही पहुंच चुके थे। सिटी पैलेस स्थित नौ चौकी महल के राय आंगन में सभी लोग सफेद रंग के कपड़े पहनकर आए। लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने सफेद कपड़ों में विधि-विधान से परंपरा निभाई। इस दौरान लक्ष्यराज सिंह के बेटे हरितराज सिंह मेवाड़ ने संतों का आशीर्वाद लिया। गद्दी की पूजा-अर्चना कर विराजमान होने के बाद लक्ष्यराज सिंह ने श्रीएकलिंग नाथजी की तस्वीर पर फूल चढ़ाकर आशीर्वाद लिया। इसके बाद धूणी दर्शन किए। अश्व पूजन भी किया। डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ को गद्दी पर बैठाने के बाद कुलगुरु डॉ. वागीश कुमार गोस्वामी ने आशीर्वाद दिया। सिटी पैलेस के शंभू निवास में दोपहर करीब तीन बजे लक्ष्यराज सिंह बेटे हरितराज के साथ अश्व पूजन किया। पंडितों ने मंत्रोच्चार के साथ पूजन करवाया। मेवाड़ में राजतिलक या फिर गद्दी पर विराजने की रस्म के साथ ही अश्व पूजन की परंपरा भी दशकों से निभाई जा रही है। पूर्व राजपरिवार की परंपरा के अनुसार शाम को कैलाशपुरी स्थित श्री एकलिंगनाथजी के दर्शन करने भी लक्ष्यराज पहुंचे। इसके बाद शाम सात बजे हाथीपोल द्वार का पूजन किया। रात सवा आठ बजे भाईपा और सरदारों के रंगपलटाई दस्तूर की परंपरा निभाई। शाम को एकलिंगजी मंदिर में दर्शन करने के बाद लक्ष्यराज सिंह ने जगदीश मंदिर में दर्शन किये उसके बाद यह रस्म पूरी हुई। लक्ष्यराज के पिता अरविंद सिंह मेवाड़ का निधन 16 मार्च को हुआ था। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे।

- **मंत्रोच्चारण और शंखनाद के बीच रस्म निभाई**

लूणकरनसर के पास हिरण का शिकार

बीकानेर, (निसं)। जिले के लूणकरनसर में हिरण शिकार करने का मामला सामने आया है। एक भेड़ चराने वाले ने शिकायत की थी। बुधवार सुबह भी शिकार की सूचना मिली तो टाइगर फोर्स के अध्यक्ष महिपाल सिंह ने अपनी टीम को लगाया।

- **बाइक और मृत हिरण छोड़कर भागा शिकारी**
- **भेड़ चराने वाले ने शिकायत की थी**

वन रक्षक लेखराम गोदारा ने बताया कि एक बाइक बरामद की गई है, जो खून से सनी हुई है। बाइक पर नंबर नहीं है। वन विभाग को एक मृत हिरण का शव बरामद हुआ है। अब शिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

जांच में पता चल पाएगा कि आखिर शिकार किसने किया है। जानकारी के अनुसार टोल से बचने के लिए शिकारी कच्चे रास्ते से निकला। जब उसे लगा कि कुछ लोग उसके पीछे आ रहे हैं तो बाइक और हिरण का शव छोड़कर भाग गया। लूणकरणसर के पास अज्ञात हिरण शिकारियों ने मंगलवार शाम को हिरण का शिकार किया। सूचना मिलने टाइगर फोर्स प्रदेश अध्यक्ष महिपाल सिंह लाखाऊ, राकेश मुंड, राजू कायल पहुंचे। कालू टोल के पास हिरण का शव व खून से सनी हुई बाइक मिली।

डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने गंगापुर सिटी में विकास कार्यों का लोकार्पण किया

गंगापुर सिटी, (निसं)। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी बुधवार को गंगापुर सिटी के एक दिवसीय दौरे पर रही। इस दौरान उन्होंने आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण कर स्थानीय कार्यकर्ताओं के सम्मेलन में भाग लिया। इसके अलावा यहां बालिकाओं को स्कूटी का वितरण किया। भाजपा जिला अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर के नेतृत्व में उप मुख्यमंत्री के गंगापुर सिटी बॉर्डर पहुंचने पर स्वागत कर आगवानी की गई।

- **दीया कुमारी ने मेधावी छात्राओं को स्कूटी वितरित की, कार्यकर्ता सम्मेलन में शिरकत की**
- **उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने गंगापुर सिटी में सड़कों के लिए 25 करोड़ रुपए की सौगात दी**

बाइपास स्थित जिला अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर के आवास पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंत्रणा की। वहीं गंगापुर सिटी में सार्वजनिक निर्माण विभाग, नगर परिषद, पंचायत समिति द्वारा निर्मित विभिन्न सड़कों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। इस अवसर पर क्षेत्र की प्रतिभावान छात्राओं को कालीबाई भील व देवनारायण छात्रा स्कूटी योजना के अंतर्गत स्कूटी वितरित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनने हेतु प्रोत्साहित किया तथा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रोत्साहन राशि के चेक एवं उपकरण वितरित किए। साथ ही क्षेत्र की जनता की मांग पर गंगापुर नगर परिषद क्षेत्र में सड़कों के निर्माण हेतु 25 करोड़ एवं गंगापुर सिटी-शफीपुरा-बामनवास-लिवाली-बिनोरी बालाजी रोड (एमडीआर-248) निर्माण के लिए प्रथम फेज में 12 किलोमीटर रोड करीब 20 करोड़ रुपए से बनाने की घोषणा की।

गंगापुर सिटी में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मेधावी छात्राओं को स्कूटी वितरित की।

वहीं भाजपा जिला कार्यकर्ता सम्मेलन का भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रपट पर दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर विधिवत शुभारंभ किया गया। वंदे मातरम के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष मानसिंह गुर्जर, सपोटरा विधायक हंसराज मीणा, बामनवास विधायक प्रत्याशी राजेंद्र मीणा, नगर परिषद सभापति शिवरतन अग्रवाल, प्रधान मंजू गुर्जर, पूर्व जिला अध्यक्ष भरतलाल मथुरिया, बामनवास प्रधान शशिकला मीणा, बोली प्रधान कृष्णा पोसवाल, ओमप्रकाश ढंगोरिया, पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेशचंद जैन आदि ने उप मुख्यमंत्री का 51 किलो की माला पहना कर स्वागत किया। मंच संचालन जिला महामंत्री हरिओम गर्ग ने किया।

डिप्टी सीएम ने चुटकी ली :- डिप्टी सीएम ने सवाई माधोपुर के कार्यकर्ताओं पर चुटकी लेते हुए कहा कि गंगापुर सिटी ने उन्हें बुलाकर बाजी मार ली, सवाई माधोपुर के कार्यकर्ता इस मामले में पीछे रह गए और उन्हें नहीं बुलाया। हालांकि यह उन्होंने तीन बार कहा और इस पर भी उन्होंने कहा कि सवाई माधोपुर तो उनका घर आंगन है और सवाई माधोपुर में ऐसा कोई काम ही नहीं रहा जिसके लिए जनता उनसे मांग करें। जनता की मांगने से पहले ही उन्हें बड़ी सौगात मिल रही है।

जंगली जानवर ने पांच बकरियों को शिकार बनाया

सूरजगढ़, (निसं)। थाना इलाके के काकोड़ा गांव में बीती रात को एक पशुपालक की पांच बकरियों को अज्ञात जंगली जानवर ने अपना शिकार बना लिया। प्रारंभिक तौर पर जिन बकरियों की मौत हुई है, उन पर हमले करने वाला श्वान बताया जा रहा है। लेकिन ग्रामीण इस बात को मानने से इंकार कर रहे हैं। मौके पर सभी विभागीय टीम पहुंची और अपनी अपनी रिपोर्ट तैयार की है।

जानकारी के मुताबिक काकोड़ा गांव में पवन कुमार कुमावत मजदूरी करता है। उसके घर में पांच बकरियां थी। रात को 11 बजे वह सोया। तब तक सभी बकरियों को देखकर और उन्हें अलग-अलग बांधकर सोया था। सुबह जब पांच बजे उठा तो सभी बकरियां एक जगह पड़ी हुई और मृत हालातों में मिली। जिस पर ग्रामीण इकट्ठा हो गए। मौके पर सूरजगढ़ पुलिस के अलावा पशुपालन विभाग की टीम, चिड़ावा से वन विभाग की टीम और हलका पटवारी भी पहुंचे। मौके पर मृतक बकरियों का पोस्टमार्टम किया गया। ग्रामीणों ने पवन कुमावत को मुआवजा दिलाने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि वन विभाग इसे किसी श्वान के हमले से जोड़कर देख रहा है, लेकिन ऐसा नहीं हैं। क्योंकि पिछले माह 19 मार्च को भी गांव के एक मेघवाल परिवार के घर में बंधी तीन बकरियों को भी इसी तरह हमला कर मौत के घाट उतार दिया गया था। यह किसी जंगली जानवर के गांव में आ जाने से हो रहा है।

- **हमला करने वाला जानवर श्वान बताया जा रहा है**

डिफैंस स्टडीज़ एंड एनालिसिस के महानिदेशक जैसलमेर पहुंचे

जैसलमेर, (नि.सं.)। देश के प्रमुख थिंक टैंक मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान के महानिदेशक सुजान आर चिनॉय ने भारत-पाक बॉर्डर का दौरा किया। अपने दो दिवसीय आधिकारिक जैसलमेर दौरे के दौरान क्षेत्रीय मुख्यालय जैसलमेर (उत्तर) की सीमा चौकियों का दौरा कर जवानों से मुलाकात की। भारत-पाक सीमा पर सीमा सुरक्षा बल की हथियारों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन कर जानकारी ली। सीमा चौकी पर सीमा सुरक्षा बल डीआईजी नार्थ सेक्टर योगेन्द्रसिंह राठौड़ और कमांडेंट वी पी सिंह ने स्वागत किया। सीमा चौकी पर सुजान आर चिनॉय ने बॉर्डर पर जवानों और महिला प्रहरी से मुलाकात कर उनकी हौसला अफजाई की। इस दौरान सीमा चौकी पर सीमा सुरक्षा बल में इस्तेमाल किये जा रहे हथियारों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। महानिदेशक चिनॉय ने तनोट माता मंदिर में पूजा-अर्चना की और देश में अमन एवं शांति की कामना की। महानिदेशक ने सीमा सुरक्षा बल के अधिकारियों से मुलाकात कर जैसलमेर की अन्तर्राष्ट्रीय सीमा की सामरिक सुरक्षा व्यवस्थाओं के बारे में चर्चा की।

बीएसएफ महानिरीक्षक जोधपुर ने बीएसएफ डाबला का निरीक्षण किया

जैसलमेर, (नि.सं.)। सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक, सीमांत मुख्यालय जोधपुर एम.एल. गर्ग ने जैसलमेर सेक्टर साउथ डाबला का वार्षिक निरीक्षण किया। उन्होंने 122वीं वाहिनी के विभिन्न सीमा चौकियों तथा तारबंदी से लगती भारत-पाक सीमा का सुरक्षा मुआयना किया। वहीं रात्रि विश्राम भी किया।

- **122वीं वाहिनी के विभिन्न सीमा चौकियों तथा तारबंदी से लगती भारत-पाक सीमा का सुरक्षा मुआयना किया**

निरीक्षण के दौरान बीएसएफ सेक्टर साउथ के उप महानिरीक्षक विक्रमकुंवर एवं 122वीं वाहिनी के कमांडेंट मुकेश पवार ने ऑपरेशनल एवं प्रशासनिक कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर अन्य बीएसएफ अधिकारी भी उपस्थित रहे। महानिरीक्षक ने सीमा चौकी पर नव निर्मित दो महिला बैरकों का उद्घाटन किया।

महानिरीक्षक एम.एल. गर्ग ने सीमा चौकी पर नवनिर्मित दो महिला बैरकों का उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि इन बैरकों के निर्माण से महिला कार्मिकों के रहन-सहन की गुणवत्ता में सुधार होगा, जिससे वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन और अधिक कुशलता से कर सकेंगी। इसके पश्चात उन्होंने सीमा पर तैनात जवानों से संवाद स्थापित कर उनका मनोबल बढ़ाया तथा उन्हें सतर्कता और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जवानों को हर परिस्थिति में सतर्क और सजग रहने के निर्देश दिये, ताकि सीमा सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक न हो।

बीकानेर में एक करोड़ से अधिक की लूट

बीकानेर, (निसं)। शहर के बीछवाल थाना इलाके में दो जनों के साथ लूट की वारदात सामने आई है। जिसके बाद पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई है और पुलिस ने जिले भर में नाकाबंदी करवा दी है।

जानकारी मिली है कि इन्द्रा कॉलोनी स्थित भैरव जी मंदिर के पास व्यापारी रामवतार सारस्वत के कर्मचारियों के साथ यह लूट हुई है। उनके पास से अज्ञात लूटरों ने एक करोड़ से ज्यादा की राशि लूटी है। सूचना पर बीछवाल थानाधिकारी गोविन्द सिंह चारण मय जाब्ता मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का मुआयना किया। साथ ही आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले। बताया जा रहा है कि व्यापारी सारस्वत का तीर्थ स्तंभ पर आईसीएमएल का ऑफिस है। जहां उसके दो कार्मिक मुकेश व संपत रूपयों से भरा बैग लेकर जा रहे थे कि अचानक इन्द्रा कॉलोनी के पाास नकाबपोशों ने उससे यह बैग छीन लिया और फरार हो गये। वारदात के बाद पुलिस ने जिले में नाकाबंदी कर दी है।

भ्रष्टाचार मामले में एसीबी ने चालान पेश किया

जालोर, (कासं)। एसीबी जालोर की टीम द्वारा 17 साल पुराने भ्रष्टाचार के मामले में नौ आरोपियों के विरूद्ध एसीबी कोर्ट में चालान पेश किया गया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरा जालोर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मांगीलाल राठौड़ ने बताया कि सर्व शिक्षा अभियान के समावेशित शिक्षा के अर्न्तगत दृष्टिबाधित छात्र-छात्राओं के लिए चश्मा वितरण कार्यक्रम वर्ष 2007-08 में जालोर जिले में सर्व शिक्षा अभियान जालोर में कार्यरत अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा संबंधित फर्म चौधरी चश्माघर सांचौर जिला जालोर के बेनामी फर्म के मालिक गणेशराम चौधरी से आपस में मिलीभगत कर कूटरचित दस्तावेजात तैयार कर विभिन्न विद्यालयों में दृष्टिबाधित बच्चे कम होते हुए भी अधिक बताकर चश्मा वितरण कर वित्तीय अनियमितताएं कर राज्य सरकार को 3,98,053.50 रूपये की अनुचित हानि पहुंचाते हुए फर्म मालिक गणेशराम को अनुचित लाभ पहुंचाया। जिस पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो राज. जयपुर में प्रकरण दर्ज कर बाद अनुसंधान प्रकरण में नौ आरोपियों के विरुद्ध आरोप पत्र पाली एसीबी कोर्ट में पेश किया गया।

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना

विश्वविद्यालय में सुरक्षा प्रहरी आपूर्ति हेतु निविदा जारी की गयी हैं, जिनके यूबीएन GSU2425SLOB00058 हैं। निविदाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी **http://sppp.rajasthan.gov.in** व **www.eproc.rajasthan.gov.in** पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/25/125 वित्त नियंत्रक

कार्यालय नगर परिषद बून्दी

क्रमांकः– 7–10 दिनांकः– 01.04.2025

–:: निविदा सूचना ::–

नगर परिषद बून्दी द्वारा जारी निविदा संः निर्माण/2024–25/6 दिनांक 01/04/2025 की निविदा दिनांक 02/04/2025 से दिनांक 15/04/2025 शायः 6.00 बजे तक ऑनलाईन विक्रय की जावेगी। निविदा दिनांक 16/04/2025 को 3.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी तथा निविदा दिनांक 16/04/2025 को 04.00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी। विस्तृत शर्ते व विवरण निविदा sppp.rajasthan.gov.in/ eproc.rajasthan.gov.in पर **DLB2526WSOB00018** तथा कार्यालय समय मे किसी भी कार्यदिवस को नगर परिषद मे देखा जा सकता है।

आयुक्त
नगर परिषद, बून्दी

राज.संवाद/सी/25/155

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर

क्र.सं.संक्षिप्त वि.सं. 01 एवं 02/Exam/A.E.I/Jr. Chemist/RPSC/EP-I/2025-26 दिनांक-02.04.2025

आयोग द्वारा विभिन्न विभागों के लिए 02 विज्ञापनों के तहत् ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किए जा रहे हैं। उक्त विज्ञापनों के तहत् विज्ञापित पदों की शैक्षिणक योग्यता, विभागवार पदों की संख्या, वर्गवार वर्गीकरण, आवेदन प्रक्रिया, क्रिया, आयु सीमा व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध पृथक-पृथक विस्तृत विज्ञापन का अवलोकन करें। इन विज्ञापनों के तहत् विज्ञापित पदों हेतु विभाग का नाम, पद नाम, विज्ञापन संख्या, पदों की संख्या, आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.सं.	विभाग का नाम	पद का नाम	विज्ञापन संख्या	पदों की संख्या	आवेदन अवधि
1	ऊर्जा विभाग	सहायक विद्युत निरीक्षक	01/2025-26	09	15.04.2025 से 14.05.2025
2	जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग	कनिष्ठ रसायनज्ञ	02/2025-26	13	09.04.2025 से 08.05.2025

अन्य बिन्दु व सूचना :- एकबारीय पंजीयन शुल्क, आवेदन प्रक्रिया, प्रमाण पत्रों से संबंधित सूचना एवं परीक्षा से संबंधित अन्य बिन्दु व सूचना के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम एवं संशोधित परीक्षार्थियों हेतु आवेदन व परीक्षा संबंधी सामान्य दिशा-निर्देश तथा सम्बन्धित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लें। इसके अतिरिक्त उक्त परीक्षाओं के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेबसाइट https://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते है। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन / सूचना/ स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष सं.- 0145-2635212 एवं 2635200 पर सम्पर्क किया जा सकता है। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को सम्बोधित किया जाए।

DIPR/C/____/2025 (रामनिवास मेहता) सचिव

गर्मी शुरू होते ही पानी की किल्लत से लोग परेशान

गर्मी का पानी व प्यास से गहरा रिश्ता है जो पानी की किल्लत होने पर परेशानी का सबब बनता है। गर्मी बढ़ेगी प्यास बढ़ेगी तो पानी की किल्लत बढ़ेगी जिससे परेशानी भी बढ़ेगी। अभी गर्मी की शरुआत में ही राजधानी के शास्त्री नगर भट्टा बस्ती में बने राजीव गांधी आवासीय योजना में रह रहे सैंकड़ों परिवारों को इस पानी की समस्या से झुझते हुए देखा जा सकता है। इन लोगो के यहाँ पानी के कनेक्शन नहीं होने से जरूरत का पानी लाने के लिए सामने की बस्ती से पानी लाना पड़ता है जिसके लिए बच्चे, महिला, पुरूष व वृद्ध महिलाओं को भी दूर से पानी लाना पड़ रहा है। गर्मी बढ़ेगी तो सामने वाली बस्ती में भी पानी की जरूरत बढ़ेगी और जब वहां ही पानी नही बचेगा तो उन पर निर्भर रहने वाले सैंकड़ों परिवार एक-एक बूंद को तरसेंगे। फोटो : दिनेश भारद्वाज

दो हिस्ट्रीशीटरों को गिरफ्तार कर जब्त किए 7 लाख के 43 मोबाइल

- फोन चुरा कर अपराधियों को डिलीवरी देते थे

जयपुर। एसएमएस थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 7 लाख रुपए के 43 मोबाइलों के साथ दो हिस्ट्रीशीटरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की प्रारम्भिक जांच में सामने आया कि दोनों बदमाश एसएमएस अस्पताल के आसपास के इलाकों में मोबाइल लूट की वारदात को अंजाम दिया करते थे। लूटे गए मोबाइलों को ये बदमाश अपराध करने वाले लोगों को बेचा करते थे। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि एसएमएस थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोबाइल लूट की वारदात करने वाले मोहम्मद अली और खालिद को गिरफ्तार किया और दोनों आरोपी जयपुर के रहने वाले हैं। गिरफ्तार दोनों ही आरोपित एसएमएस थाने के हिस्ट्रीशीटर भी हैं। आरोपियों के खिलाफ पहले भी कई मोबाइल लूट के मुकदमे दर्ज हैं। थानाधिकारी धमेन्द्र कुमार ने बताया कि 1 अप्रैल को दीपक कुमार ने एसएमएस थाने में मामला दर्ज करवाया था कि उसकी माताजी का इलाज एसएमएस अस्पताल में चल रहा है। वह एडवांस आईसीयू में भर्ती है। 28 मार्च को रात वह सोया और सुबह 4 बजे जब उठा तो देखा की मोबाइल गायब था। आसपास के लोगों से मोबाइल के बारे में पूछा तो किसी को भी जानकारी नहीं थी।

इसके बाद मोबाइल चोरी को लेकर में एसएमएस थाने में रिपोर्ट दी जिस पर पुलिस टीम ने पीड़ित की रिपोर्ट पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस टीम ने घटना वाली जगह पर लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की। इसके बाद पुलिस टीम ने कुछ संदिग्धों को डिटेन कर पूछताछ की जिस पर आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार किया और लूटे और चोरी किए गए मोबाइल रिकवर हुए।

बजट घोषणा के कार्यों की शत प्रतिशत पालना विभाग सुनिश्चित करें : जोराराम कुमावत

जयपुर। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने बजट में स्वीकृत योजनाओं और कार्यों को शत प्रतिशत पूरा करने के अपने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश प्रदान किए हैं। उन्होंने कहा कि बजट में स्वीकृत कोई भी कार्य अधूरा नहीं रहना चाहिए इस बात को सभी विभाग सुनिश्चित करें और इसी के अनुरूप अपनी अपनी कार्य योजना बनाएं।

कुमावत बुधवार को पशुपालन विभाग की बजट समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मुख्य रूप से 2024-25 की बजट घोषणाओं की क्रियान्विति पर अधिकारियों से बात की और संतोष व्यक्त किया कि अधिकतर बजट घोषणाएं समय पर पूरी हो गई हैं और विभाग के पास कोई बिल लंबित नहीं है। मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि काम में गति आने लगी है।

पिछली बजट घोषणा की अनुपालना में गाय और भैंस के लक्ष्य से अधिक पंजीकरण हो गए जिसका लॉटरी निकाला जा चुका है। अब तक 42 हजार हेल्थ सर्टिफिकेट जारी हो चुके हैं और लगभग 2 हजार पशुओं का बीमा हो चुका है। मंत्री श्री कुमावत ने इस पर संतोष व्यक्त करते हुए बीमा के काम में और गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने शेष रह गए पंजीयन भी शीघ्र परा करने के निर्देश दिए।

वर्ष 2024-25 की बजट घोषणा में स्वीकृत संस्थाओं के भवन निर्माण की समीक्षा करते हुए श्री कुमावत ने जल्द भूमि के पट्टे प्राप्त कर इस कार्य को पूरा करने के निर्देश दिए।

अधिकारियों ने उन्हें इस संबंध में प्रगति से अवगत कराया। नए संस्थानों में उपलब्ध कराए जाने वाले उपकरणों के संबंध में उन्होंने विभाग को निर्देश दिए कि इनकी गुणवत्ता पूर्णतः सुनिश्चित की जाए। क्वालिटी से किसी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए।

मोबाइल वेटरिनरी यूनिट के प्रभावी संचालन पर चर्चा करते हुए श्री कुमावत ने कहा कि जिस उद्देश्य से इनकी शुरुआत की गई थी अभी वह उद्देश्य पूरा नहीं हो पा रहा है।

कहीं डॉक्टर उपलब्ध नहीं होते तो कहीं दवाइयां और पशुओं को ऐसे में उचित ईलाज नहीं मिल पाता। उन्होंने संबंधित कंपनियों की सख्त मॉनिटरिंग करते हुए कठोर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। टीकाकरण की व्यवस्था को भी और बेहतर तथा सुदृढ़ करने के निर्देश देते हुए मंत्री ने कहा कि इसमें किसी तरह की कोताही नही होनी चाहिए।

राज्य में आयोजित पशु मेलों की व्यवस्था पर असंतोष जाहिर करते हुए कुमावत ने कहा कि अभी मेलों में अव्यवस्था को लेकर पशुपालकों की शिकायतें आती हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए। मेले व्यवस्थित रूप से होने चाहिए।

नारायण सिंह सर्किल से त्रिमूर्ति सर्किल तक अतिक्रमण मुक्त कराया

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-1 के क्षेत्राधिकार नारायण सिंह सर्किल से त्रिमूर्ति सर्किल तक रोड़ सीमा को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।

महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया कि जोन-01 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित नारायण सिंह सर्किल से त्रिमूर्ति सर्किल तक रोड़ सीमा पर अस्थाई रूप से कब्जा-अतिक्रमण कर लगाये गये थड़ी, ठेलें, त्रिपाल, होर्डिंग साईन बोर्ड, इत्यादि को नगर निगम के साथ सामूहिक अभियान के तहत आज जोन-1 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा मजदूरों की सहायता से हटवाया जाकर रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। नगर निगम के जाप्ते द्वारा सामान जप्त किया गया। उक्त कार्यवाही मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-द्वितीय, प्रवर्तन अधिकारी जोन-01 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई। महानिरीक्षक पुलिस, जविप्रा, जयपुर कैलाश चन्द्र बिश्नोई ने समस्त नागरिकों से अपील है कि प्रवर्तन संबंधित शिकायतों के संबंध में वे स्वंय उपस्थित होकर कन्ट्रोल रूम हेल्पलाईन नं. या राजस्थान सम्पर्क पोर्टल एवं जरिये अवैध निर्माण/ कब्जा/अतिक्रमण इत्यादि की शिकायत/परिवाद प्रस्तुत व सम्पर्क कर अवैध अतिक्रमणों के विरूद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान देवें।

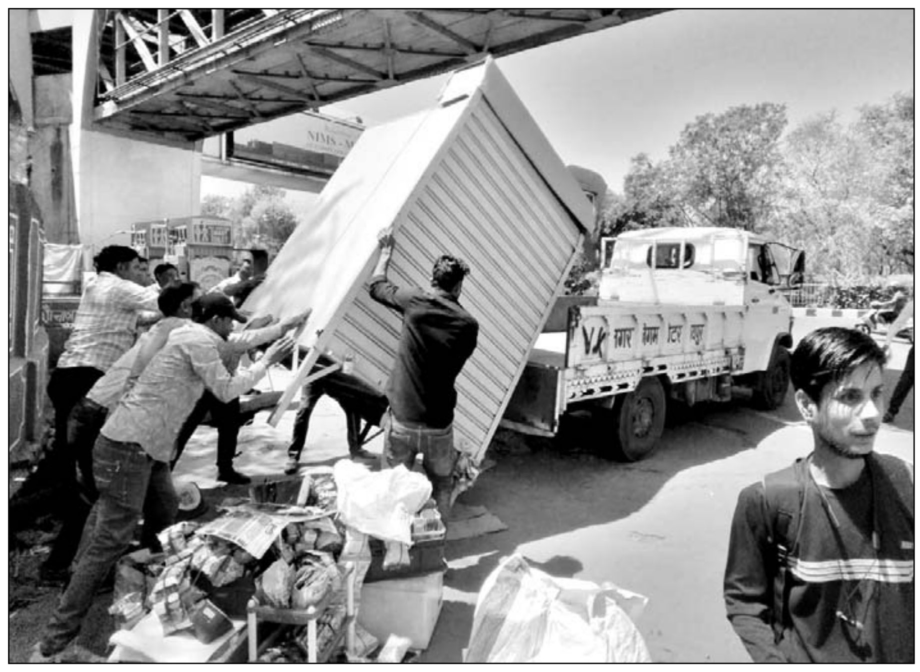

जयपुर विकास प्राधिकरण की ओर से नारायण सिंह सर्किल से त्रिमूर्ति सर्किल तक रोड सीमा को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया।

तीन सूने मकानों से लाखों के नकदी-जेवर पार

जयपुर। जयपुर में चोरों ने तीन सूने मकान को निशाना बनाकर लाखों रुपए के जेवरात व नगदी ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है।

पुलिस के अनुसार हनुमान विहार मानसरोवर निवासी नीलम ने मुहाना थाने में मामला दर्ज करवाया कि वह 31 मार्च को परिवार के साथ बाहर गए थे पीछे से चोर मकान का ताला तोड़कर अंदर घुसे और अलमारी से सोने की अंगूठी, चांदी की पायजेब, चांदी के सिक्के, दो गुल्लक और 20 हजार रुपए की नगदी ले गए।

घटना का पता पीडिता तो परिवार के साथ वापस लौटने पर लगा। परिवार वापस लौटा तो मकान का ताला टूटा हुआ था और कमरों के साथ अलमारी का सामान बिखरा हुआ था। इस पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंच कर पुलिस ने साक्ष्य लेकर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस इस मामले में घटना स्थल और उसके आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

दूसरी घटना में वाटिका रोड निवासी अशोक नामा ने सांगानेर सदर थाने में मामला दर्ज करवाया कि 31 मार्च को उसका परिवार अपने रिश्तेदार के यहां पर गया था पीछे से चोर मकान का ताला तोड़कर अंदर घुसे और 48000 रुपए और सोने चांदी के जेवरात ले गए।

घटना का पता पीडिता तो परिवार के साथ वापस लौटने पर लगा। परिवार वापस लौटा तो मकान का ताला टूटा हुआ था और कमरों के साथ अलमारी का सामान बिखरा हुआ था। इस पर पुलिस को सूचना दी। तीसरी घटना में बिचपड़ी निवासी लालचंद ने मामला दर्ज करवाया कि 23 मार्च को रिवार के साथ बाहर गए थे पीछे से चोर मकान का ताला तोड़कर अंदर घुसे और अलमारी से साढ़े 6 लाख रुपए और सोने-चांदी के जेवरात ले गए। घटना का पता पीडिता तो परिवार के साथ वापस लौटने पर लगा। परिवार वापस लौटा तो मकान का ताला टूटा हुआ था और कमरों के साथ अलमारी का सामान बिखरा हुआ था। इस पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंच कर पुलिस ने साक्ष्य लेकर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस इस मामले में घटना स्थल और उसके आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

भागवत कथा में श्रीकृष्ण लीलाओं की झांकी प्रस्तुत की

जयपुर। शहर के वैशाली स्थित गोविंद धाम पर चल रही परम पूज्य श्री श्री 1008 ईश्वरानंद ब्रह्मचारी उत्तम स्वामी महाराज के पावन मुखारविंद से भागवत कथा को श्रवण करने का भक्तगणों का उत्साह निरन्तर बढ़ता जा रहा है।

आज उत्तम स्वामी द्वारा कृष्ण जन्मोत्सव एवं बाल लीला पर प्रवचन इतने रोचक ढंग से सुनाएं की सभी श्रोतागण भाव विभोर होकर एकाग्रचित रूप से सुनते रहे और बीच-बीच में तालियां बजाते रहे और कुछ महिलाएं तो कथा के साथ चल रहे संगीत की धुन पर नृत्य करने से स्वयं को नहीं रोक पाईं और पांडाल में ही नृत्य करने लगी।

कथा के दौरान समय समय पर संगीतमय भजनों और संकीर्तन होते रहे जिससे कथा को और अधिक रोचक बना दिया। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने गुरुदेव के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। आज की कथा में देश और प्रदेश की जानी मानी हस्तियां जैसे अवधेशदास महाराज, उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, महापौर जयपुर ग्रेटर सौम्या गुर्जर, पूर्व विधायक कोटा प्रहलाद गुंजल, भानु प्रताप सिंह, महेंद्र यादव, राजाराम आरएसएस, क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख श्रीवर्धन, विजयानंद, मनोज सीकर, गजेंद्र सिंह आदि उपस्थित होकर कथा का आनन्द लिया। कल भागवत कथा में कन्या पूजन का कार्यक्रम रहेगा।

भागवत कथा के साथ चल रहे संगीत की धुन पर नृत्य करने से कुछ महिलाएं स्वयं को नहीं रोक पाईं और पांडाल में ही नृत्य करने लगी।

तेज रफ्तार ट्रेक्टर-टैंकर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

जयपुर। कालवाड़ थाना इलाके में बुधवार शाम एक तेज रफ्तार ट्रेक्टर-टैंकर ने बाइक को टक्कर मार दी। टैंकर के नीचे आने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस ने ट्रेक्टर-टैंकर को जब्त कर थाने पर खड़ा करवा दिया है।

पुलिस के अनुसार शाम करीब साढ़े 6 बजे हाथोज बस स्टेण्ड पर एक तेज रफ्तार ट्रेक्टर-टैंकर ने बाइक को टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार युवक टैंकर के नीचे आ गया। सूचना पर मौके पर पहुंच कर पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जांच अधिकारी एएसआई फूलाराम ने बताया कि मृतक की पहचान राजपूताना मोहल्ला वार्ड नम्बर 13 सीकर निवासी देवेंद्र सिंह पुत्र हरिसिंह के रुप में हुई है। देवेंद्र सिंह निवारू रोड पर रहता था और प्राइवेट काम करता था।

ट्रेक्टर-टैंकर को जब्त कर थाने पर खड़ा करवा दिया है। हादसे की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी है। परिजनों के आने के बाद शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

जगतपुरा में घटिया रोड कट के विरोध में उतरे विधायक-पार्षद

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जगतपुरा में पानी की लाइन डालने के बाद जेडीए रोड कट का जो काम करवा रहा है उसमें स्थानीय पार्षद और एमएलए घटिया बता कर विरोध कर रहे हैं। उधर जेडीए के इंजीनियर्स इसे सही बताने पर उतारू है, इसके लिए टेस्टिंग भी करवा कर सही होने का सर्टिफिकेट दे दिया।

बताया जा रहा है कि जगतपुरा कच्ची बस्ती में मिथिला विहार, अन्नु विहार में कच्ची बस्ती के आसपास के इलाकों में रोड कट रिपेयर का काम हो रहा है। इसमें बिटुमिन कंक्रीट की मात्रा जितनी होनी चाहिए वह नहीं है। इससे मौके पर सड़क उधड़ने लगी है। इसके बाद भी इंजीनियर्स सेम्पल लेकर लैब टेस्ट करा रहे हैं। बिटुमिन के साथ डामर की मात्रा भी मामूली है। इससे सड़क छह महीने भी नहीं चल पाएगी।

छह महीने बाद कोई धणीधोरी नहीं

इस सड़क का छह महीने बाद कोई धणी धोरी नहीं होगा। ठेकेदार सिर्फ छह महीने जैसे-तैसे सड़क बना कर अपना करोड़ों का भुगतान उठा लेगा लेकिन उसके बाद सड़क टूटती है तो इसका कोई धणी धोरी नहीं होगा। स्थानीय पार्षद किशन ने बताया कि इससे अच्छा होता कि जेडीए सड़क ही नहीं बनाता।

शिकायतों के बाद भी लगातार काम

पानी की लाइन डालने के बाद कई जगह रोड कट रिपेयर भी हो रहा है। इसमें डामर की मात्रा भी मामूली है और मोटाई भी बहुत कम है। यह सड़क छह महीने भी नहीं चल पाएगी। रोड कट रिपेयर का 8 करोड़ का काम पायोनियर प्लस फर्म कर रही है जिसकी पूर्व में भी कई जोन में घटिया काम की कई शिकायतें हैं। इसके बाद भी जेडीए के इंजीनियर्स इसी फर्म से काम कराते है। इस फर्म पर ब्लैक लिस्ट करने की कार्रवाई की जानी चाहिए उसके बावजूद भी कार्रवाई नहीं हो रही है।

एमएलए-पार्षद का विरोध भी काम नहीं आया

मौके पर घटिया काम होते देख स्थानीय पार्षद किशन ने इसका विरोध किया। उन्होंने मौके जेईएन और एईएन को बुला कर घटिया काम बंद करने को कहा। पार्षद का कहना था कि इससे तो बढ़िया है कि जेडीए सड़क ही नहीं बनाए क्योंकि सड़क बनाने के बाद यह छह महीने में ही टूट जाएगी। इसके बाद स्थानीय विधायक कैलाश वर्मा ने भी जेडीए के अधिकारियों को इंजीनियर्स की कार्यप्रणाली की शिकायत की। उनका कहना था कि सड़क निर्धारित मापदंडों के अनुसार बनाई जाए वर्ना काम बंद कर दिया जाए। घटिया काम करने से सड़क टूट जाएगी। एक बरसात भी यह सड़क नहीं चल पाएगी।

रोक के बावजूद कट की जगह नई सड़क नहीं

जयपुर विकास प्राधिकरण ने रोड कट रिपेयर करने का काम बंद कर दिया था। इसकी जगह रोड का नवीनीकरण का काम शुरु कर दिया था। रोड कट रिपेयर के काम में सिर्फ छह महीने की डिफेक्ट लाइबलिटी होती है जिसके बाद अगर रोड टूटती है तो उसे ठीक करने की जिम्मेदारी ठेकेदार की नहीं होती। इसे नवीनीकरण करा कर ही ठीक किया जा सकता है। इससे ठेकेदारों को करोड़ों का फायदा और जेडीए को नुकसान होता है। इन सबके बावजूद हाल ही हुए जोन 9 और 11 में रोड कट रिपेयर के ही टेंडर दिए थे जिससे जेडीए को करीब 22 करोड़ का नुकसान होना तय है।

इनका कहना है...

चैक कराएंगे। मुझे पार्षद और एमएलए के विरोध की कोई जानकारी नहीं है। अगर ऐसा है तो चैक कराते हैं।

इरशाद अहमद, एक्सईएन जोन 9 जेडीए

किसी की नहीं सुनते

कुछ कालोनियों, मिथिला विहार, अन्नु विहार, जगतपुरा कच्ची बस्ती के आसपास जो रोड कट रिपेयर का काम हो रहा था वह बिलकुल घटिया था। मैंने इसकी शिकायत भी की थी। इसके बाद एमएलए कैलाश वर्मा ने भी जेडीए के अधिकारियों से सही काम कराने को कहा था। मौके पर जेईएन और एईएन आए थे और चैक करके गए थे।

स्थानीय पार्षद, किशन

हथियार दिखाकर जान से मारने की धमकी देने वाले दो बदमाशों को धर-दबोचा

जयपुर। संजय सर्किल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हथियार दिखाकर जान से मारने की धमकी देने वाले दो बदमाशों को धर-दबोचा है और उनके पास से दो देसी कट्टे सहित दो जिंदा कारतूस बरामद किए है।

पुलिस जानकारी में सामने आया है कि गिरफ्तार शुदा आरोपियों में एक बदमाश शास्त्री नगर थाने का हिस्ट्रीशीटर मुन्ना तलवार गैंग का सदस्य रह चुका है। वहीं दूसरा बदमाश के खिलाफ आधा दर्जन से अधिक मामले दर्ज है और साथ ही एनडीपीएस एक्ट मामले में शास्त्री नगर थाने फरार चल रहा है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा डूडी ने बताया कि संजय सर्किल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हथियार दिखाकर जान से मारने की धमकी देने वाले मोहम्मद शाहरुख निवासी शास्त्री नगर और मुस्तकीम उर्फ कालू निवासी झोटवाड़ा रोड जयपुर को गिरफ्तार किया है।

सार-समाचार

डॉ. रमेश गांधी कम्युनिकेशन वर्किंग ग्रुप के सदस्य नियुक्त

जयपुर। विश्व स्वास्थ्य संगठन के सिविल सोसाइटी आयोग द्वारा डॉ. रमेश गांधी को संचार कार्य समूह के सदस्य के रूप में चुना है। यह घोषणा रूडोल्फ डैडी द्वारा जिनेवा स्थित डब्ल्यूएचओ मुख्यालय से जारी एक ईमेल में की गई। सिविल सोसाइटी कमीशन डब्ल्यू.एच.ओ. नेटवर्क का ही एक अंग जिसके प्रबंधन हेतु एक संचालन समिति, एक जनरल मीटिंग और विशेष कार्य समूह शामिल होते हैं। जेनेवा स्थित डब्ल्यू.एच.ओ. मुख्यालय ही इसके सचिवालय के रूप में कार्य करता है और आयोग के सभी कार्यों को सुगमता और सहयोग प्रदान करता है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक को पेंशन वितरण की मंजूरी

जयपुर। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक को भारत सरकार के सेंट्रल पेंशन अकाउंटिंग ऑफिस (सीपीएओ) द्वारा अपनी ओर से पेंशन वितरित करने के लिए अधिकृत किया गया है। अब बैंक केंद्रीय सरकार के पेंशनभोगियों को पेंशन दे सकेगा, जिसमें अखिल भारतीय सेवा अधिकारी, पूर्व सांसद, सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश, पूर्व राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति और सिविल मंत्रालयों व विभागों (रेलवे, डाक, टेलीकॉम और रक्षा को छोड़कर) के अधिकारी शामिल हैं। पेंशनभोगी अब अपनी पेंशन सीधे आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के सेविंग अकाउंट में प्राप्त कर सकेंगे। सीपीएओ (भारत सरकार) और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के बीच तकनीकी रूप से एकीकरण पूरा हो चुका है और अब बैंक पेंशन वितरण के लिए पूरी तरह तैयार है। पेंशनभोगी अपने जीवनसाथी के साथ संयुक्त रूप से आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में सेविंग अकाउंट भी खोल सकते हैं, जिससे मुख्य पेंशनभोगी के निधन के बाद जीवनसाथी को उसी खाते में पारिवारिक पेंशन मिलती रहेगी।

मलाबार ग्रुप ने उत्तर क्षेत्र के 7 राज्यों की 2,190 छात्राओं को छात्रवृत्ति दी

जयपुर। भारतीय कारोबारी समूह और मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की पैरेंट कंपनी मलाबार ग्रुप ने नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में आयोजित एक कार्यक्रम में 2,190 योग्य छात्राओं को छात्रवृत्ति (स्कॉलरशिप) प्रदान कर शिक्षा के माध्यम से युवतियों को सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। लाभार्थियों में सात राज्यों- बिहार, चंडीगढ़, हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के 73 स्कूलों की छात्राएं शामिल हैं। इससे देश के उत्तरी क्षेत्रों में शिक्षा के अवसरों को बढ़ावा दिए जाने की कंपनी की प्रतिबद्धता का पता चलता है। इस कार्यक्रम में इन छात्राओं को कुल एक करोड़ 81 लाख 41 हजार रुपये (1,81,41,000) की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। इससे ये छात्राएं बिना किसी आर्थिक दिक्कत के पढ़ाई-लिखाई से जुड़े अपने सपनों को पूरा कर पाएंगी। छात्रवृत्ति वितरण के लिए आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री (कॉर्पोरेट मामलों; और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग) हर्ष मल्होत्रा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति ने सशक्तिकरण और सामाजिक प्रगति के लिए शिक्षा को एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में उपयोग करने में सामूहिक प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

दिव्यांग बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

जयपुर। राजस्थान पुलिस अकादमी एवं सपोर्ट फाउंडेशन फॉर ऑटिज्म एंड डेवलपमेंटल डिसेबिलिटी के संयुक्त तत्वावधान में आरपीए स्थित पुलिस ऑडिटोरियम में ऑटिज्म एक एहसास-4 एक भव्य जागरूकता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे निदेशक आरपीए एस सेंगाथिर ने पुलिस को दिव्यांगों के प्रति मानवीय संवेदना रखने के लिए पुलिस प्रशिक्षणार्थियों को निरन्तर ट्रेनिंग दिए जाने के प्रयासों के बारे में बताया। एडीजी एवं डायरेक्टर आरपीए सेंगाथिर ने बताया कि ऑटिज्म अर्थात स्वलीनता विश्व में सर्वाधिक तेजी से बढ़ने वाली विकासात्मक दिव्यांगताओं में से एक बन चुकी है। भारत में इसके लगभग 1.8 करोड़ प्रभावित दिव्यांग है। यह दिन संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा ऑटिज्म प्रभावित व्यक्तियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उनके अधिकारों की रक्षा करने के लिए मनाया जाता है। बुधवार को आरपीए में आयोजित कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों अबीर, अक्षय, अनिरुद्ध, हितेश, शिवेन, मानव, शागिल एवं ट्रेजर लैंड स्पेशल स्कूल के बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुतियां दी। इस कार्यक्रम में देश भर से 14 ऑटिज्म अचीवर्स अयोताक्षी, विराज, अद्वितीय भटनागर, आनंद, दीपक, वेंकटेश, आदित्य शाह, विवेक सुब्रमण्यम, विनीता सुब्रह्मण्यम, देवांश चंद्र, आशुतोष पनिकर, बेंजी अक्षय भटनागर एवं प्रणव बक्शी की उपलब्धियों के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग कुलदीप रांका, अतिथियों के साथ 300 से अधिक पुलिसकर्मी एवं दिव्यांग बच्चों के अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम समापन दिव्यांग कलाकारों एवं पुलिस बैंड के द्वारा राष्ट्रीय गान के साथ किया गया।

वार्षिक भंडारा कार्यक्रम आज से

जयपुर। रामाश्रम सत्संग के संस्थापक समर्थ गुरु परम संत डॉ. चतुर्भुज सहाय जी द्वारा प्रतिपादित आंतरिक सत्संग का वार्षिक समारोह 4 अप्रैल से 6 अप्रैल तक विद्याधर नगर स्टेडियम में आयोजित होना निश्चित हुआ है। इस अवसर पर सत्संग से जुड़े सभी कार्यकर्ताओं और सेवाभावी लोग इसे सफल बनाने में जुटे हुए है। श्रीयुत अमित कुमार ने गुरू महाराज की ओर से अवगत कराया कि इन भंडारों के आयोजन से ईश्वर अपने प्रेम और दया का भंडार खोल देता है। यह भंडारा परम पूज्य आलोक कुमार और संजीव कुमार के सानिध्य में आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन में देश ही नहीं विदेश से भी साधक सम्मिलित होंगे। आप सभी का आगमन रामाश्रम सत्संग मथुरा के भंडारा कार्यक्रम को सफल बनायेगा।

रोजगार मेले में 1200 युवाओं को मिला जॉब लेटर

जयपुर। युवा कांग्रेस के विशाल रोजगार मेले में राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में युवाओं का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला, जहां 4000 से अधिक युवाओं ने रजिस्ट्रेशन कराया और 1200 युवाओं को ऑन-द-स्पॉट जॉब ऑफर लेटर दिए गए। इस मेले में 170 से अधिक नामी कंपनियों ने भाग लिया, जिनमें बैंक, डी मार्ट, रिलायंस, टाटा मोटर्स, इंफोसिस, विप्रो, टेक महिंद्रा, फ्लिपकार्ट आईसीआईसीआई बैंक, अदानी ग्रुप जैसी दिग्गज कंपनियां शामिल थीं। इन कंपनियों ने आईटी, इंजीनियरिंग, हेल्थकेयर, मैनेजमेंट, टेलीकम्युनिकेशन, मार्केटिंग सहित कई क्षेत्रों में युवाओं को उनकी योग्यता के अनुसार रोजगार प्रदान किए। इस मेले में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयभानु चिब , युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, राजस्थान युवा कांग्रेस के प्रभारी मनीष चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष अभिनन्यु पूनिया, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सुधींद्र मूँड, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष यशवीर सूरा सहित विधायक मुकेश भाकर भी पहुंचे और युवाओं को संबोधित किया।

Celebrating Creativity and Freedom

Independent Artist Day honours the creativity, passion, and perseverance of artists who carve their own paths without major industry backing. These artists, musicians, painters, writers, and filmmakers, bring unique perspectives and innovation to the world. This day recognizes their struggles, celebrates their achievements, and encourages support for their work through direct patronage, collaborations, and appreciation. In an era where digital platforms empower creators, Independent Artist Day serves as a reminder of the importance of artistic freedom and individuality. Whether by purchasing art, streaming indie music, or attending local exhibitions, supporting independent artists keeps the spirit of creativity alive.

#ARTIFICIAL INTELLIGENCE

Bring Your Photos to Life

Create Stunning Ghibli-Style Art with These Free AI Tools!

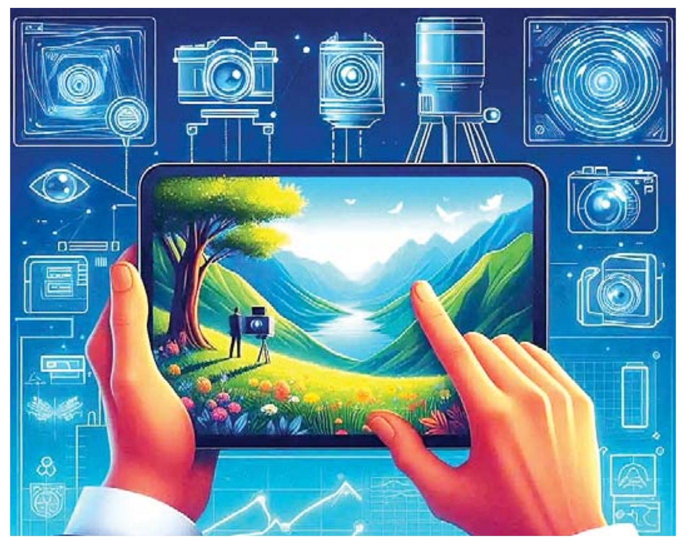

Studio Ghibli's enchanting animation style has captivated audiences worldwide, inspiring a trend where users transform their photos into Ghibli-esque artworks using AI-powered tools. These platforms offer user-friendly interfaces and impressive results, often at no cost. Here are some notable free AI image editors that can help you create Ghibli-style images!

Grok

Developed by xAI, Grok allows users to upload photos and apply the Ghibli art style. By providing detailed prompts, users can generate images that closely resemble Studio Ghibli's aesthetic. To enhance results, combining Grok with ChatGPT for prompt generation is recommended.

Fotor

Fotor offers a free platform to transform images into Ghibli-style artwork. It provides multiple style options, including 'Ghibli Style,' allowing users to upload an image, select the desired style, and download the Ghibli-inspired result.

Getimg.ai

Getimg.ai is a versatile AI tool supporting Studio Ghibli-style image generation. It offers both text-to-image and image-to-image features, allowing users to describe scenes or upload images for transformation into Ghibli-inspired artwork.

insMind

insMind specializes in converting photos into Studio Ghibli-style artwork through its free AI filter. It captures the essence of Ghibli's aesthetic, producing visuals with rich colours and soft textures. Users can upload images and apply the filter to create anime-inspired portraits or scenes.

AI Ease

AI Ease offers a free Ghibli AI filter that converts photos into captivating Ghibli art in seconds. Users can upload their images and apply the Ghibli style with ease, creating personalized artwork reminiscent of Japanese animations.

Considerations

- **Quality and Consistency:** While these tools are free, the quality and consistency of the generated images may vary. Experimenting with different platforms can help you find the one that best suits your needs.
- **Privacy:** Uploading personal photos to online platforms raises privacy concerns. It's advisable to review the privacy policies of these services before use.
- **Usage Rights:** Be mindful of the usage rights associated with AI-generated images, especially if you plan to use them for commercial purposes.

By exploring these free AI image editors, you can immerse yourself in the whimsical world of Studio Ghibli, creating personalized artworks that capture the magic of the beloved animation style.

The 1857 Mutiny Advent Of Brutality

Tatia Tope's soldiers from *The Illustrated London News*, 1858 and a depiction of rebel leader Nana Sahib on an elephant.

British measures to put an end to this rebellion were not slow in coming. And these measures displayed unparalleled ferocity and vengeance. By the beginning of June 1857, the Delhi, Meerut, Rohilkhand, Agra, Allahabad and Benares divisions had been placed under martial law. By a series of Acts passed in May and June, the definition of martial law was enlarged. These various Acts gave Britons the power to judge and take the life of Indians without recourse to the due process of law. All restrictions on the use of power were removed.

Troops of the Native Allies from *The Campaign in India 1857-58*, a series of 26 coloured lithographs published in 1857-1858.

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

'The summer of 1857 saw violence, perpetrated by the Indians and the Britons, on an unprecedented scale.'

'Never before and never after in the history of British rule in India was there violence at the level that 1857 witnessed.'

Historian Rudrangshu Mukherjee revisits a chapter of history that is often ignored.

Anniversaries are important in India. Thus, it will surprise nobody if any anniversary of the revolt of 1857 is celebrated with some fanfare. Speeches will be made extolling the revolt as the *First War of Indian Independence*, as Vinayak Damodar Savarkar called it. Such celebrations invariably have a propensity to underplay a very integral element of the rebellion, Violence. The summer of 1857 saw violence, perpetrated by the Indians and the Britons, on an unprecedented scale. Never before and never after in the history of British rule in India was there violence at the level that 1857 witnessed.

It began with violence in the late afternoon of May 10 in Meerut, with the sepoys destroying government buildings, the jail, record room, *kachehri*, telegraph office, and going on to destroy the bungalows in which the *firangi* lived. The peasants of the surrounding villages participated in the destruction. What accompanied the destruction was the killing of the White population of Meerut, irrespective of gender and age.

Once the mayhem was over and dusk had fallen, a group of sepoys rode off towards Delhi where they arrived in the morning of May 11. It was the month of Ramadan and the old and powerless Mughal Emperor, Bahadur Shah, heard a clamour outside his window in the Lal Qilla. The sepoys from Meerut were the source of the commotion. They declared to their *Badshah* that they had killed the *firangi* and had declared war on them in Meerut. They had come to him to make him their leader.

Another group of sepoys had already entered Delhi and there, together with the sepoys stationed in Delhi, they destroyed and killed, their targets being government property and the White people. A handful of Britons escaped to take refuge in Metcalfe House.

Ghalib who saw the scenes of destruction noted thus in his diary, "Throughout the day, the rebels looted the city, and at night, they slept in silken beds. The city of Delhi was emptied of its rulers and peopled instead by creatures of the Lord who accepted no lord."

By May 12, Delhi was outside British control and Bahadur Shah had been forced by the sepoys to become the leader of the rebellion. As the news of the fall of Delhi travelled down the Ganges valley, cantonment after cantonment mutinied till, by the beginning of June, British rule in North India, save in Punjab and Bengal, had disappeared. It had 'collapsed,' in the words of one British officer, 'like a house made of cards.' In every cantonment, the mutinies followed the pattern set in Meerut. The sepoys destroyed government property and killed. They were joined in this violence by the villagers of the surrounding area. The sepoys, who were all of rural origin and were therefore peasants in uniform, once they had mutinied, shed their uniforms and easily merged with the rural folks.

An emeute in the army thus quickly acquired the character of a popular uprising by moving beyond the barracks.

British measures to put an end to this rebellion were not slow in coming. And these measures displayed unparalleled ferocity and vengeance. By the beginning of June 1857, the Delhi, Meerut, Rohilkhand, Agra, Allahabad and Benares divisions had been placed under martial law. By a series of Acts passed in May and June, the definition of martial law was enlarged. These various Acts gave Britons the power to judge and take the life of Indians without recourse to the due process of law. All restrictions on the use of power were removed.

One officer wrote to *The Times*, "We have the power of life and death in our hands, and I assure you we spare not. A very summary trial is all that takes place." British rule in North India had come perilously close to being destroyed and the British had no other instrument at their command except the deployment of terror on a grand scale to restore their dominance. Imperial rule could only be maintained and reproduced by a show of terror and force. The fiction of civilising the Indians dissolved in the reality of the violence. Any form of rebellion, from stealing to desertion and possessing money that could not be accounted for, was punished by death.

Colonel James Neill, who was one of the commanding officers of the troops that moved up the Gangetic plain to quell the uprising, gave the following orders to 'settle' the town and the country around Allahabad. "All the men inhabiting them (certain named villages) were to be slaughtered." "All sepoys of mutinous regiments, not giving a good account of themselves, were to be hanged."

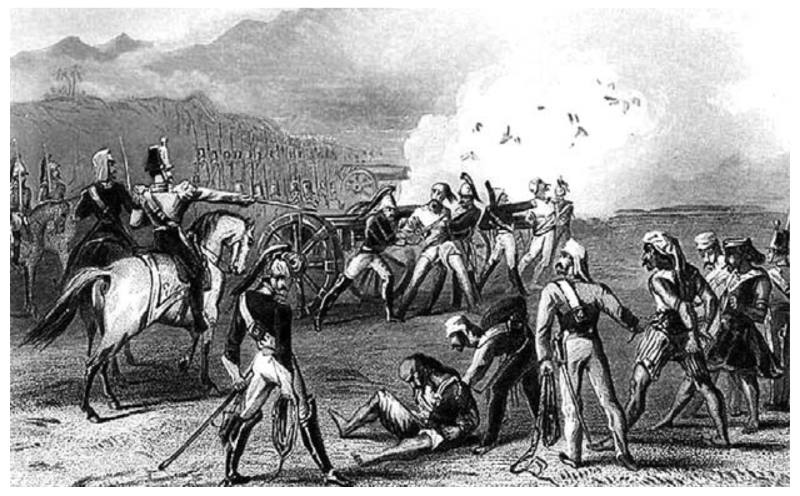

Blowing Mutinous Sepoys From the Guns, September 8th, 1857, a steel engraving from London Printing and Publishing Co, 1858.

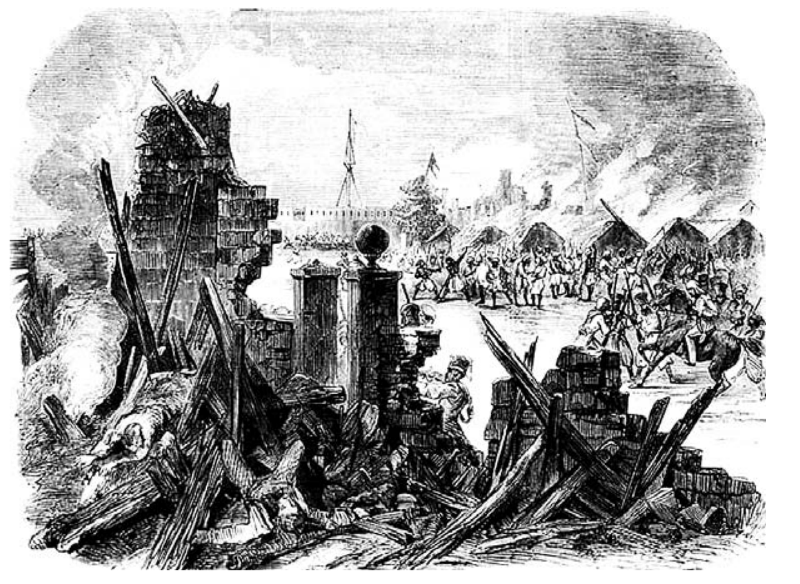

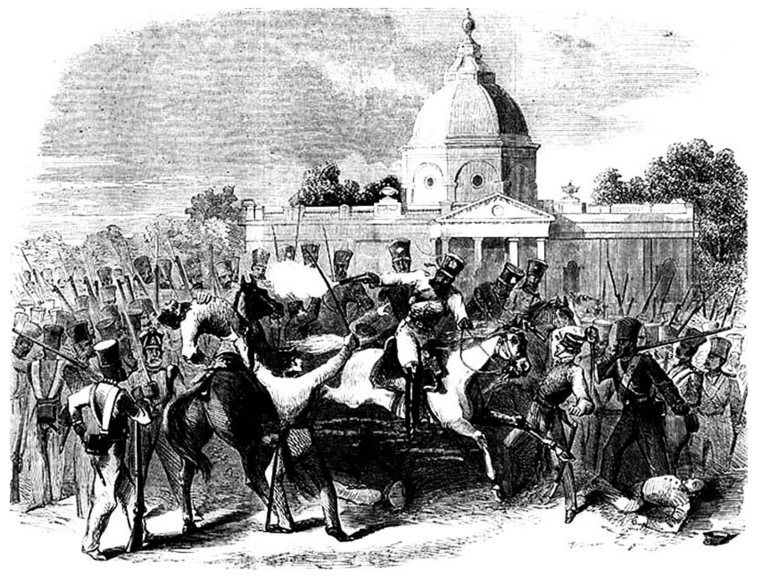

"The town of Futtehpore, which had revolted, was to be attacked, and the Pathan quarters destroyed with all their inhabitants. All heads of insurgents, particularly at Futtehpore, to be hanged." "If the Deputy Collector is taken, hang him and have his head cut off and stuck up on one of the principal (Mahomedan) buildings of the town." William Howard Russell, the correspondent of the *London Times*, who was in India in 1858, met an officer who was a part of the column that, under Neill's orders, marched from Allahabad to Kanpur. The officer reported that 'in two days, 42 men were hanged on the roadside, and a batch of 12 men was executed because their faces were turned the wrong way when they were met on the march.' Even boys who had playfully flaunted rebel colours and beaten a tom-tom were not spared. Every Indian who appeared in sight was shot or hung on the trees that lined the road, and villages were burnt.

Tyranny thus confronted rebellion. The government was unofficially warned about the policy of burning villages. It would make cultivation impossible, a famine inevitable and land revenue scarce. But there was a purpose in these acts of arson. A village is an integral part of a peasant's self-identity, his sense of belonging, a place where he is not a stranger. It is thus the primary location of a shared solidarity. The burning of the villages, homesteads, human shelters, barns, crops and so on, was aimed to interrupt the solidarity and cycle of agriculture that was the pivot of that form of life. A village is also the site of stories, myths and histories. By burning it, the British sought to obliterate the memory of a culture.

#RAJ

Reflecting on these counter-insurgency measures, J W Kaye, who in the late 1860s and 1870s penned a magisterial history of what he called the 'sepoy war,' and was not known to be sympathetic to the rebels, wrote, "Over the whole of the Sepoy War, there is no darker cloud than that which gathered over Allahabad in this terrible summer. It is on the records of our British Parliament, in papers sent home by the Governor-General of India in Council, that the 'aged, women and children are sacrificed as well as those guilty of rebellion.' They were not deliberately hanged, but burnt to death in their villages." "Englishmen did not hesitate to boast, or to record their boastings in writing, that they had 'spared no one' and that 'peppering away at niggers' was very pleasant pastime." It was not as if the violence was carried out by men who were 'out there,' but it was known to the highest authorities and had their consent. Violence in 1857 acquired a different level of intensity by what happened in Kanpur in the end of June, and then again, at the end of July. The mutiny began in Kanpur on June 4. But since the outbreak at Meerut, the commander of the Kanpur division, Hugh Wheeler, had made preparations for the safety of the Europeans. He had fortified and stocked with food a set of barracks, and here, he moved the 900 Europeans of Kanpur. The fortified area came to be known as the 'entrenchment.' Here, the British remained from June 4 to June 27, surrounded on all sides by the rebels and fired upon night and day. But the British withstood the siege and this became a chapter in the history of British heroism and suffering. On June 25, the British pickets, through an intermediary, received an offer of safe passage to Allahabad by river on boats and the men to be allowed 60 rounds of ammunition each. On the morning of June 27, around 450 Britons came out of the entrenchment to proceed to Satichaura Ghat where the boats were kept. As the British had nearly finished boarding the boats, the boatmen set fire to the thatched awnings of the boats and guns opened fire from both the banks of the Ganges, and finally, the cavalry went in to slash and kill those who had survived the shooting.

The massacre at Satichaura ghat was a Public Execution affair, watched by 12000 people.

All but 130 were slaughtered, 20 of the survivors managed to escape and the rest were taken prisoners. It would appear from all available evidence that the massacre at Satichaura Ghat had been planned in advance! The guns and troops were strategically placed, the rebels took up their positions at night, and orders were given to the neighbouring villagers to be present at the ghat. And they were present, according to one witness, 'with swords, spears and battle axes.'

The two boats that got away were chased and shot down. The boatmen set fire to the thatched awnings at a signal and the guns opened fire at the sound of a bugle. The cavalry went into the water to slash the survivors on very definite orders from Tantia Tope and the operations were supervised by Teeka Singh, Jwala Prasad (a close associate of Nana Sahib), a cavalry trooper called Nukkee and Tope, all of whom sat on a specially erected platform. The massacre took the nature of an execution. An open and public affair watched by 10,000 to 12,000 people. It was an expression of the collective hatred of the firangi. The massacre at Satichaura Ghat came close on the heels of Neill's counter-insurgency measures. It is not unfair to conjecture that the news of British atrocities had reached the rebels in Kanpur and the massacre was their revenge for it.

The Heroes of 1857

The narrative of the violence in Kanpur does not end here. The male survivors from Satichaura Ghat were all shot. The women and children were kept as prisoners in a room known as Bibighur. When the news reached Kanpur that the British forces were very close to entering the town, orders were given on July 15 to kill the prisoners in Bibighur. Four or five professional butchers were sent in, after the sepoys had refused to kill them, and they cut up the prisoners with swords and long knives. The bodies, it was said that not all of them were dead, were thrown into a well.

When the British troops under Neill's command entered Kanpur, they pieced together what had happened at Satichaura Ghat and Bibighur. They were all driven by the 'fierce thirst for revenge.' Neill spelt out what he wanted to achieve, "My object is to inflict a fearful punishment for a revolting, cowardly, barbarous deed and to strike terror into these rebels."

Neill went on to describe the method through which to instill terror, "Whenever a rebel is caught, he is immediately tried, and unless, he can prove a defence, he is sentenced to be hanged at once, but the chief rebels or ringleaders I first make, clean up a portion of the pool of blood." "To touch blood is most abhorrent to the high caste natives. They think by doing so they doom their souls to perdition. Let them think so."

Neill went a step further after the 'accused' had been hung. He instructed that 'all the Brahmins will be buried and all the Mahomedans burned.' Punishment followed in the after-life. As it always is with victors, the British believed they had been the victims and they had been on the side of angels. Thus, they commemorated the well near Bibighur as a shrine. A weeping angel carved in marble by Marochetti was placed over the well and on the stone was the simple epitaph: "These are they who have come out of great tribulation." The shrine was made into the exclusive preserve of the White man. No Indians, except Christians, were allowed near the well till August 15, 1947.

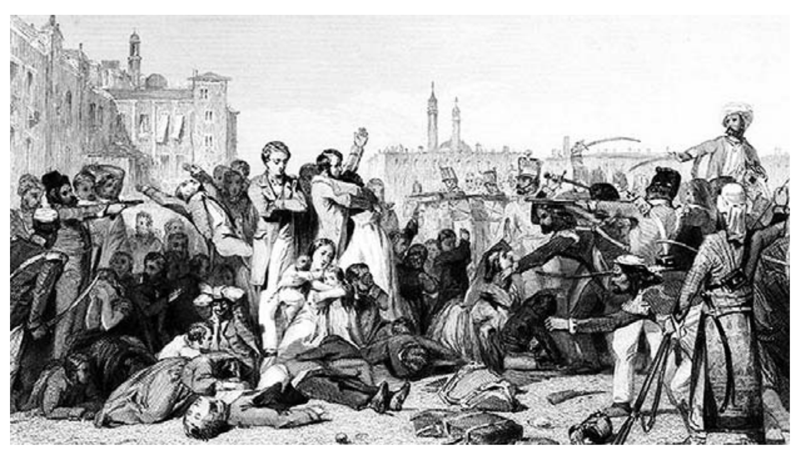

The British women and children who survived the Satichaura ghat massacre, the male survivers were all killed, were kept in a room known as Bibighar.

General Hugh Wheeler's fortified 'entrenchment' in Kanpur.

On that day, the crowd rushed in and popular enthusiasm could not be contained. The crowd damaged the nose of the angel. Following this, the decision was taken to remove the angel and the memorial and to re-erect in the memorial church in Wheeler's entrenchment by the cantonment.

A bronze statue of Tantia Tope was erected overlooking the well. Only with this reversal of icons could it be said that the cycle of violence, that was initiated on May 10, 1857, had come to a closure. The closure is so final and the replacement of British heroes by Indian 'freedom fighters' is so complete that when anniversaries of 1857 are observed, a curtain is drawn upon the massacres in Kanpur carried out by the rebels.

Nowhere is this more evident than in Jawaharlal Nehru's *The Discovery of India*, where he had this single sentence on rebel violence: "The rebel Indians sometimes indulged in cruel and barbarous behaviour. They were often angered by reports of British excesses."

The use of the word 'sometimes' is telling. In the centenary year, the Government of India produced a volume on 1857 written by the famous historian S. N. Sen. The project had been sponsored by the then education minister, Abul Kalam Azad, who had advised Sen to produce an 'objective' history of the uprising. Sen had very little to say about rebel violence and tried to free Nana Sahib from any responsibility for the massacre which, he said, was the work of the sepoys.

A freedom fighter like Nana Sahib, with his assigned place in India's Book of Martyrs, could hardly have his hand tainted by blood. There remains a persistent refusal to recognise rebel violence and its spectacular scale as displayed in the massacres in Kanpur. In the absence of that recognition, any attempt to observe the anniversary will be incomplete and all attempts to appropriate the uprising into the annals of the Indian national struggle will be fraught with tension.

There is one other aspect that needs to be borne in mind in the present conjuncture. This relates to the ethical issues relating to violence. In a world living under the shadow of terrorist violence and the violence concentrated in the hands of some, it is worth reflecting on the use of violence and its celebration as a part of a nation's struggle for freedom.

Mahatma Gandhi's message of non-violence may not be as irrelevant as is often made out to be, in the pursuit to be a great power.

rajeshsharma1049@gmail.com

British soldiers looting Qaisar Bagh, Lucknow.

THE WALL

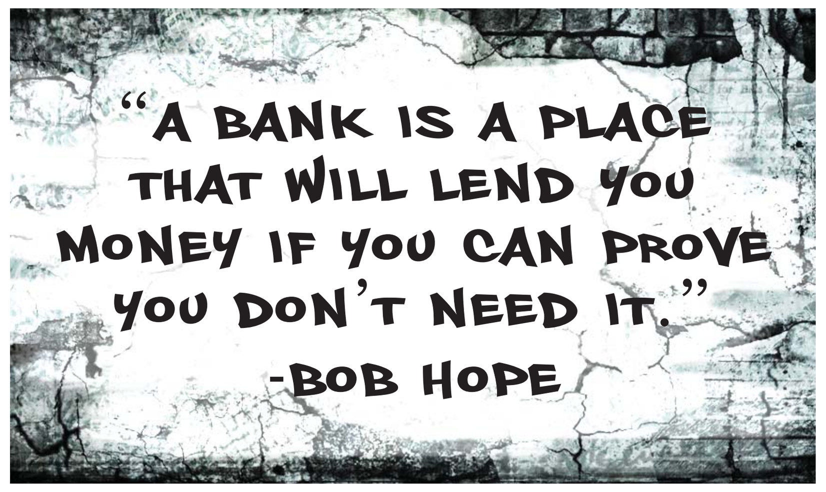

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

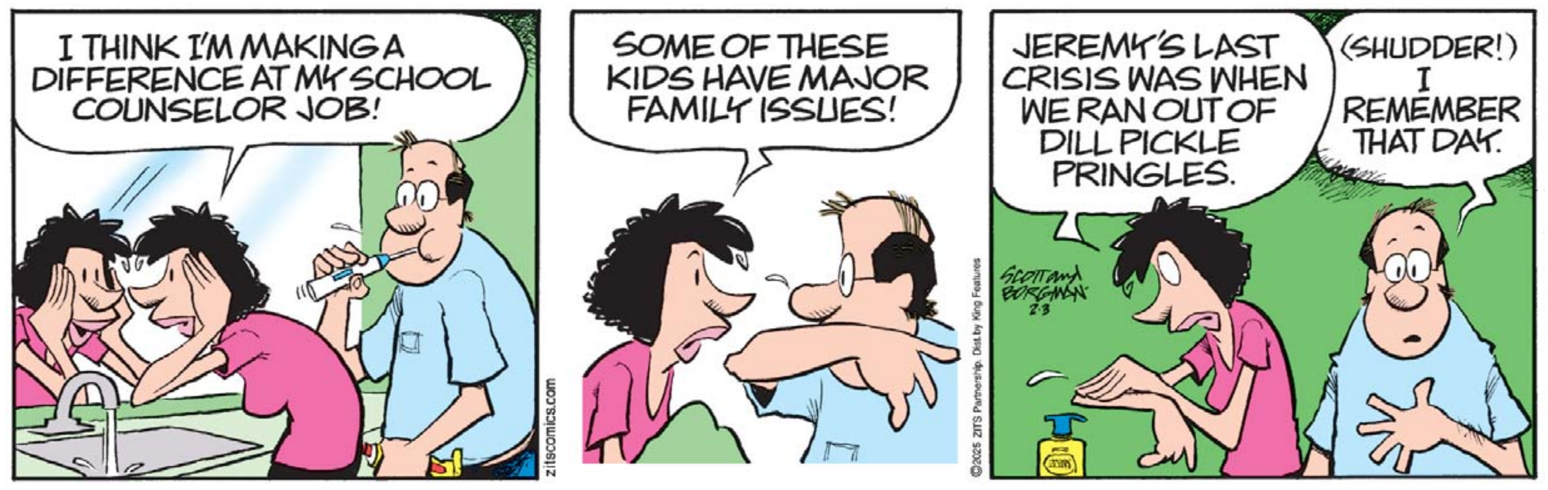

फतहसागर में बोट से कूदे युवक का शव 18 घंटे बाद भी नहीं मिला

देवाली छोर पर मिला युवती का शव, फतहसागर में रेस्क्यू टीम ढूंढ रही थी युवक का शव

उदयपुर, (कासं)। शहर की फतहसागर झील में मंगलवार को बोट से झील में कूदे युवक का शव 18 घंटे बाद भी रेस्क्यू टीम को नहीं मिला लेकिन सर्च ऑपरेशन के दौरान रेस्क्यू टीम को झील के देवाली छोर पर एक युवती का शव तैरता दिखाई दिया जिसे रेस्क्यू टीम ने बाहर निकाला और शिनाख्तगी के प्रयास किए। युवती की उम्र 21 साल बताई जा रही है।

■ युवक के सट्टा में पैसा गंवाने के चलते आत्महत्या करना सामने आ रहा है

प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार शाम अम्बामाता थाना क्षेत्र फतहसागर झील देवाली छोर पर अज्ञात युवती का शव मिला। सिविल डिफेंस की टीम ने मौके पर पहुंचकर मृतक युवती को बाहर निकाल एमबी चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका की उम्र करीब 21 वर्ष, रंग सांवला, शरीर पर काली जिंस पेंट व क्रीम स्वेटर व गले में सफेद धातू चांदी जैसी चेन पहने है तथा चौबीस घंटे पुराना शव प्रतीत होता है। पुलिस मृतका की शिनाख्तगी के प्रयास में जुटी है।

इधर, मंगलवार को चलती बोट में लाइफ जैकेट खोल झील में कूदे युवक का शव 18 घंटे बाद भी नहीं मिला और रेस्क्यू टीम अब गुरूवार को पुनः सर्च ऑपरेशन चलाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार शाम फतहसागर झील में चलती बोट में सवार युवक ने पानी में कूद कर आत्महत्या कर ली। इसके बाद युवक के शव की तलाश की जा रही थी जो बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रही लेकिन युवक का शव नहीं मिला। मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर मृतक का नाम मुम्बई निवासी दिनेश पुरोहित होकर सट्टा में पन्द्रह लाख रूपये का कर्ज होने के चलते उसके द्वारा आत्महत्या करने की संभावना जताई गई है।

उसके परिजनों के आने पर ही वास्तविकता का पता चल पाएगा। अंधेरा होने पर दूसरे दिन भी रेस्क्यू टीम को सर्च ऑपरेशन रोकना पड़ा अब गुरूवार को उसकी खोज की जाएगी।

कोर्ट के आदेश पर शिक्षा अधिकारी का चैम्बर सीज़ किया

कोर्ट नाजिर ने चैम्बर को सीज करने की कार्यवाही की।

अजमेर, (कासं)। अनुदानित शिक्षकों के बकाया परिलाभ नहीं मिलने पर बुधवार को कोर्ट ने जिला शिक्षा अधिकारी प्राथमिक शिक्षा के कार्यालय को कुर्की के आदेश दिए हैं। नाजिर ने कोर्ट के आदेशों की पालना करते हुए अधिकारी के चैम्बर को सीज कर दिया। बाबू मोहल्ला कैसरगंज स्थित अनुदानित डीएवी प्राथमिक विद्यालय के छह सेवानिवृत्त शिक्षकों को बीते 13 वर्षों से 1 करोड़ 75 लाख रुपए उनका बकाया भुगतान नहीं मिलने पर यह कार्यवाही की गई।

■ छह सेवानिवृत्त शिक्षकों को 13 वर्षों से 1 करोड़ 75 लाख रुपए बकाया भुगतान नहीं मिलने पर कार्यवाही की

■ अधिकारियों को इन शिक्षकों का प्रोविडेंट फंड, एरियर और पांचवे व छठे वेतन आयोग के तहत मिलने वाले परिलाभों का भुगतान करना था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई

मामले में जिला शिक्षा अधिकारी प्राथमिक शिक्षा ओमप्रकाश को कुर्की के आदेश दिए गए हैं। यह पूरा प्रकरण 2011 का है। इस विद्यालय के शिक्षक इंदु, स्वर्णपाल हेमलता, रविंद्र सहित एक अन्य का एक करोड़ 75 लाख रुपये का बकाया भुगतान था। समायोजन के दौरान स्कूल मैनेजमेंट निष्क्रिय था, जिसके चलते बीकानेर निदेशालय ने भुगतान की जिम्मेदारी जिला शिक्षा अधिकारी प्राथमिक शिक्षा को सौंपी थी। अधिकारियों को इन शिक्षकों का प्रोविडेंट फंड, एरियर और पांचवे एवं छठे वेतन आयोग के तहत मिलने वाले परिलाभों का भुगतान करना था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

छह माह पहले भी जारी हुए थे कुर्की आदेश :- यह पहली बार नहीं है जब इन शिक्षकों को न्याय दिलाने के लिए कोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा है। छह माह पहले भी भुगतान नहीं करने पर कुर्की आदेश जारी हुए थे, लेकिन तब विभागीय अधिकारियों ने उच्च अधिकारियों से मार्गदर्शन लेने की बात कहकर मामले को टाल दिया। इस पर कोर्ट के नाजिर ने कहा कि अधिकारियों ने जानबूझकर कोर्ट को गुमराह किया है। जबकि आहरण वितरण अधिकारी जिला शिक्षा अधिकारी प्राथमिक शिक्षा स्वयं हैं, उन्हें ही इस प्रकरण में शिक्षकों के रिकॉर्ड का संधारण करते हुए बकाया भुगतान करना था।

13 वर्षों से अपने हक के लिए लड़ रहे ये शिक्षक अब न्याय की आस में दर-दर भटक रहे हैं। सभी शिक्षक सेवानिवृत्त हो चुके हैं और इनमें से कई अपनी आयु के अंतिम पड़ाव पर हैं। उन्होंने वर्षों तक अपनी सेवाएं दी, लेकिन अब खुद आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। इनमें से कई शिक्षकों को पेंशन और अन्य वित्तीय लाभ भी नहीं मिल पा रहे हैं, जिससे उनका जीवन कठिनाईयों में गुजर रहा है। उनका कहना रहा कि कोर्ट को बार-बार दखल देना पड़ रहा है, इससे प्रतीत होता है कि विभागीय अधिकारी जानबूझकर मामले को दबा रहे हैं। वे सरकार और प्रशासन से हस्तक्षेप करने और दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं।

वहीं जिला शिक्षा अधिकारी प्राथमिक शिक्षा ओमप्रकाश ने कहा कि कोर्ट के ओदश की पालना करनी है, इस संबध में बीकानेर निदेशालय को अवगत करा मार्गदर्शन लिया जाएगा।

पेयजल आपूर्ति में किसी प्रकार की समस्या नहीं आए : जलदाय मंत्री

■ जलदाय मंत्री कन्हैया लाल की अध्यक्षता में सिरोही एवं जालोर जिले की विभागीय समीक्षा बैठक का आयोजन

जयपुर। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल की अध्यक्षता में बुधवार को आत्मा सभागार में सिरोही एवं जालोर जिले की विभागीय समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में पीएचईडी मंत्री ने दोनों जिलों में पेयजल की वर्तमान स्थिति और आने वाले समय में संभावित स्थिति की जानकारी ली तथा की जाने वाली आवश्यक कार्रवाई के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने पेयजल प्रबंधन के लिए गंभीरता से कार्य करने तथा पेयजल आपूर्ति में किसी प्रकार की समस्या न आए ये सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

जलदाय मंत्री ने आमजन द्वारा प्रस्तुत पेयजल सम्बन्धित समस्याओं का त्वरित एवं नियमानुसार निस्तारण करने तथा पेयजल प्रबंधन और वितरण तंत्र को मजबूत करने की बात कही। उन्होंने क्षेत्रवार पेयजल प्रबंधन की जानकारी ली तथा पेयजल स्त्रोतों व विकल्पों के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि आमजन को स्वच्छ एवं नियमित पेयजल उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को सरकार की मंशानुरूप कार्य करने तथा जल जीवन मिशन का कार्य समय पर पूर्ण करने व गुणवत्ताहीन कार्य करने वाले ठेकेदारों पर आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही। उन्होंने इस दौरान जल जीवन मिशन, अमृत 2.0 व अन्य विभिन्न विकास कार्यों और परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की व आवश्यक दिशा निर्देश दिये। जलदाय मंत्री ने हैंडपंप, बावड़ी एवं कुओं का मरम्मत व मेंटेनेंस के बारे में चर्चा करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति में कोई बाधा न आए इसके लिए नियमित मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने राज्य की बजट घोषणाओं से संबंधित कार्यों की क्रियान्विति समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में मौजूद आबू-पिंडवाडा विधायक समाराम गरासिया व रानीवाडा विधायक रतन देवासी ने भी क्षेत्रवार पेयजल आपूर्ति की समस्या एवं प्रोजेक्ट्स संबंधित कार्यों के सफल क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं के बारे में अवगत कराया, जिस पर पीएचईडी मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निस्तारण की बात कही तथा जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय कर सभी कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग व पूर्ण कार्यों का संयुक्त भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए। इस दौरान पूर्व सांसद देवजी पटेल तथा पूर्व विधायक जगसीराम कोली ने भी क्षेत्र में पेयजल प्रबंधन व वितरण, अवैध कनेक्शन सहित विभिन्न समस्याओं के बारे में अवगत कराया जिस पर पीएचईडी मंत्री ने संबंधित को नियमानुसार निस्तारण के निर्देश दिए।

बैठक में डॉ. रक्षा भंडारी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रकाशचंद अग्रवाल, एएसपी प्रभु दयाल धानिया, उपखंड अधिकारी हरिसिंह देवल एवं सिरोही एवं जालोर जिले के विभागीय अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

श्रीराम को अर्पित किया जाएगा मुकुट

पाली, (नि.सं.)। हिन्दू महोत्सव समिति व विश्व हिन्दू परिषद के तत्वावधान में निकलने वाली रामनवमी शोभायात्रा में इस बार विशेष प्रभुश्री रामलला को रत्न जड़ित ताज मुकुट पहनाया जाएगा। जिला प्रचार प्रसार प्रमुख मनीष सेन ने बताया कि रत्न जड़ित मुकुट में 211 ग्राम चांदी और 3350 छोटे नगीने व दो बड़े सिगनेटिक नगीने लगाए गए हैं। साथ ही मुकुट को तैयार करने में नौ दिन का समय लगा है। मुकुट में सहयोग करने वाले मुकुट डिजाइन करने में श्रीकांत सोनी, निशांत सोनी, मुकुट में नगीने फीटिंग में गौरव सोनी, मुकेश सोनी व चांदी के सहयोगकर्ता आनंदस्वरूप गुप्ता, मनोहर मांगीलाल जांगिड़ घुमड़िया का श्री राम के मुकुट में सहयोग रहा। रामोत्सव कार्यक्रम के तहत श्री राम दरबार अभिषेक व श्रृंगार कार्यक्रम गुरुवार को लक्ष्मी मंडपम में किया जायेगा।

नागाणा के नागणेच्चिया माता मंदिर परिसर में कार्यक्रम आयोजित

मां नागणेच्चा मंदिर में हुये हवन में गज सिंह व हेमलता राज्ये ने आहुतियां दी।

जोधपुर, (कासं)। नागाणा स्थित नागणेच्चिया माताजी मंदिर व मंदिर परिसर में बुधवार को नागाणा मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष गजसिंह के मुख्य आतिथ्य में अनेक कार्यक्रम आयोजित हुए। कार्यक्रमों में ट्रस्ट उपाध्यक्ष महारानी हेमलता राज्ये भी शामिल हुई। गजसिंह ने बुधवार को मां मंदिर परिसर नागाणा में जन सहयोग से निर्मित होने जा रहे राजपूत विश्राम गृह का विधिवत पूजा अर्चना के साथ शिलान्यास किया। राजपूत विश्राम गृह के प्रस्तावित प्लान के अनुसार 94 कमरे बनाए जाएंगे, जो भामाशाह सहयोग देगा उसके लिए 6 लाख की सहयोग राशि तय की गई है। अब तक राजपूत विश्रामगृह में कमरे निर्माण में सहयोग देने के लिए अनेक भामाशाह आगे आए हैं। इस अवसर पर पूर्व सांसद मानवेंद्र सिंह जसोल, विधायक भीनमाल डॉ. समरजीत सिंह, किशन सिंह जसोल, ब्रिगेडियर शक्ति सिंह, मेजर जनरल शेर सिंह, मारवाड़ राजपूत सभा के अध्यक्ष हनुमान सिंह खांगटा, मां नागणेचिया माता मंदिर प्रबंधन समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष राजेंद्र सिंह थोब, समाजसेवी समुद्र सिंह नौसर, डॉ. मनोहर सिंह राठौड़, कल्याण सिंह राठौड़, अजय सिंह देपालसर, दिलीप सिंह उदावत, बिशन सिंह सोढा, बजरंग सिंह बागरा, ईश्वर सिंह, किशन सिंह राठौड़, कुंदन सिंह, चंदन सिंह केतु, डॉ. मनोहर सिंह टालनपुर, बाग सिंह राव, फारूक अहमद, शंकर सिंह सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

■ राजपूत विश्रामगृह का नागाणा मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष गज सिंह ने शिलान्यास किया

■ राजपुरोहित समाज विश्रामगृह वसोलर एनर्जी प्लांट का उद्घाटन किया

वहीं बुधवार को ही मां नागणेचा माता मंदिर परिसर में गज सिंह द्वारा मंदिर परिसर के पास निर्मित राजपुरोहित समाज धर्मशाला का उद्घाटन किया। इस अवसर पर ब्रह्मधाम आसोतरा के गादीपति तुलसीराम महाराज, गाजियाबाद के संत नारायण गिरी, सैनाचारी अचलानन्द गिरी, निर्मल नाथ महाराज का सानिध्य मिला। वहीं मंदिर परिसर में 150 किलोवाट का सोलर एनर्जी प्लांट स्थापित किया गया है जिसका गज सिंह ने शिला पट्टिका का अनावरण कर उद्घाटन किया। मां नागणेच्चा मंदिर में हवन हुआ जिसमें गज सिंह व हेमलता राज्ये ने आहुतियां दी। मंदिर के मुख्य शिखर पर कलश व ध्वजा चढ़ाई गई।

नागाणा मंदिर में चैत्र शुक्ल सप्तमी 4 अप्रैल को राव धूहड़ जयंती व माता जी का पाटोत्सव होगा।

पेड़ों की कटाई के बदले नए पौधों के रोपण का प्रस्ताव

पाटन, (निसं)। राजकीय कमला मोदी महिला महाविद्यालय, नीमकाथाना में 13 पेड़ों की कटाई को प्रशासन से स्वीकृति मिल गई है। यह निर्णय महाविद्यालय परिसर में भवन निर्माण के लिए आवश्यक स्थान की उपलब्धता के मद्देनजर लियाहै। तहसीलदार कार्यालय द्वारा जारी आदेश में कहा है कि पेड़ काटने से पहले यह सुनिश्चित किया जाएगा कि वे किसी धार्मिक आस्था से जुड़े न हों। साथ ही कटे हुए प्रत्येक वृक्ष के स्थान पर पांच नए वृक्ष लगाने की अनिवार्यता भी रखी गई है। महाविद्यालय प्रशासन ने कहा कि परिसर में जगह की कमी के कारण 13 वृक्षों के स्थान पर केवल 5 नए वृक्ष ही लगाए जा सकते है। इसलिए, प्रशासन से अनुरोध किया गया है कि नगर में यदि कोई उपयुक्त सार्वजनिक भूमि उपलब्ध हो, तो वहां 100 नए वृक्ष लगाने की अनुमति प्रदान की जाए।

पूर्व मंत्री रमेश मीणा ने विधायक हंसराज बालोती पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाये

■ कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में मुख्यमंत्री से सपोटरा विधायक के भ्रष्टाचार अनियमितताओं की जांच करने के साथ उन पर अंकुश लगाने का आग्रह किया

करौली, (निसं)। पूर्व कैबिनेट मंत्री रमेश मीणा ने सपोटरा विधायक हंसराज बालोती के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने बुधवार को सर्किट हाउस में पत्रकार वार्ता में सपोटरा विधायक पर भ्रष्टाचार के जमकर आरोप जड़े। इस मौके पर कांग्रेस पदाधिकारियों और समर्थकों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन भी कलेक्टर को सौंपा। ज्ञापन में मुख्यमंत्री से सपोटरा विधायक के भ्रष्टाचार अनियमितताओं की जांच करने के साथ उन पर अंकुश लगाने का आग्रह किया है।

पत्रकार वार्ता में कांग्रेस जिला अध्यक्ष शिवराज मीणा, पीसीसी सचिव भूपेंद्र भारद्वाज व पुष्पेंद्र मीणा, पीएससी महामंत्री कन्हैया लाल शर्मा, जिला प्रमुख प्रतिनिधि रक्षक बैरवा, प्रधान प्रतिनिधि जलधारी मीणा सहित कांग्रेस पदाधिकारी समर्थक मौजूद रहे। पत्रकारों से वार्ता में पूर्व मंत्री रमेश मीणा ने कहा कि सपोटरा विधानसभा क्षेत्र में भ्रष्टाचार चरम पर है और स्वयं विधायक हंसराज भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। उन्होंने सपोटरा विधायक को घेरते हुए कहा कि विधायक के भाई की पत्नी के नाम की फर्म ने 13 करोड़ रुपए की माइंस खरीदी है और 5 करोड़ रुपए जमा भी करा दिए हैं। उन्होंने विधायक और उनके परिजनों पर क्षेत्र में अवैध बजरी दोहन के आरोप लगाए।

उन्होंने पत्रकारों के समक्ष विभिन्न दस्तावेज रखते हुए कहा कि विधायक ने बड़े पैमाने पर जमीन और भूखंड खरीदे हैं जिन पर निर्माण चल रहा है। कुछ स्थानों पर अवैध निर्माण भी किया जा रहा है। पूर्व मंत्री ने कहा की विधायक अनुसूचित जाति के लोगों और गरीब लोगों पर भी दबंगाई कर उनकी जमीनों पर कब्जा करने का आरोप लगाया। इसी प्रकार मनरेगा में भी बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है विधायक स्वयं ही मस्टरोल चला रहे हैं। उन्होंने विधायक हंसराज मीणा पर विधायक कोष कि राशि में भी भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कहा कि करीब 60 लाख की राशि ग्रेवल सड़क निर्माण के नाम पर स्वीकृत की है जिस विधायक कोष की राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है। इसी के चलते लोगों के आग्रह पर उन्होंने प्रशासन और मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा है।

बीते दिनों विधायक द्वारा पूर्व मंत्री पर पट्टे जारी कराने के आरोपों के सवाल पर पूर्व मंत्री ने कहा कि गांव में उनकी पुश्तैनी जमीन है। विधायक हंसराज द्वारा लगाये गये आरोप सभी निराधार है। राज्य सरकार ने नियम अनुसार आबादी विस्तार के बाद पट्टे आवंटन किये हैं। विधायक ने सत्ता के दबाव में अधिकारियों पर दबाव बनाकर कार्यवाही कराई है। जिसकी मुख्यमंत्री से मुलाकात कर विधायक के भ्रष्टाचार की जांच करायेंगे।

इधर सपोटरा के विधायक हंसराज मीणा ने कहा कि पूर्व मंत्री व उनका परिवार भ्रष्टाचार में लिप्त रहा है। सपोटरा की जनता ने उनके तानाशाही रवैये व भ्रष्टाचार को पूर्व में ही नकार दिया है। कुछ दिनों पूर्व मेरे द्वारा पूर्व मंत्री व उनके परिवार द्वारा किए गए भ्रष्टाचार को उजागर किया था। जिसकी बौखलाहट में मुझ व मेरे परिवार पर बेबुनियाद व भ्रामक आरोप लगा रहा हैं। सपोटरा की जनता सब जानती है वह इनके बहकावे में नहीं आएगी।

गर्मी के साथ ही झुंझुनूं में सड़कों पर सजने लगे गुजराती मटके

झुंझुनूं में इन दिनों सड़क किनारे दुकानदारों ने मटके और मिट्टी से बनी पानी की बोतलों के अलावा मिट्टी के अन्य सामान की दुकानें सजा ली है।

झुंझुनूं, (निसं)। गर्मी के मौसम में हर किसी को पीने के लिए ठंडा-ठंडा पानी चाहिए। फ्रीज के पानी की डिमांड इन गर्मियों में होती है, लेकिन अब एक बार फिर मिट्टी से बने मटकों की डिमांड भी बढ़ने लगी है। झुंझुनूं में इन दिनों गुजरात से आए डिजाइनदार और नल लगे मटकों की खासी डिमांड हो रही है। यही कारण है कि झुंझुनूं शहर के अलावा अन्य प्रमुख सड़कों पर सड़क किनारे दुकानदारों ने मटके और मिट्टी से बनी पानी की बोतलों के अलावा मिट्टी के अन्य सामान की दुकानें सजा ली है।

■ राजस्थान से ज्यादा गुजराती मटकों और पानी की बोतलों की डिमांड हरियाणा में है

■ हरियाणा के श्रद्धालु बड़ी संख्या में झुंझुनूं से इस तरह के मटके खरीद रहे हैं

झुंझुनूं शहर में मटके बेचने वाले ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल के आव्हान के बाद मटकों की डिमांड बढ़ी है। वहीं करोना के बाद लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक हो गए हैं। मिट्टी से बने मटकों से कोई बीमारियां नहीं होती और यह स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है, जिसके चलते अब बड़े-बड़े घरों में भी मिट्टी से बने पानी के मटके उपयोग होते हैं। गुजराती मटकों में ना केवल नल लगे रहती है, बल्कि उनकी सुंदर डिजाइन और पेंटिंग से आकर्षक भी लगते है। उन्होंने बताया कि राजस्थान से ज्यादा गुजराती मटकों और पानी की बोतलों की डिमांड हरियाणा में है। खाटूश्यामजी, सालासर, राणी सती दादी, शाकंभरी मैया, जीण माता आदि धार्मिक स्थलों पर आने वाले हरियाणा के श्रद्धालु बड़ी संख्या में झुंझुनूं से इस तरह के मटके खरीद रहे हैं। एक आंकलन के अनुसार झुंझुनूं में बिकने वाले 70 फीसदी मटके समेत मिट्टी से बने बर्तन हरियाणा के लोग खरीद रहे हैं। वहीं 30 प्रतिशत लोकल के लोग खरीदते हैं।

चिकित्सा विभाग की टीम ने दो बेकरी की जांच की

चिकित्सा विभाग की टीम ने खाद्य पदार्थों के नमूने लिये।

पाली, (नि.सं.)। पाली में बुधवार को चिकित्सा विभाग की टीम ने जोधपुर रोड स्थित दो बेकरी की जांच की और वहां से चार सैंपल लेकर जांच के लिए लैब भेजे।

■ बेकरी से चार सैंपल लेकर जांच के लिए लैब भेजे

डॉ. विकास मारवाल ने बताया कि ब्रेड, क्रिम रोल, टोस्ट निर्माण करने वाली निर्माता इकाईयों में नियमों का उल्लघंन देखने को मिला। खाद्य पदार्थों को बनाने वाली इन दोनों इकाईयों में कई अनियमितताएं पाई गई। सुभाष नगर स्थित मिस्टर बेकर्स के गोदाम में कार्यरत कार्मिकों के मेडिकल सर्टीफिकेट, पानी की जांच रिपोर्ट, कीटनाशक दवाईयों के पेस्टीसाइड सर्टीफिकेट के अलाव पैकिंग, खाद्य पदार्थों पर बैच नम्बर, पैकिंग के साथ अवधि पार तिथि का अंकन नहीं था, जो कि भारतीय खाद्य मानक अधिनियम 2006 व विनियम 2011 के नियमों का उल्लघंन पाया गया, जिस पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेश चन्द्र शर्मा मय टीम ने कार्रवाई करते हुए फर्म को नोटिस दिया और सात दिवस के भीतर सभी अनियमितताओं को दूर करने की हिदायत दी। दूसरी फर्म शेफ्स बेकर्स पर कार्रवाई करते हुए खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिलीप सिंह यादव ने केक निर्माण के दौरान उपयोग में लिए जाने वाले खाद्य पदार्थ मैंगो फ्रूट करस व पिनट के नमूने लिए तथा खाद्य कारोबारकर्ता को निर्माण इकाई में स्वच्छता रखने व अवधिपार खाद्य सामग्री विक्रय नहीं करने की हिदायत दी। इस संबंधी खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए तथा उन्हें जांच के लिए लैब भेजा गया। जिसकी रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद विभाग द्वारा कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा विभाग के खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिलीप सिंह यादव, सुरेश चन्द्र शर्मा लक्ष्मणदान चारण, खुशालचंद सैन आदि मौजूद रहे।

मोबाइल लूट के चार आरोपी गिरफ्तार, दो बाल अपचारी डिटेन

11 मोबाइल व दो बाइक बरामद, पैंतालिस से अधिक वारदातें कबूली

उदयपुर, (निसं)। शहर के गोवर्धन विलास थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान मोबाइल लूट के मामले में गिरोह के चार बदमाशों को गिरफ्तार किया तथा विधी से संघर्षरत दो बाल अपचारियों को डिटेन किया। पूछताछ में आरोपियों ने पैंतालिस से अधिक वारदातें कबूल की हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से ग्याहर मोबाइल व दो बाइक बरामद की।

प्रकरण के अनुसार 11 जनवरी को बाबूलाल पुत्र नाथूलाल परमार निवासी खजूरी गोवर्धन विलास द्वारा गोवर्धन विलास पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। जिसमें उसने बताया कि 16 दिसंबर 2024 को मैं उदयपुर फैक्ट्री से मजदूरी कर बाइक पर घर लौट रहा था, जहां बीच रास्ते खरपीना पुलिया के समीप बाइक पर मिले तीन बदमाशों ने मुझे रोककर तलवार व चाकू दिखाकर नकदी लूट कर फरार हो गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगश गोयल के निर्देश पर गठित दल ने अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर राहुल पुत्र अर्जुनलाल निवासी रमणीघाटी खरपीणा गोवर्धन विलास, प्रभु मीणा पुत्र रमेश मीणा निवासी रामारेट काया, अनिल मीण पुत्र रतनलाल निवासी आमली घाटी काया, रोशन मीणा पुत्र भेरूलाल निवासी जाड़ा अड़आ काया को गिरफ्तार किया तथा विधी से संघर्षरत दो बाल अपचारियों को डिटेन किया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने खजूरी निवासी बाबूलाल के साथ लूट की 19 मार्च 25 को ललिता मीणा पत्नी लोकेश कुमार मीणा की पुत्री से मोबाईल लूट, 23 मार्च को दिनेश कुमार जाटव निवासी नेला से मोबाइल लूट, 18 मार्च को तेजसिंह निवासी परसाद को चाकू दिखा कर दुकान से मोबाइल व नकदी लूट, 4 मार्च को खुडा चांदणा से मोबाइल लूट, 20 मार्च को सविना क्षेत्र में उम्मेद विला होटल तीतरड़ी के पास से मोबाइल लूट की वारदातें सहित करीब 45 वारदातें कबूल की है।

पेयजल समस्या को लेकर महिलाओं ने किया प्रदर्शन, लगाया जाम

निवाई। गांव महाराजपुरा के लोगों ने पानी की समस्या को लेकर बुधवार की सुबह रोड पर पानी के खाली बर्तनों के साथ जाम लगाकर प्रदर्शन किया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों से मामले की जानकारी ली। ग्रामीणों से उक्त समस्या को लेकर समझाइश की।

ग्रामीणों ने बताया कि पिछले एक वर्ष से बीसलपुर का पानी नहीं आ रहा है जिससे परेशानी का सामना करना पड रहा है। उन्होंने बताया कि पेयजल समस्या को लेकर कई बार अधिकारियों को अवगत करवाया गया लेकिन प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया। प्रदर्शन की सूचना पर बीसलपुर परियोजना के सहायक अभियंता हरिसिंह मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से जानकारी ली। सहायक अभियंता ने ग्रामीणों को आश्वासन देते हुए कहा कि अति शीघ्र ही उक्त समस्या का समाधान कर दिया जाएगा। ग्रामीणों के चेतावनी देते हो कहा 10 दिवस के अंदर उक्त समस्या का समाधान नहीं हुआ तो बीसलपुर कार्यालय पर भूख हडताल की जाएगी। समझाइश के बाद ग्रामीणों धरना प्रदर्शन स्थल से स्वयं ही हट गए। इस दौरान पूर्व सरपंच श्रीराम चौधरी, लक्ष्मण, करणसिंह, पृथ्वीराज मीणा, बंटी, मधु, सोनिया, किरण, करिश्मा, सपना, सुशीला, बैजयंती, रजनी, आशा, कंचन, कौशल्या, सुनीता व प्रियंका सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

■ सहायक अभियंता हरिसिंह ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से जानकारी ली

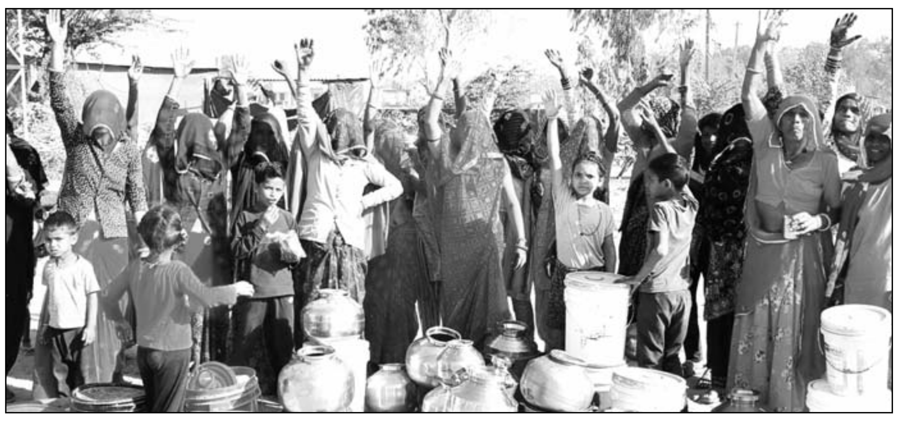
महिलाओं ने पेयजल समस्या को लेकर प्रदर्शन किया।

सुलभ शौचालय पर लटका ताला

सांभरझील। सांभर देवयानी सरोवर स्थित आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बनाए गए करीब 20 लाख रुपए के सुलभ शौचालय पर आए दिन ताला लटका मिलता है। यहां के मंदिर पुजारियों से बात करने को बताया कि इस मामले में कई दफा नगरपालिका प्रशासन को बोलकर ताला खुलवाया गया था।

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
पृथ्वीराज नगर (उत्तर), कार्यालय, चित्रकूट स्टेडियम, वैशाली नगर।
क्रमांक:- जविप्रा/उपा./पीआरएन-उत्तर (द्वितीय)/2025/डी-191
सार्वजनिक सूचना दिनांक:- 02.04.2025
सूरजपोल गेट गृह विकास सहकारी समिति लि. जयपुर की योजना-कमला नगर, के भूखण्ड संख्या ए8ए (क्षेत्रफल 170.14 वर्गगज) के नाम हस्तान्तरण/फ्री-होल्ड लीजडीड हेतु श्री शीशराम जाखड़ पुत्र श्री रामचन्द्र जाखड़ ने आवेदन प्रस्तुत किया है। प्रार्थी के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र में उक्त भूखण्ड के जविप्रा द्वारा जारी लीजडीड (श्रखंलाबद्ध दस्तावेज) गुम होने की एफ.आई.आर. एवं दैनिक समाचार पत्र में खोया-पाया प्रकाशित विज्ञप्ति की प्रति प्रस्तुत की है। यदि उक्त भूखण्ड के स्वामित्व के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस की अवधि मे कार्यालय को आपत्ति प्रस्तत करें, अन्यथा आवेदक के पक्ष में उक्त भूखण्ड की फ्री-होल्ड लीजडीड/नाम हस्तान्तरण जारी कर दिया जावेगा।
उपायुक्त पी.आर.एन.- उत्तर II, जविप्रा, जयपुर।

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक-6456 दिनांक-11.02.2025
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना मे आवास संख्या 52/142 (HIG), (एरिया 83.293 वर्गमीटर), का आवंटन श्रीमती अंजली माथुर पत्नी श्री सुशील माथुर को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 1585 दिनांक 30.08.2002 के द्वारा जारी किया गया था। श्रीमती अंजली माथुर के पक्ष मे उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 20.10.2004 को उप पंजीयक सांगानेर, जयपुर के यहाँ पंजीकृत करवाये गये। श्रीमती अंजली माथुर द्वारा उक्त आवास को दिनांक 03.11.2004 के द्वारा श्रीमती राजेश्वरी नाग पत्नी श्री ललित कुमार नाग को विक्रय कर उप पंजीयक सांगानेर जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती राजेश्वरी नाग की मृत्यु दिनांक 15.02.2023 को हो जाने के कारण इनके पुत्र श्री मोनिष नाग पुत्र श्री ललित कुमार नाग द्वारा उक्त आवास को स्वय के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बावत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अद्येहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय मे 7 दिवस मे अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड मे नाम दर्ज करने मे किसी को कोई आपत्ति नही है, श्री मोनिष नाग पुत्र श्री ललित कुमार नाग का नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 36/2025
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री कृष्ण धानुका पुत्र श्री कैलाश चन्द्र धानुका निवासी बी-1341, तीसरी मंजिल, पालम विहार, व्यापार केन्द्र के सामने, गेट नम्बर 05, सेक्टर-02, चौमा (62), गुरूग्राम, हरियाणा-122017 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत धानुका परिवार बलारां चैरिटेबल ट्रस्ट, बलारां जिला सीकर के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 28.03.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 02.06.2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/156
चूंकि प्रार्थी श्री GOPAL LAL MEENA] Anokha Gav, Nathu Walo Ki Dhani, Machda Rajawas Po & Harmada Dis& Jaipur, Rajasthan, 302032 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत न्यास L.N.FOUNDATION, राजस्थान के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा दत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है। कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 01-04-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया। आइदा तारीख पेशी 05/06/2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम), देवस्थान विभाग, जयपुर

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
मुकदमा नम्बर 27/2025
चूंकि श्री सत्य नारायण कुमावत ने पंजीकृत प्रन्यास श्री कुमावत शिक्षा कोष ट्रस्ट, सुकेसर, 29, बरकत नगर गली नम्बर 17, आदर्श बाजार जयपुर 302015 जिसका पंजीयन क्रमांक 32 जयपुर 2004 है के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रन्यास के नाम सम्पदा कय कर उक्त सम्पदा को प्रन्यास रिकार्ड दर्ज अभिलेख किये जाने का निवेदन कर जांच किये जाने के लिए प्रपत्र -8 में आवेदन पत्र दिया है। अतएव धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुए परिवर्तन / संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है, कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोकत निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 22/3/25 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी गया। आइदा तारीख पेशी 5/5/25
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम), देवस्थान विभाग, जयपुर

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

तीन दिवसीय वार्षिक मेला 5 से होगा शुरू

निवाई। गांव मुंडिया में जय भवानी बिणज्यारी माता का तीन दिवसीय वार्षिक मेला 5 अप्रैल से शुरू होगा। मेला समिति के अध्यक्ष पप्पूलाल मीणा ने बताया कि 5 अप्रैल अष्टमी को आचार्य हवन-पूजन कर मेले का शुभारंभ करेंगे। 6 अप्रैल रामनवमी की शाम मीणा पद दंगल होगा। इसमें राजू मीणा, रामजीलाल मीणा, कानाराम मीणा, पांचुराम बारवाल, कैलाश मीणा, बुद्धिप्रकाश मीणा व सुरजन मीणा प्रस्तुतियां देंगे। 7 अप्रैल दशमी को शाम 4 बजे दौड़ प्रतियोगिता होगी। शाम 6 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। इसमें गायक मीनू मेवाडी, प्रेम मुंडा, धनराज मीणा, समयसिंह पिलवाल, भारत, किशोर छैला, पायल, दिलावर सिंह व महेंद्र सहित कई कलाकार प्रस्तुतियां देंगे। अध्यक्ष पप्पूलाल मीणा ने बताया कि ग्राम पंचायत प्रशासन द्वारा मेले के आयोजन को लेकर मेला स्थल पर साफ-सफाई करवा दी गई है।

सुरेश अग्रवाल बने अध्यक्ष

देवली। श्री व्यापार महासंघ के चुनाव संपन्न हुए जिसमें सुरेश अठावाल को सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया।

काफी समय से अध्यक्ष बनाए जाने की चर्चाओं के बाद श्री महासंघ देवली के बहुप्रतिक्षित चुनाव मंगलवार को शहर के एक निजी होटल में आयोजित किए गए। इस बैठक में शहर के दर्जनों व्यापारी बंधुओं ने हिस्सा लिया और चुनाव प्रक्रिया के बाद सुरेश अग्रवाल को सर्वसम्मति से महासंघ का नया अध्यक्ष चुन लिया गया। चुनाव प्रक्रिया की अध्यक्षता रमेश जिंदल ने की जिन्होंने इस अवसर पर श्री व्यापार महासंघ के अध्यक्ष पद के लिए भी व्यापारियों से प्रस्ताव आमंत्रित किए। व्यापारियों ने रमेश जिंदल, रतन मंगल, उमाशंकर खूंटेटा, दिनेश जैन, सुरेश अठावाल और के नाम प्रस्तावित किए। हालांकि, रमेश जिंदल, दिनेश जैन ने अपने नाम वापस ले लिए, जिसके बाद सुरेश अठावाल, उमाशंकर खूंटेटा और रतन मंगल अध्यक्ष पद की दौड़ में बने रहे। शुरुआत में व्यापारियों ने तीनों उम्मीदवारों के बीच आपसी सहमति से अध्यक्ष चुनने का प्रयास किया ताकि परंपरा के अनुसार सर्वसम्मति बनी रहे। लेकिन सहमति नहीं पाई इस के बाद रमेश जिंदल को अध्यक्ष बनाए जाने सुझाव आया जिसे उन्होंने विनम्रतापूर्वक अस्वीकार करते हुए अध्यक्ष बनने से इनकार कर दिया। इसके बाद व्यापारियों ने चुनाव नीति प्रक्रिया के तहत फैसला लेने का निर्णय लिया और गोलियों के माध्यम से चयन प्रक्रिया शुरू की। और सुरेश अठावाल का नाम सामने आया। इस पर सभी ने सुरेश अग्रवाल को फूलों की माला पहनाकर सम्मानित किया और व्यापारियों ने अठावाल को बधाई देते हुए उनके नेतृत्व में महासंघ के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

■ देवली में व्यापार महासंघ के चुनाव संपन्न

सुरेश अग्रवाल को माला पहनाकर सम्मानित किया।

बाइक ने मारी टक्कर, स्कूटी पर सवार शिक्षिका की मौत

किशनगढ़ बास। खैरथल किशनगढ़बास सडक मार्ग पर स्कूल से ड्यूटी कर वापस स्कूटी से घर लौट रही शिक्षिका सरिता यादव की कुलतानपुर के पास तेज गति से आई बाईक की टक्कर लगने से मौके पर मृत्यु हो गई। महिला शिक्षिका के शव को किशनगढ़ बास अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टर ने पोस्टमार्टम कर शव परिजनों के सुपुर्द किया। उधर बाइक सवार झांदीप पुत्र सुखबीर जाट निवासी बोहका (रेवाडी) गंभीर रूप से घायल होने पर डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार देकर युवक को अलवर रैफर किया है।

शिक्षिका सरिता यादव नांगल मौजिया के सरकारी स्कूल में टीचर है। बुधवार को करीब 4:30 बजे स्कूल में पेपर खत्म होने के बाद वह अपनी स्कूटी से खैरथल घर लौट रही थी। स्कूल से घर जाते वक्त वह कुलतानपुर दूध लेने के लिए जा रही थी कि इस दौरान गांव के पास तेज गति से आई बाइक के चालक ने शिक्षिका की स्कूटी को टक्कर मार दी जिससे मौके पर ही शिक्षिका की गिरने पर मोत हों गई। बाईक की टक्कर लगने से शिक्षिका सरिता यादव की हुई मौत की खबर सुनकर शिक्षक एवं परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। सूचना मिलने पर किशनगढ़ बास पुलिस मौके पर पहुंची। महिला शिक्षिका के शव को किशनगढ़ बास अस्पताल लाया गया जहां पर डॉक्टर ने पोस्टमार्टम किया। महिला शिक्षिका के शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया। महिला शिक्षिका खैरथल मुरली कालोनी में रहती है। शिक्षिका सरिता यादव के पति रामोवतार यादव भी शिक्षक है वह किशनगढ़ बास के गांव चोरबसई के राजकीय स्वामी विवेकानंद मांडल स्कूल में कार्यरत है।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

निवाई। सिरस से निवाई रेलवे स्टेशन के बीच पांच नम्बा के पास बुधवार को ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। बरौनी थानाधिकारी बृजेन्द्रसिंह राठौड़ ने बताया कि बालेश्वर (28) पुत्र रामअवतार जाट निवासी नला की सुबह 11:15 बजे जोधपुर से इंदौर जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से मृत्यु हो गई। घटना की सूचना पर बरौनी थानाधिकारी बृजेंद्र सिंह, हनुमान, सत्यनारायण जाट व राजू लाल सहित पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना करके शव को कब्जे में ले लिया। मृतक के परिजनों ने पुलिस को बताया कि युवक की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी।

शिक्षा मंत्री ने राहोली के पीएमश्री विद्यालय के शैक्षणिक नवाचारों को सराहा

निवाई। राहोली के पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के शैक्षणिक नवाचारों की राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर व स्वावलंबी भारत अभियान जयपुर प्रांत के प्रांत समन्वयक लोकेन्द्र सिंह नरूका ने सराहना की।

पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी व प्रधानाचार्य डॉ.योगेन्द्रसिंह नरूका ने बताया कि विद्यालय के आठ पृष्ठीय समाचार पत्र को पढते हुए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने विद्यालय में शिक्षा के क्षेत्र किए जा रहे शैक्षणिक कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की। पीईईओ डॉ. नरूका ने पिछले कुछ वर्षों में राहोली के विद्यालयों में हुए भौतिक व शैक्षणिक विकास व आगामी भौतिक व शैक्षणिक लक्ष्यों के बारे में भी शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि राहोली निवाई ब्लॉक की एकमात्र ऐसी पंचायत है जहाँ पीएमश्री व महात्मा गाँधी राजकीय विद्यालय एक साथ संचालित है।

इसके साथ ही लगभग आठ वर्षों से पेड के नीचे चल रहे ढाणी मालियान के प्राथमिक विद्यालय के लिए भी 75 लाख लागत से समग्र शिक्षा की ओर से नवीन भवन बना है। तीन वर्षों में पहली बार विद्यालय की छात्रा को इन्दिरा प्रियदर्शनी अवार्ड, हिन्दी में शत-प्रतिशत अंक लाने पर राजभाषा विभाग द्वारा सम्मान, इन्स्पायर अवार्ड, स्काउट गतिविधियों का नियमित संचालन कर विद्यार्थियों का राज्यपाल व राष्ट्र पति अवार्ड के लिए चयन, एनएमएमएस स्कीम में चयन, काली बाई स्कूटी योजना में चयन, मलखम्भ व कबड्डी में राज्य स्तरीय चयन व प्रतिनिधित्व, पूर्व प्राथमिक कक्षाओं का संचालन, सोलर प्लांट, ईको क्लब गार्डन, किचन गार्डन का निर्माण, भामाशाह व जनसहयोग से कक्षा कक्ष निर्माण व अन्य विकास कार्य, डीएमएफटी, विधायक फण्ड, समग्र शिक्षा के द्वारा नवीन कक्षा कक्ष, एबीएल कक्ष निर्माण, शौचालय निर्माण, मैदान समतलीकरण, कचरा प्रबंधन, विद्युत व पेयजल व्यवस्था, फर्नीचर उपलब्धता, ऑटोमेटिक स्कूल बेल, प्रिन्टर, वाटर कूलर, अग्निशमन यंत्र, इन्सीनेटर की व्यवस्था, प्री बोर्ड, मिशन लक्ष्य, चारदीवारी मरम्मत, विद्यालय में सडक निर्माण कार्य, स्मार्ट कक्षाएं, एपीजे अब्दुल कलाम योजना के अन्तर्गत अन्तर्जिला व अन्तर्राज्य भ्रमण में विद्यार्थियों का चयन, जिलास्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन, जिला कलेक्टर टोंक द्वारा जनसुनवाई में कार्यों की सराहना, ग्राम पंचायत व शिक्षा विभाग द्वारा ब्लॉक स्तरीय सर्वश्रेष्ठ एसएमसी व सर्वश्रेष्ठ प्रिन्सिपल पुरस्कार प्राप्त हुआ है। इसके साथ ही वोकेशनल कोर्स की शुरुआत व बैंकिंग व फाइनेंस नवीन विषय की शुरुआत, ईको क्लब, विज्ञान, विज्ञान ट्यूर, कौशल विकास मेला, बाल मेला, किशोरी मेला, करियर मेला, विज्ञान मेला, 21वीं सदी के कौशल, मानक क्लब, एक्सपोजर विजिट, गणित विज्ञान सर्कल कार्यक्रम, इनोवेशन क्लब, विकास योजना व समाचार पत्र प्रकाशन, परिचय पत्र, निशुल्क टाई बेल्ट व स्वेटर वितरण आदि कार्यक्रमों ने राहोली के शैक्षिक वातावरण को बदल कर रख दिया है। पीएमश्री स्कूल राहोली के प्रधानाचार्य नरूका को राजस्थान पत्रिका, फर्स्ट इण्डिया न्यूज चैनल, अभिनेत्री ईशा देओल आदि ने भी शैक्षणिक नवाचारों के लिए सम्मानित किया है। विद्यालय के प्रिंसिपल व शिक्षक विभिन्न शैक्षणिक अन्तराष्ट्रीय, राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय शोध, सेमिनार व वर्कशॉप में भी अपनी भागीदारी निभा चुके है।

■ शिक्षा मंत्री दिलावर ने विद्यालय में शिक्षा के क्षेत्र किए जा रहे शैक्षणिक कार्यों की प्रशंसा की

शिक्षा समाचार पत्र का विमोचन करते शिक्षा मंत्री मदन दिलावर।

फूड लाईसेंस नहीं होने पर निर्माण पर लगाई रोक : कोटपूतली सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत ने बताया कि आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण जयपुर के निर्देश पर शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत मांडन कस्बे की मावा भट्टी एवं गुप्ता मिष्ठान भंडार के पास वैद्य खाद्य अनुज्ञा पत्र नहीं होने पर निर्माण एवं विक्रय पर रोक लगाई।

आम सूचना हर आम एवं खास को सूचित किया जाता है कि मेरा मुवक्किल श्री अशोक कुमार पुत्र स्व. वधूमल एक संपत्ति, पश्चिम भाग, भूखंड संख्या 142-A, शंकर नगर, योजना संख्या 10, कागड़ीवाड़ा, आमेर रोड, ब्रह्मपुरी, ग्राम जयपुर, तहसील व जिला जयपुर, राजस्थान (क्षेत्रफल 32.66 वर्गगज), उक्त संपत्ति को वसीयत के माध्यम से प्राप्त कर चुके हैं। यह संपत्ति मूलतः पट्टा विलेख संख्या 1265, दिनांक 09.10.2002, द्वारा जयपुर विकास प्राधिकरण, जिला जयपुर, राजस्थान से श्रीमती पार्वती देवी पत्नी वधूमल के पक्ष में जारी किया गया था, जिसका पंजीकरण 10.10.2002 को उप पंजीयक, जयपुर-1 के समक्ष संपन्न हुआ था। श्रीमती पार्वती देवी ने दिनांक 26.11.2008 को एक वसीयतनामा पंजीकृत करवाया था जिसके अनुसार भूखंड संख्या 142-A, क्षेत्रफल 66.40 वर्ग गज) का भूतल और साझा भाग श्री अशोक कुमार को तथा प्रथम तल और साझा भाग श्री देवीदास पुत्र वधूमल को प्रदान किया गया था। इसके पश्चात श्रीमती पार्वती देवी का दिनांक 30.11.2008 को स्वर्गवास हो गया। अब श्री अशोक कुमार उपरोक्त संपत्ति के पश्चिमी भाग (32.66 वर्ग गज) को श्री बिश्वजीत डे पुत्र बेली डे के पक्ष में विक्रय कर रहे हैं। उम्मीद हाउसिंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड से ऋण ले रह हैं। अत: यह सार्वजनिक रूप से सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति या संस्था को इस संपत्ति की स्वामित्व स्थिति या इस ऋण प्रक्रिया से संबंधित कोई आपत्ति हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से सात (07) दिनों के भीतर लिखित रूप में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। अन्यथा बाद गुजरने याद कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी व सो सूचित रहें।
मुकुंद पंचारिया (एडवोकेट)
पता- 711, सातवीं मंजिल, एलीमेंट्स मॉल, डीसीएम, अजमेर रोड, जयपुर
दिनांक : 02.04.2025 मो. 7793033590, 9829290229

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 13/25
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम प्रभाकर सारस्वत पुत्र श्री दिनेश सारस्वत जाति सारस्वत विवाद स्थान मकान नं. 9 लक्ष्मी विहार जे.वी.वी.एन.एल. ट्रांसपोर्ट के पास, सेक्टर नं. 11 सांगानेर जयपुर
मृतक श्री दिनेश सारस्वत की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 16.04.2025
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम दिनेश सारवत पुत्र दीनदयाल सारस्वत जाति सारस्वत निवासी डी-13, स्टाफ कॉलोनी, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 16 माह 04 सन् 2025 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 24 माह 03 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
मोहर अदालत
आज्ञा से-शरिस्तेदार
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम 10 जयपुर महानगर न्यायालय सांगानेर

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
(व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4)
न्यायालय जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम 10 सांगानेर जयपुर महानगर प्रथम
कैलाश विरुद्ध रामू वगै.
वाद/प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा
प्रार्थना-पत्र संख्या - 27/2025
नाम हीराचन्द डांगा पुत्र प्रभूचन्द जाति जैन पता मं.नं. 3760 कुन्दीगर भैरू का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर
उक्त प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि...नकल संलग्न है।
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 04 माह 04 सन् 2025 को 10.00 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश को सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज दिनांक 20 माह 03 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय कीमुद्रा लगाकर दी गई।
आज्ञा से-शरिस्तेदार/रीडर
अपर जिला एवं सैंशन न्यायाधीश संख्या 10 जयपुर महानगर प्रथम न्यायालय सांगानेर
मोहर अदालत

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम 10 सांगानेर जयपुर महानगर प्रथम
कैलाश विरुद्ध रामू वगै.
वाद/प्रार्थना पत्र घोषणा व स्थाई निषेधाज्ञा
प्रार्थना-पत्र संख्या - 29/2025
नाम हीराचन्द डांगा पुत्र प्रभूचन्द जाति जैन पता मं.नं. 3760 कुन्दीगर भैरू का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर वादीगण ने आपके विरुद्ध नकल संलग्न के लिए वाद पंजीयत किया हे। आपका इस न्यायालय में तारीख 04.04.2025 को दिन में 10.00 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, हे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मेगं साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद ता. 20 माह 03 सन् 25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
आज्ञा से-शरिस्तेदार/रीडर
अपर जिला एवं सैंशन न्यायाधीश संख्या 10 जयपुर महानगर प्रथम न्यायालय सांगानेर
मोहर अदालत

खोया पाया

दी शिवा को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड की स्कीम नं. प्रेम कॉलोनी के प्लॉट नं. 32, की मूल सोसायटी रसीद खो गई है, सूचित करें। सत्यजीत रॉय, मो.8290840356

म्युचुअल हाउसिंग को-आपरेटिव सोसायटी लि.जयपुर की योजना स्कीम नं. 7-ए मीनावाला की दुकान संख्या 7 एवं 8 के समिति द्वारा जारी आवंटन पत्र, रसीद, साईट प्लान एवं पंजीकृत विक्रय पत्र कहीं गुम हो गये है। मिलने पर सम्पर्क करें। पारूल विजय एवं सीता देवी विजय, मो.9214333413

नाम परिवर्तन

मेरे पासपोर्ट में मेरे पिता का नाम मोहम्मद सलीम दर्ज है जबकि उनका सही नाम अब्दुल सलीम है। भविष्य में मुझे समीर पुत्र श्री अब्दुल सलीम निवासी 824, पचरंग पट्टी, बांसबदनपुरा, जयपुर के नाम से जाना जाये।

मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम नसरीन बानो (Nasrin Bano) दर्ज है जबकि मेरा सही नाम नसरीन बानो (Nasreen Bano) दर्ज है। भविष्य में मुझे नसीरन बानो (Nasreen Bano) पत्नी श्री अब्दुल सलीम निवासी 824, पचरंग पट्टी, बांसबदनपुरा, जयपुर के नाम से जाना जाये।

मैं आर्मी नं. 3202971 डब्लू पद-हवलदार माला राम ने अपने सैन्य रिकार्ड में मेरी पत्नी का नाम राजेश्वरी देवी (Rajeshuri Devi) गलती से दर्ज हो गया, जबकि उसका सही नाम राजेश्वरी (Rajeshvri) है।

मैंने अपना नाम Meena Surendra Jagdish Bhai से बदलकर Surendra Meena पुत्र श्री जगदीश प्रसाद मीना रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। निवासी-76, तालाब की पाल, रानीपुरा, टोंक (राज.)

I Teenu Saini S/o Ramesh Chand Saini R/o Dhani Puroowali, Tehsil-Bansur, Alwar, Bansur, Rajasthan - 301402, have changed my name to Praveen Saini

I Manoj Kumar S/o Deepchand Purohit R/o 268, Vishnoiyon Ki Dhani, Tehsil-Chitalwana, Khirodi, Jalor, Rajasthan - 343041, have changed my name to Rajpurohit Manoj Kumar

I army no Jc 470045L Ex SUB HONY CAPT indraj singh S/O Jai Narain R/O ward no 4 uparala bass teh neem ka thana sirohi district sikar that have changed my father/mother name is wrong entered in service record from JAI NARAIN To JAY NARAYAN (DOB 1/1/1951) & mother BARJI DEVI To BARAJI (DOB 1/1/1943) vide affidavit dated 17/3/25 before sub divisional majistrate neem ka thana sikar

I service no JC470399N Ex SUB MAJ HONY CAPT. Bheem singh S/O Late Ramkumar Singh R/O house no 186 N shrikarni uma vihar Gokulpura jhotwara jaipur that have changed my daughter name From DIPIKA KANWAR is wrong entered in my service record TO DEEPIKA KANWAR vide affidavit dated 24 march 25 before district notary Jaipur

I service no 2896026X Ex NK Ramveer Singh Shekhawat S/O Late puran Singh Shekhawat Resident Off village post bhainslana tehsil Kotputli district jaipur that have changed my daughter name From KUMARI VARSHA KANWAR is wrong entered in service record To VARSHA KANWAR vide affidavit dated 1 apr 25 before district notary Jaipur

I, RAMKOR DEVI mother of No. 8037345W Hav(GD) Tejpal Saini R/o Vill: Khandwa, Po: Khandwa, Teh: Churu, PS: Bhaleri, Dist: Churu, State: Rajasthan, PIN: 331001 have changed my name from RAMKOR DEVI to RAM KOUR and date of birth also changed from 26 March 1967 to 01 Jan 1963 Vide affidavit No.CA 152199 Date 02/04/2025 (Jaipur)

नगर निगम ग्रेटर जयपुर
(पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड़, जयपुर-15)
क्रमांक :- जसअ/2025/353 दिनांक: 01.04.2025
ई-निविदा सूचना सं. अधि0 अभि0 (मु0) 78 से 80/2024-25
केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम के पंजीकृत निविदादाताओं से बिड अधि0 अभि0 (मु0) से सम्बन्धित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्यो की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण नगर निगम ग्रेटर जयपुर की वेबसाईट www.jaipurmc.org.com, eproc.rajasthan.gov.in एवं State Public Procurement Portal Government of Rajasthan की वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in के UBN No:- JMC2425WSOB01615, JMC2425WSOB01616 एवं JMC2425WSOB01617 पर देखी जा सकती है।
अधिशाषी अभियन्ता (मु0)
नगर निगम जयपुर (ग्रेटर)
राज.संवाद/सी/25/131

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (फ.स.) चौमूँ (जयपुर)
क्रमांक-1-13 **निविदा सूचना** दिनांक-02.04.2025
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस मंडी समिति में निम्नलिखित व्यवस्थायें/कार्य करवाने हेतु ठेके देने के लिये इच्छुक निविदादाता फर्मो से दिनांक 08.04.2025 को प्रात 11.00 बजे तक निर्धारित निविदा प्रपत्र में बन्द लिफाफे में निविदायें आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं.	कार्य/व्यवस्था का नाम	ठेके की अवधि	कार्य की अनुमानित लात (लाख रू.मं)
1	कम्प्यूटर आपरेटर ठेका	एक वर्ष	6.00 लाख रूपये
2	सफाई व्यवस्था ठेका	एक वर्ष	8.00 लाख रूपये

प्राप्त निविदाओं को उसी दिन दोपहर 12.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं (यदि कोई उपस्थित हो) के समक्ष खोला जायेगा। निविदा से सम्बन्धित अन्य विस्तृत विवरण, निविदा शर्ते व जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट www.mandi.agriculture.rajasthan.gov. पद पर तथा किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में कार्यालय में उपस्थित होकर अवलोकन की जा सकती है।
सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति
(फ.स.) चौमूँ, जयपुर

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
(व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4)
न्यायालय अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश क्र.सं.18 जयपुर महानगर प्रथम
गुरू कृपा रोटो पैकेजिंग विरुद्ध एम.एम. फ्रुट कम्पनी
वाद/प्रार्थना पत्र 801/2024
प्रार्थना-पत्र संख्या - वाद बाबत वसूली
नाम एम.एम. फ्रुट कम्पनी प्रोपराईटर मोहनदास पिंजनानी जाति...पता 1, उमरावती नगर जवाहर की नदी, ब्यावर रोड अजमेर राज. पता-2, निवास बंग्लो नं. 20 साई बाबा कालोनी अजय नगर अजमेर राज.
उक्त वादी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि...
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 04 माह 04 सन् 2025 को 10.00 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश को सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज दिनांक 29 माह 03 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय कीमुद्रा लगाकर दी गई।
मोहर अदालत
आज्ञा से-शरिस्तेदार/रीडर
अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश क्र.सं. 18 जयपुर महानगर

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
(व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4)
न्यायालय अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश क्र.सं.18 जयपुर महानगर प्रथम
गुरू कृपा रोटो पैकेजिंग विरुद्ध जय बाबा गृह उद्योग
वाद/प्रार्थना पत्र वाद बाबत वसूली
प्रार्थना-पत्र संख्या - 799/2024
नाम जय बाबा गृह उद्योग प्रोपराईटर हरेश दयाराम वाले जाति...पता ई-22, एम.आई.डी.सी. उमरावती महाराष्ट्र 444605
उक्त वादी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि...
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 04 माह 04 सन् 2025 को 10.00 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश को सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज दिनांक 29 माह 03 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय कीमुद्रा लगाकर दी गई।
मोहर अदालत
आज्ञा से-शरिस्तेदार/रीडर
अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश क्र.सं. 18 जयपुर महानगर

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
(व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4)
न्यायालय अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश क्र.सं.18 सांगानेर, जयपुर महानगर प्रथम
मै. गुरू कृपा रोटो पैकेजिंग विरुद्ध श्री साईनाथ ट्रेडिंग कंपनी
वाद/प्रार्थना पत्र वाद बाबत वसूली
प्रार्थना-पत्र संख्या - 348/2004
नाम श्री साइनाथ ट्रेडिंग कंपनी प्रोपराइटर हनुमान सिंह लखनोर जाति... पता 1. 40 बंगल रावल छित्तरौली तह. सांगानेर जि. जयपुर राज., पता 2, ख.नं. 70 अजमेर रोड पोस्ट अवनिया ग्रा. बगंला रावल वाया जि. जयपुर
उक्त वादी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि...नकल संलन है।
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 04 माह 04 सन् 2025 को 10.00 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश को सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज दिनांक 29 माह 03 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय कीमुद्रा लगाकर दी गई।
मोहर अदालत
आज्ञा से-शरिस्तेदार/रीडर
अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश क्र.सं. 18 जयपुर महानगर

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
(व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4)
न्यायालय अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश क्र.सं.18 सांगानेर जयपुर महानगर प्रथम
मै. गुरू कृपा रोटो पैकेजिंग विरुद्ध मिंगोला फूड प्रॉडक्टस
वाद/प्रार्थना पत्र वाद बाबत वसूली
प्रार्थना-पत्र संख्या - 353/2024
नाम मिगोला फूड प्रोडक्ट पुत्र....जाति... पता खसरा नं. 14/13 और 14/14/1 नफजगढ रोड द रेवेन्यू स्टेट नंगली सकरायती नई दिल्ली पश्चिम दिल्ली-1100143
उक्त वादी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि...नकल संलग्न है
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 04 माह 04 सन् 2025 को 10.00 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश को सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज दिनांक 29 माह 03 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय कीमुद्रा लगाकर दी गई।
मोहर अदालत
आज्ञा से-शरिस्तेदार/रीडर
अतिरिक्त सिविल न्यायालय क्र.सं. 18 जयपुर महानगर

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
(व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4)
न्यायालय अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश क्र.सं.18 जयपुर महानगर प्रथम
गुरू कृपा रोटो पैकेजिंग विरुद्ध स्नेहा कन्फेंमानरी
वाद/प्रार्थना पत्र वाद बाबत वसूली
प्रार्थना-पत्र संख्या - 800/2024
नाम स्नेहा कॅनफैक्शनरी प्रो. स्नेहा बुलचान्दनी जाति... पता जी-1-120, एग्रो फेड पार्क, बौरान्दा जोधपुर राज.
उक्त वादी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि...
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 04 माह 04 सन् 2025 को 10.00 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश को सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज दिनांक 29 माह 03 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय कीमुद्रा लगाकर दी गई।
मोहर अदालत
आज्ञा से-शरिस्तेदार/रीडर
अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश क्र.सं. 18 जयपुर महानगर

जाति बदल कर की धोखाधड़ी

अलवर। अलवर तहसील में जाति बदलकर जमीन नाम कराने का एक ऐसा मामला सामने आया है इस फर्जीवाड़े में काश्तकार का साथ तत्कालीन पटवारी और तहसीलदार ने भी दिया अब उसी जमीन को उक्त काश्तकार ने फिर से जाति बदलकर उसी जमीन को अपने साले की पुत्र वधुओं और पोते की बहु के नाम कर दिया।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अलवर तहसील अंतर्गत पड़ने वाले माचडी पंचायत के गांव अलापुर में एक जाटव परिवार की जमीन को पीपली का बास पंचायत पडीसल के रहने वाले राय सिक्ख ने खरीदा यहां से फर्जीवाडा शुरू होता है क्योंकि राय सिक्ख ओबीसी में आते है और ओबीसी एससी की जमीन की खरीद फरोस्त नही कर सकता इसके लिए उक्त राय सिक्ख ने अपने सालों की मिलीभगत करके अपने को मजबी सिख बनवाकर पटवारी के साथ मिलकर यह जमीन अपने नाम करवा ली क्योंकि मजबी सिख एससी में आते है और एससी ही एससी की जमीन खरीद सकता है यह मामला 22 जून 1989 का है जिसमें दो राय सिखों ने अपने को मजबी सिख बताकर कानून के साथ धोखाधड़ी की थी।

मामले से पर्दा जब उठा तब 4 मार्च 2025 को उसी जमीन को उक्त मजबी सिख ने वापिस जाति बदल कर अपने को राय सिख घोषित करते हुए अपने साले की पुत्रवधुओं ओर पोते की बहुओं के नाम कर दिया है। इस मामले में कानून विशेषज्ञों की राय ली तो उन्होंने बताया कि यह संगीन अपराध है और अगर एक ही धर्म का आदमी अपनी जाति बदल कर धोखाधडी करता है तो उसे जेल भी हो सकती है। इस मामले की तह तक जाने के लिए इस जमीन के सभी दस्तावेजों की नकल प्राप्त की जा रही है जिसे मिलने के बाद पूरा खुलासा किया जाएगा।

रामभवन स्थित राम मंदिर भूमि विवाद को लेकर एकजुट हुए ग्रामीण

पावटा। कस्बा पावटा सुभाष चौक रामभवन स्थित भगवान श्रीराम का प्राचीन मन्दिर जो भामाशाह कोटपुतली निवासी गौरी सहाय के सुपुत्र प्रभुदयाल पटवारी की धर्मपत्नी घोटी देवी द्वारा विक्रम संवत 2016 में धर्मार्थ के लिए बनाया गया था। उसे परिवार के ही लोग जिन्हें भामाशाह ने मंदिर की देखरेख व रख रखाव के लिए नियुक्त किया था। वो ही अपने निजी स्वार्थ के लिए उसे बेचने पर तुले हुए है। जिसे लेकर भामाशाह द्वारा दान की गई मंदिर भूमि को बेचने की साजिश के खिलाफ बुधवार को पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर के नेतृत्व व मंदिर में पूजा-पाठ करने वाले टीलावत परिवार के, सत्यनारायण टीलावत, महेश टीलावतकी मौजूदगी में ग्रामीणों व जनप्रतिनिधियों ने जिला कलेक्टर के नाम पाव टा उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

- **बैठक में शामिल पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर ने किया सभा को संबोधित**

वहीं दोपहर करीब 1 बजे मंदिर प्रांगण में परिसर बचाओ अभियान के लिए बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। जहां पंडित सुरेश शर्मा की अध्यक्षता में सभा में पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर के साथ साथ अन्य लोग भी पहुंचे। जहां रामभवन स्थित श्रीराम मंदिर की जमीन को कुछ लोगों द्वारा हड़पने की चर्चा करते हुए ग्रामीणों ने आक्रोश जताया। वही भामाशाह परिवार सदस्य पूर्व वार्ड पार्षद सांवर मल बंसल ने मंदिर के नाम दान पत्र दिखाते हुए बताया कि मेरे दादाजी बनवारी लाल द्वारा सन 1958 में मेरी बड़ी बुआ घोटी देवी को दान की गई थी। जिसका रजिस्टर्ड दानपत्र किया गया था। मंदिर के नाम से लगभग 22 बिस्वा जमीन है। जिसमें 11 बिस्वा में मंदिर निर्माण है व 11 बिस्वा खाली भूमि है। उसके बाद भामाशाह घोटी देवी द्वारा अपने खर्चे पर रामभवन का धर्मार्थ निर्माण करवाया गया। जिसका शिलालेख भवन पर लगा हुआ है। उसके बाद वो व्यापार के लिए झारखंड चले गए व घोटी देवी ने देखरेख व रख रखाव के लिए इसे अपनी बहन लिक्ष्मा देवी को सौंप दिया। इसमें दुकाने भी बनी हुई है जिससे मंदिर का खर्चा चलता था। भामाशाह परिवार 20-25 बाद आए तो इसमें से कुछ भूमि को जिन्हें देख रेख के लिएसौप गए थे उन्होंने बेच दी जिस पर उनमें आपस में विवाद हो गया। जिस पर इस संपति का विवाद कोर्ट में चला गया व इस पर स्टे लग गया। वही ज्यों लोग मालिक बन कर इसे बेच रहे है उनका कहना है कि भामाशाह घोटी देवी यह संपति हमें सौप गई थी हम चाहे इसे बेचे या कुछ भी करे। वही इस संपति को खरीदने को लेकर जिन दो लोगों पर आरोप लग रहा है। उनमें से विमल गर्ग ने बताया कि मेरा नाम इस संपति से गलत जोड़ा जा रहा है। में इस संपति से कोसों दूर हूं। मेरा कोई लेना देना नहीं है। केवल मंदिर निर्माण में सहभागिता को लेकर अपनी सहमति प्रदान की थी। इस संपति के क्रय विक्रय में मेरा कोई हाथ नहीं है और ना ही भविष्य में रहेगा। यदि भविष्य में मंदिर में किसी तरह का निर्माण कार्य होता है तो में हर सहयोग के लिए तैयार हूं। में जन भावनाओं के विरुद्ध नहीं हूं बल्कि उनके साथ हूं। वही नेता जगदीश डाबड, महादेव यादव, जगदीश मीणा, ओ पी बायला, बजरंगलाल, सुरेश कुमार बजरंगपुरा, पंडित सुरेश शर्मा, सुशील योगी, ओमप्रकाश गौड, विनोद यादव, एड. दीपक गोयल, विजय राठी, कैलाश चौधरी सहित वक्ताओं ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भामाशाह द्वारा जनता को समर्पित भवन व एक प्रसिद्ध मंदिर की भूमि और मंदिर को, उन देवी ओर दानवीरों, धर्मात्माओं के दूर के वंशज द्वारा भूमाफियाओं से मिल कर कुछ लोभ लालच में खरीद फरोख्त करने का प्रयास कर रहे है। जो कि पूर्णतः धर्म संगत नहीं हैं। यह पूरी तरह से हिंदू धर्म की मान्यताओं, परम्पराओं और समाज के खिलाफ है।

वही पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर ने बताया कि भामाशाह ने अपनी पुण्य कमाई में से इस रामभवन व राम मंदिर का निर्माण करवाया है। जिसमें आगे दुकानों का निर्माण व पीछे भवन व मंदिर का निर्माण हो रखा है। दुकाने इस लिए बनवाई कि इन के खर्चे से मंदिर का रख रखाव हो सके। लेकिन इन दिनों पावटा कस्बे में भूमाफिया सक्रिय हो गए है ज्योंकि भामाशाह द्वारा दान की गई मंदिरों की भूमि को भी नहीं छोड़ रहे है। दो लोगों को मोहरा बनाकर करीब 66 साल से बने रामभवन व श्रीराम मंदिर भूमि को हड़पना चाहते है। मौके पर अधिकारियों को बुलाया गया लेकिन कोई भी अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। यह संपति भगवान राम की संपति है। सत्ताईसा क्षेत्र की जनता की संपति है।

कस्बा पावटा सुभाष चौक स्थित प्राचीन रामभवन व मंदिर पर भू माफियाओं द्वारा कब्ज़ा किया जा रहा है और इसमें कॉम्प्लेक्स बनाये जाने की योजना चल रही है। जो की सरासर ग़लत है। लेकिन जनता ऐसा नहीं होने देगी। वही उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री भारत सरकार अमित शाह, राजस्थान सरकार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व पुलिस प्रशासन से आग्रह किया कि पिछले कई दिनों से हमारे यहाँ भू माफ़ियाओ का आतंक बढ़ता जा रहा है। स्थानीय प्रशासन ने भू माफ़ियाओ के सामने घुटने टेक दिये हैं। इसलिए रामभवन और मंदिर पर हो रहे कब्ज़े को तुरंत रोका जाए, भू-माफियाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए, स्थानीय प्रशासन की निष्क्रियता की जाँच की जाए। अगर हमारी माँगे नहीं मानी गईं, तो क्षेत्र की जनता मजबूर होकर सड़क पर उतरेगी और बड़ा आंदोलन करेगी। इस दौरान बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि व ग्रामीण मौजूद रहे।

ज्ञापन सौंपते हुए जिला कलेक्टर के नाम उपखंड अधिकारी पावटा को ज्ञापन सौंपा।

सार-समाचार

नौकरी का झांसा, दो गिरफ्तार

टोंक। जिले के बडोली थाना क्षेत्र में गत 19 अक्टूम्बर 2016 में दर्ज एक मामले के अनुसार पीडित पक्षकार से विदेश में नौकरी दिलाई जाने का झांसा देकर आरोपी ने अपने खाते में चेक से राशि प्राप्त कर ली थी। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवा के निर्देशन में अति.पुलिस अधीक्षक मालपुरा मोटाराम व देवली वृताधिकारी रामसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने 8 साल पुराने इस मामले के आरोपी दिलीप कुमार शर्मा उर्फ नरेश पुत्र रामकरण शर्मा उम्र 46 साल निवासी थाना रामगंज जयपुर एवं इस झालसाझी का मास्टर माइंण्ड पप्पू कुमार शाह पुत्र गौरीशंकर जाति तेली उम्र 47 साल निवासी थाना रामगंज क्षैत्र मूल निवासी टोल धमाना थाना झांझा जिला जमूई बिहार दोनो आरोपी आठ साल से फरार थे। आरोपियों से पूछताछ जारी है।

नवोदय विद्यालय में चयन

पावटा। राज श्री इंटरनेशनल स्कूल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र अवनी मोर्य, प्रियल यादव का नवोदय विद्यालय में चयन होने पर संस्था द्वारा छात्र का माला व प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया गया। सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि मोहनलाल मौर्य कमल यादव, बृजमोहन यादव, विक्रम सिंह, रेखा यादव, वनिका चौहान, लक्ष्मी कंवर, रंजू गोयल, अन्नू चौहान ,शिवानी सैनी, ज्योति शर्मा शिक्षक रहे। अध्यक्षता डॉ ललिता यादव प्रिंसिपल ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मोहनलाल मौर्य ने बताया कि छात्र अवनी मोर्य, प्रियल यादव के सलेक्शन पर पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा किए गए प्रयास रंग लाए। संस्था निदेशक राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि छात्र- छात्राओ ने अपनी का सफलता का श्रेय संस्था व माता पिता को दिया। कार्यक्रम के सहनिदेशक सुनील कुमार यादव ने बताया कि कोई भी ऐसे विद्यार्थी जो दिव्यांग असहाय व गरीब हो उन्हें निशुल्क अध्ययन कराने के लिए हमेशा तत्पर है। इस कार्यक्रम में देवीलाल चौधरी, रामावतार यादव, रतनलाल बुनकर, गोपाल गुर्जर, रामकुमार बुनकर, बनवारी सैनी, अर्जुन सिंह, फूलचंद मीणा सहित कई लोग मौजूद रहे।

चोरी का मामला दर्ज

फुलेरा। स्थानीय निवासी एवं पत्रकार योगेन्द्र गहलोत ने मंगलवार को थाने पर चोरी का मामला दर्ज करवाया है। गहलोत ने रिपोर्ट में बताया कि मैं 30 मार्च को अपने पारिवारिक कार्यक्रम में मेरे पैतृक गांव बर जिला ब्यावर गया हुआ था। इसके बाद मंगलवार को फुलेरा स्थित अपने घर पहुंचा। इसके बाद मैन गेट को अपनी चाबी से खोलकर अन्दर गया। तत्पश्चात कमरे के दरवाजे के ताले को मैंने खोलने हेतु जैसे ही आगे आया तो देखा कि मेरे कमरे की लाईट जली हुई थी, तथा ताला बाहर पलंग पर पड़ा हुआ मिला। जैसे ही टूटे हुये ताले को देखा व दरवाजे को धकेला तो सामान बिखरा पड़ा था व अलमारी के पूरे सामान को बाहर पटक रखा था। इसके साथ ही वहां पर रखे दो मिट्टी के गुल्लक फोड़कर उसमें रखे करीब 12000 हजार रुपये सहित चांदी की पायजेब, अंगूठी व बिछियां निकाल कर ले गये।

मुख्य बाजार में पैदल गश्त की

नारायणपुर। वक्फ बोर्ड बिल के पेश होने के मद्देनजर नारायणपुर पुलिस ने बुधवार को कस्बे के मुख्य बाजार में पैदल गश्त की। इस दौरान पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों पर कड़ी नजर रखी और बाजार में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। थानाधिकारी ओमप्रकाश मीणा अपनी टीम के साथ सुबह मुख्य बाजार पहुंचे और पैदल गश्त की। उन्होंने अस्थाई रूप से अतिक्रमण कर सामान लगाने वाले दुकानदारों को समझाइश की और नाली के बाहर सामान न लगाने की अपील की, जिससे आमजन को आने-जाने में कोई परेशानी न हो। गश्त के दौरान पुलिस ने हॉस्पिटल के सामने लगे अस्थाई अतिक्रमण को हटाया और दुकानदारों को चेतावनी दी कि भविष्य में दोबारा अतिक्रमण न करें। इस दौरान 112 आपातकालीन सेवा और पुलिस गाड़ी भी मौके पर मौजूद रही। थाना प्रभारी ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से बाजार और अन्य भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिस लगातार निगरानी रख रही है। आमजन से भी अपील की गई कि कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत पुलिस को सूचना दें।

अज्ञात वाहन की टक्कर से जरख की मौत

नारायणपुर। ग्राम पंचायत विजयपुरा में बुधवार को एक जरख की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। वनपाल राम अवतार मीणा ने बताया कि ग्रामीणों ने सड़क किनारे एक मृत जरख मिलने की सूचना दी थी। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने जांच की, जिसमें पाया गया कि जरख के सिर और शरीर पर गहरे चोट के निशान थे। बताया जा रहा है कि सड़क किनारे वन्यजीवों के लिए एक जलकुंड स्थित है, जहां से पानी पीकर जरख सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से उसकी मौत हो गई। मृत जरख नर था और उसकी उम्र करीब ढाई साल बताई जा रही है। वन विभाग ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद मृत जरख का पोस्टमार्टम कर अंतिम संस्कार कर दिया। इस घटना के बाद ग्रामीणों में रोष है। उन्होंने वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए पीडब्ल्यूडी विभाग से सड़क पर स्पीड ब्रेकर और संकेतक लगाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि वन्यजीवों की बढ़ती दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन को जल्द ही ठोस कदम उठाने चाहिए। इस दौरान सरपंच मोहन लाल वर्मा समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर मौजूद रहे।

हनुमानजी महाराज का मेला 8 अप्रैल को

नारायणपुर। उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत गढ़ी (मामोड़) में स्थित तिराया वाले हनुमानजी महाराज का वार्षिक मेला 8 अप्रैल को बड़े हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया जाएगा। पुजारी भारत कुमार शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि मेले में विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मेले के मुख्य आकर्षणों में दोपहर 2 बजे से शुरू होने वाली कुश्ती दंगल रहेगी, जिसमें दूर-दराज से आए प्रसिद्ध पहलवानों के बीच मुकाबले होंगे। खासतौर पर कामड़े की कुश्ती 21 हजार रुपये की होगी, जिससे दंगल में खासा उत्साह देखने को मिलेगा। रात्रि 10 बजे से कृष्ण लोक कला मंडल हाथरस के कलाकारों द्वारा नौटंकी प्रस्तुत की जाएगी। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध कलाकार प्रकाश सिंह सिसोदिया, लेखराज, रामप्रसाद राजस्थानी, भीमसिंह, चाँदतारा और कृष्णा कुमारी एंड पार्टी अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। सम्पूर्ण रात्रि तक चलने वाली इस नौटंकी में दर्शकों के मनोरंजन का विशेष ख्याल रखा जाएगा। आयोजकों ने श्रद्धालुओं और मेले में आने वाले लोगों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इस धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन का आनंद लेने की अपील की है।

रामनवमी को लेकर सर्वसमाज की बैठक

टोंक। नूतन नववर्ष कार्यक्रम के तहत रामनवमी मनाने को लेकर समारोह समिति के संरक्षक महाराज कोमलराम, रामनिवास व बाबूलाल शर्मा एवं अध्यक्ष दिनेश शर्मा की मौजूदगी में सर्वसमाज की बैठक सरस्वती विद्या मन्दिर यज्ञ के बालाजी में आयोजित की गई। डॉ. पंडित पवन सागर व महेन्द्र विजय ने बताया कि 6 अप्रैल रामनवमी को विभिन्न संगठनों द्वारा झांकियां निकाली जायेगी, जो राष्ट्रीय संयोजिका बीना छामुनिया, महाराणा प्रताप की झांकी भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रवीर सिंह चौहान, रामदरबार की झांकी विधा भारती समिति, महापुरुष चंद्रशेखर आजाद की झांकी हेमन्त सेन, हनुमानजी की झांकी व्यापार महासंघ अध्यक्ष मनीष बंसल व पदाधिकारीयो, परमानन्द महाराज की झांकी परमानन्द छात्रावास व लड्डू किराड़, ज्योतिबाफुले की झांकी अखिलेश सैनी व सैनी समाज, महापुरुष शिवाजी महाराज की झांकी कार्तिक बम्ब व युवा मण्डल के नेतृत्व में निकाली जायेगी।

सम्मेलन को लेकर 9 जोड़ों का हुआ रजिस्ट्रेशन

श्री चिंताहरण गणेश जी के मंदिर में विवाह सम्मेलन के लिए गणेश निमंत्रण देते हुए श्रद्धालु।

निवाई। श्री श्याम धर्मार्थ सेवा संस्थान के तत्वावधान में सप्तम सर्व समाज निःशुल्क विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा जिसको लेकर बुधवार को श्री चिंताहरण गणेश मंदिर में पंडित मोहनलाल शास्त्री खणदेवत के सानिध्य में संस्थान अध्यक्ष एवं नगर पालिकाध्यक्ष दिलीप इसरानी ने पूजा-अर्चना कर गणेश जी को निमंत्रण दिया।

पालिकाध्यक्ष दिलीप इसरानी ने बताया कि संस्थान के तत्वावधान में यह सातवां विवाह सम्मेलन है। उन्होंने बताया कि 6 अप्रेल को राम नवमी पर्व पर ग्यारह जोडों का विवाह करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि सम्मेलन को लेकर 11 जोडों का लक्ष्य रखा गया है। जिसको लेकर 9 जोडों का रजिस्ट्रेशन हुआ है। जिनमें 7 हिन्दु व 2 मुस्लिम जोडे है। हिन्दु जोडों का हिन्दु रीति रिवाज से पाणिग्रहण संस्कार किया जाएगा व मुस्लिम समाज के जोडों का निकाह किया जाएगा। पार्षद नितिन छाबडा ने बताया कि सम्मेलन के आयोजन को लेकर तैयारियां जोर-शोर पर चल रही है।

सम्मेलन का आयोजन श्याम मन्दिर के पास स्थित प्रांगण में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राम नवमी की सुबह 8:3० बजे चिन्ताहरण गणेश जी के मंदिर से निकासी रवाना होगी। सुबह साढे 1० बजे श्याम मंदिर पर तोरण की रस्म अदा की जाएगी। उसके पश्चात हिन्दु जोडों का पाणिग्रहण संस्कार व मुस्लिम जोडों का निकाह संपन्न होगा। इसके बाद आशीर्वाद समारोह का आयोजन होगा। इस दौरान रवि अग्रवाल, अनिल पारीक सिरस, प्रदीप पारीक, आनन्द पारीक, सुलेखचंद गुप्ता, प्रदीप पारीक, अविनास पारीक, मोहित चँवरिया, विमल जौंला, विनोद होण्डा, चेतन पारीक व सर्वेश द्विवेदी सहित संस्थान के कई सदस्य मौजूद थे।

राजा सिद्धार्थ व भगवान महावीर का सजा दरबार

निवाई। जैन समाज के श्रद्धालुओं द्वारा नसिंया जैन मंदिर के पास महावीर जयंती के महोत्सव के तहत शहर में घर घर मंगलाचार कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें सैकडों महिलाओं ने भाग लिया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं सुनील भाणजा ने बताया कि कार्यक्रम का शुभांरभ विमला देवी, पंकज जैन, रेखा भाणजा, राजकुमारी गिन्दोडी एवं आरव जैन ने भगवान महावीर स्वामी के तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम का मंगलाचरण प्रियंका पराणा, निकिता जैन, राशि जैन, सीमा जैन एवं गुंजन जैन ने सामूहिक नृत्य के साथ किया।

उन्होंने बताया कि घर घर मंगलाचार कार्यक्रम में भगवान महावीर का दरबार, पालना झूलाया, राजा सिद्धार्थ के साथ सामूहिक नृत्य जैसे अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। महिलाओं ने भगवान महावीर स्वामी के गीतों एवं भजनों पर जमकर नृत्य किए। राकेश संघी ने बताया कि कार्यक्रम के अन्तर्गत मनीषा पहाडी, विनीता बगडी, मैना जैन, मंजू जैन, नीलम सोगानी, अर्चना सेदरिया, आभा जैन, आशा जैन, अनिता गोयल, राशि बोहरा, विमला पीपलू, अंजू जैन व रेखा जैन सहित कई महिलाओं एवं बालिकाओं ने भगवान महावीर स्वामी की महिमा पर सामूहिक घर घर मंगलाचार कार्यक्रम करके भगवान महावीर का महत्व बताया। इस अवसर पर सभी महिलाओं को भात कार्यक्रम वितरण किया गया।

'अलवर का मिनी सचिवालय बनेगा ग्रीन एनर्जी ऊर्जा भवन'

मिनी सचिवालय में अभिनव नवाचार का पौधे लगाकर शुभारंभ करते जिला कलेक्टर डॉ अर्तिका शुक्ला।

अलवर। अलवर में जिला प्रशासन के मिनी सचिवालय भवन को ठीन बिल्डिंग अवधारणा के एनर्जी एफिसिएंट बिल्डिंग बनाने की दिशा में जिला कलेक्टर डॉ अर्तिका शुक्ला ने अभिनव नवाचार कर सीएसआर के सहयोग से मियावाकी पद्धित से बुधवार को भवन में पौधे लगाए जाने के कार्य का शुभारंभ किया है।

इस अवसर पर एडीएम शहर बीना महावर, उप वन संरक्षक अलवर राजेंद्र हुड्डा, अलवर चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष राजेश गुप्ता, यशवंत मीणा, सुधीर माथुर, क्षितिज माथुर, सतीश मोदी , नवीन सेन, अशोक पाठक, पं. नथूराम शास्त्राी, मोहित सिंह, आशीष गुप्ता, नवीन कुमार, आशीष रावत, रामचरण शर्मा, राजेंद्र सिंह भाटी, भीम सिंह, नेतराम, राकेश वर्मा, अशीमा माथुर, माया गुप्ता, राजदीप शर्मा सहित गणमान्य नागरिक उपस्थिति रहे।

जिला कलेक्टर डॉ अर्तिका शुक्ला ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा बुधवार को अर्णिमा सोशल वेलफेयर सोसायटी के सहयोग एवं चैम्बर ऑफ कॉमर्स अलवर के सीएसआर सहयोग के तहत 400 पौधे लगाकर मिनी सचिवालय के भवन को एनर्जी एफिसिएंट बिल्डिंग बनाने के नवाचार कार्य का शुभारंम किया गया है।

उन्होंने बताया कि इस नवाचार के तहत वन विभाग के तकनीकी सहयोग से मिनी सचिवालय परिसर में खाली पेचेज में सीएसआर के माध्यम से मियावाकी पद्धित से सघन पौधारोपण किया जाएगा, जिससे मिनी सचिवालय का स्वरूप ठीन इमारत के रूप में उभरेगा। इससे पूर्व पर्यावरण संरक्षण एवं हरित आवरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सीएसआर एवं कर्मचारियों के सहयोग से मिनी सचिवालय भवन में गैलरी आदि स्थानों पर गमलो में पौधे लगाए गए है।

हवन यज्ञ के साथ की नये शैक्षणिक सत्र की शुरूआत

कोटपूतली। जिले के ग्राम बागावास अहिरान स्थित अशोका द सोरिंग स्कूल में नये शैक्षणिक सत्र की शुरुआत हवन यज्ञ के साथ की गई। इस मौके पर अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार शाखा कोटपूतली गायत्री परिजन किशनलाल शर्मा के दिशा निर्देशन में स्कूल प्रांगण में हवन किया गया। निदेशक इंजी. योगेश चौधरी, इंजी. राजेश चौधरी, इंजी. विक्रम कसाना ने हवन में आहुति देकर सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर निदेशक इंजी. योगेश चौधरी ने कहा कि नये सत्र में सभी छात्रों को कड़ी मेहनत करनी चाहिये और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करना चाहिये। उन्होंने कहा कि स्कूल छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिये प्रतिबद्ध है। हवन के बाद प्रसाद का वितरण किया गया। इस दौरान शिक्षक राजेंद्र सैनी, प्रकाश ओला, गजल सोनी, विजय राठौड़, सीमा, रहीश वर्मा, अनीता, रविन्द्र कोच, मोनिका कौशिक, नजीरा, पुष्पा, पूनम, अंकिता आर्य, शबाना, मनीषा शर्मा आदि ने भी छात्रों को संबोधित किया। छात्रों ने नये सत्र के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुये कहा कि वे कड़ी मेहनत करेंगे तथा स्कूल व माता-पिता का नाम रोशन करेंगे। इस मौके पर स्कूल के शिक्षक व छात्र मौजूद रहे।

केन्द्रीय गृहमंत्री शाह व सीएम के दौरे की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

पावटा। कस्बे के अहीर की बावडी स्थित बाबा बालनाथ आश्रम में मंगलवार को बस्तीनाथ महाराज के सानिध्य में वर्ष पर्यन्त चल रहे रूद्र महायज्ञ के समापन कार्यक्रम 6 अप्रेल 2025 को केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय मंत्री भारत सरकार भूपेंद्र यादव के आगमन की तैयारियों को लेकर कस्बे स्तिथ पंचायत समिति सभागार में ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की बैठक में कार्यक्रम को कुशलता पूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से विधायक कुलदीप धनकड ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों के द्वारा अपनी अपनी तैयारियां पूर्ण करने के उद्देश्य से सभी अधिकारी अपने कार्य में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में मात्र 3 दिन बचे हैं। अतः समस्त अधिकारियों के लिए समय बहुत कम है। अतः सभी अधिकारी गण अपनी तैयारियां तत्काल प्रभाव से पूर्ण करें।

- **बैठक में वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर जागरूक अभियान को लेकर विचार विमर्श किया**

उन्होंने हेलीपैड एवं बैरिकेडिंग के संबंध में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। इसी प्रकार सुरक्षा के संबंध में पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि उनके द्वारा गहनता के साथ सभी प्वाइंटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किया जाना सुनिश्चित करें। इसी प्रकार जिलाधिकारी ने अन्य अधिकारियों को भी कार्यक्रम के संबंध में निर्देश देते हुए कहा कि सभी अधिकारियों द्वारा अपने कार्य को समय रहते पूर्ण करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उसके बाद जयपुर देहात उत्तर के कार्यकर्ताओं की बैठक जिलाध्यक्ष सुरेश सैनी की अध्यक्षता व विधायक कुलदीप धनखड़ के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुई। बैठक में कार्यक्रम का सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी तय की गई। बैठक में विधायक कुलदीप धनखड़ ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनो के पीछे सनातन धर्म है जो जात पात को भेदकर हिन्दू संस्कृति को मजबूत बनाता है। विधायक ने कहा कि वर्ष पर्यन्त चले इस महायज्ञ के समापन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, सीएम भजनलाल शर्मा और केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव सहित सांसद, मंत्री व विधायक शामिल होंगे। शाह सबसे पहले बाबा बालकनाथ जी की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे, फिर पंचमुखी महादेव की पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद वे अखंड धूणे पर पुष्पांजलि अर्पित कर हवन में भाग लेंगे और यज्ञशाला में पूर्णाहुति देंगे। वे सनातन सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इसके अलावा बैठक में वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर पार्टी द्वारा चलाये जा रहे जागरूक अभियान को लेकर विचार विमर्श किया गया।

गृहमंत्री शाह व सीएम के दौरे की तैयारियों को लेकर विराटनगर विधानसभा ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों व भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित हुई।

विकास कार्यों पर हुई चर्चा

मानपुरा माचेड़ी। पंचायत समिति कार्यालय जाँलसु में पंचायत समिति जाँलसु की साधारण सभा का आयोजन जाँलसु प्रधान हरदेव यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। सभा में उपखण्ड अधिकारी अशोक कुमार, स्थानीय विधायक प्रशांत शर्मा, उप जिलाप्रमुख मोहन डागर, विकास अधिकारी सुप्यार कटारिया, तहसीलदार रामचन्द्र गुर्जर, जालसु सरपंच संघ अध्यक्ष रामजीलाल यादव मौजूद रहे।

बैठक में डागर ने ब्लॉक के सभी राजस्व गांवों में शुद्ध पेयजल की उचित व्यवस्था करने ,किसानों को कृषि कार्यो हेतु रात की बजाय दिन में विधुत आपूर्ति करने, टुटी हुई सडकों का नवीनीकरण करवाने, किसानों को ब्लॉक में किसान गोष्ठी का आयोजन कर सरकारी योजनाओं की जानकारी देने, ठाम पंचायतों द्वारा आबादी भूमि मे जरुरतमंद नागरिकों को निःशुल्क पट्टे आवंटित करने, राजकीय विधालयों में खेल मैदान आवंटन करने ,सहित बिजली, पानी, सड़क, सहित अन्य प्रमुख समस्याओं पर चर्चा कर प्रस्ताव रखे।इस दौरान बैठक में उप प्रधान सुमन देवी, सरपंच बबली सत्यनारायण शर्मा, सीता रमेश यादव, राजेन्द्र यादव, गंगा देवी,आशा देवी, कमला देवी, शैलेश बौहरा, मेनका देवी, पंचायत समिति सदस्य ऐश्वर्य अटल, जयराम कुमावत, कविता देवी, सन्तोष देवी, भगवान सहाय बुनकर सहित अन्य विभागों के प्रशानिक अधिकारी मौजूद थे।

क्यूरेटर ने यह नहीं सोचा कि यह घरेलू मैच है। ऐसा लग रहा था कि पंजाब के क्यूरेटर यहां थे।'' लखनऊ सुपर जाइंट्स से जुड़ने से पहले मुंबई इंडियंस के क्रिकेट विकास वैश्विक प्रमुख रहे जहीर ने कहा कि इस वजह से घरेलू प्रशंसकों को अपनी टीम को जीतते देखने का मौका नहीं मिला।

– जहीर खान

लखनऊ सुपर जाइंट्स मेंटोर, पंजाब से मिली हार के बाद बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — **ऋषभ पंत**

आईपीएल इतिहास के दो सबसे महंगे खिलाड़ियों- श्रेयस अय्यर (26.75 करोड़) और ऋषभ पंत (27 करोड़) के बीच मुकाबला भी देखने को मिला। लेकिन जीत अय्यर की हुई, जबकि पंत का प्रदर्शन एक बार फिर फीका रहा। एलएसजी के कप्तान ने पांच गेंदों पर केवल दो रन बनाए, इस सत्र में उनकी खराब शुरुआत जारी रही, जिसमें उन्होंने तीन पारियों में 26 गेंदों पर केवल 17 रन बनाए हैं। अय्यर के साथ बातचीत के बाद, गोयनका को पंत के साथ गंभीर बातचीत करते हुए देखा गया, जो पिछले सीज़न में केएल राहुल के साथ उनकी चर्चा के समान थी।

क्या आप जानते हैं ?... शुभमन गिल ने7वें वनडे शतक के साथ ही एक नया रिकॉर्ड बनाया। इंग्लैंड के खिलाफ अपने 50वें मैच में शतक जड़कर शुभमन गिल वनडे में सबसे तेज 2,500 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए।

एलएसजी के गेंदबाज दिग्वेश सिंह पर जुर्माना

लखनऊ, 2 अप्रैल। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के गेंदबाज दिग्वेश सिंह पर मंगलवार रात भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उन्हें एक डिमेरिट अंक भी मिला है। दिग्वेश सिंह ने अनुच्छेद 2.5 के तहत लेवल 1 के अपराध को स्वीकार किया और मैच रेफरी की सजा को स्वीकार कर लिया। आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होता है। इस बीच पंजाब किंग्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स को आठ विकेट से हरा दिया। उन्होंने 172 रनों के लक्ष्य को सिर्फ 16.2 ओवर में हासिल कर लिया। प्रभसिमरन सिंह और श्रेयस अय्यर ने तेज अर्धशतक जड़कर 22 गेंद शेष रहते आसान जीत सुनिश्चित की। इस जीत के साथ, पंजाब किंग्स ने लीग में अपना अपराजेय क्रम जारी रखा और सीजन की शुरुआत में खुद को मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित किया।

वेस्टइंडीज और द. अफ्रीका की मेजबानी करेगा भारत

मुंबई, 2 अप्रैल। भारतीय क्रिकेट टीम इस साल के अंत में अक्टूबर और नवंबर में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी करेगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को 2025 के लिए भारतीय पुरुष टीम के घरेलू सत्र के कार्यक्रम का खुलासा किया है। भारत का घरेलू सत्र वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के साथ शुरू होगा, जिसका पहला टेस्ट अहमदाबाद में 2 अक्टूबर से शुरू होगा वहीं दूसरा टेस्ट 14 अक्टूबर से कोलकाता में खेला जाएगा। वेस्टइंडीज श्रृंखला के बाद, भारत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट,तीन वनडे और पांच टी20 मैचों की मेजबानी करेगा। टेस्ट श्रृंखला का पहला मैच 14 नवंबर को नई दिल्ली में और दूसरा 22 नवंबर से गुवाहाटी में शुरू होगा। इसके बाद भारत और दक्षिण अफ्रीका तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेंगे, जिसके बाद दिसंबर में पांच मैचों की टी20 सीरीज होगी। वनडे मैच 30 नवंबर से 6 दिसंबर तक रांची, रायपुर और विजाग में खेले जाएंगे, उसके बाद 9 से 19 दिसंबर तक टी20 मैच खेले जाएंगे, जिसके मैच कटक, चंडीगढ़, धर्मशाला, लखनऊ और अहमदाबाद में होंगे।

344 विद्यार्थियों को डिग्री और 21 को प्रदान किए जाएंगे गोल्ड मैडल

जयपुर, 2 अप्रैल। नीमराणा स्थित रैफल्स यूनिवर्सिटी अपना छठा दीक्षांत समारोह 5 अप्रैल, शनिवार को यूनिवर्सिटी कैम्पस में आयोजित करने जा रहा है। समारोह का आयोजन सुबह 10:30 बजे से होगा, जिसमें भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन केंद्रीय मंत्री, भूपेंद्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के न्यायाधीश, जस्टिस दीपांकर दत्ता और एमार, दुबई के संस्थापक, हिज एक्सीलेंसी मोहम्मद अलब्बर, विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। रैफल्स यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर, प्रो. (डॉ.) राजेंद्र सिंह सांगवान ने बताया कि समारोह का एक प्रमुख आकर्षण हिज एक्सीलेंसी मोहम्मद अलब्बर को डॉक्टरेट डिग्री (ऑनोरिस कॉसा) से सम्मानित करना भी होगा। दीक्षांत समारोह की शुरुआत अकादमिक प्रोसेशन के साथ होगी। इस दौरान कुल 344 विद्यार्थियों को पीएचडी, स्नातकोत्तर और स्नातक डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। यह डिग्रियां उन्हें इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, एग्रीकल्चर, लॉ, ह्यूमैनिटीज, फार्मेसी,और बेसिक एंड एप्लाइड साइंस आदि सहित अन्य क्षेत्रों में प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, विभिन्न विभागों के 21 गोल्ड मेडलिस्ट्स को मेडल्स देकर सम्मानित किया जाएगा।

लोकेश के ऑलराउंड प्रदर्शन से शिवा क्रिकेट एकेडमी जीती

जयपुर, 2 अप्रैल। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज सेण्डफोड स्कूल ठाउण्ड कलवाड़ रोड पर खेले गये मैच में शिवा क्रिकेट एकेडमी नें लोकेश खाण्डल 52 रन व 6 रन पर 3 विकेट के आलराउण्ट प्रदर्शन की बदोलत एम.आर एम क्रिकेट एकेडमी को 201 रन से हराकर 2 अंक अर्जित किये। बी-डिवीजन व के.एम. रूमन्टा 3 दिवसीय मैचों के कारण प्रतियोगिता का अगला मैच सोमवार को खेला जायेगा। शिवा क्रिकेट एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुये लोकेश खाण्डल 52 रन (26 गेन्द, 10 चौके, 1 छक्का), सुनील कुमार 55 रन (37 गेन्द, 7 चौके, 1 छक्का), धर्मेन्द्र सिंह 65 रन (40 गेन्द, 8 चौके, 1 छक्का), हेमेन्द्र जोधा 33 रन (10 गेन्द, 2 चौके, 4 छक्के) की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 232 रन बनाए। गेन्दबाजी में एम.आर.एम क्रिकेट एकेडमी की ओर से आयुष सोनी, नरेन्द्र सिंह तोमर, पियूष तथा अर्पित कुमार प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेन्दबाज रहें। जवाबी पारी में एम.आर.एम क्रिकेट एकेडमी का कोई भी बल्लेबाज शिवा क्रिकेट एकेडमी के गेन्दबाजों सतीश धायल 12 रन पर 3 विकेट, लोकेश खाण्डल 6 रन पर 3 विकेट तथा भास्कर व राहुल चौधरी प्रत्येक 1-1 विकेट की गेन्दबाजी के समक्ष दहाई की संख्या भी पार नही कर सके तथा पूरी टीम 9.5 ओवर में 31 पर सिमट गई। मैन ऑफ दा मैच लोकेश खाण्डल 52 रन व 6 रन पर 3 विकेट शिवा क्रिकेट एकेडमी रहे।

बटलर के तूफान में उड़ा बेंगलुरु, गुजरात आठ विकेट से जीता

बेंगलुरु, 2 अप्रैल। मोहम्मद सिराज (19 रन पर तीन विकेट) के नेतृत्व में धारदार गेंदबाजी आक्रमण के बाद जॉस बटलर (73 नाबाद),साई सुदर्शन (49) और शरफेन रदरफोर्ड (30 नाबाद) के विस्फोटक प्रदर्शन की बदौलत गुजरात टाइटंस (जीटी) ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 14वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु (आरसीबी) को उनके घरेलू मैदान में 13 गेंद शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया।

इस जीत के साथ गुजरात अंकतालिका में बेंगलुरु के बाद चौथे स्थान पर पहुंच गया है। बेंगलुरु की अब तक खेले गये तीन मैचों में यह पहली हार है जबकि गुजरात भी अपने तीन मैचों में एक मुकाबला गंवा चुका है।

इस मैच में दोनो टीमो के बीच हार जीत का फर्क शीर्ष क्रम में तय किया। बेंगलुरु का टॉप आर्डर जहां पूरी तरह फेल रहा वहीं गुजरात ने अपने कप्तान शुभमन गिल (14) का विकेट जल्द खोने के बावजूद आक्रामक रवैया जारी रखा। साई सुदर्शन और बटलर के आगे बेंगलुरु के गेंदबाज पानी मांगते नजर आये। रही सही कसर इंपेक्ट प्लेयर रसिख सलाम ने पूरी कर दी जिन्होने अपने तीन ओवर में 35 रन लुटाये। जॉस हेजलवुड (43 रन पर एक विकेट) भी खासे महंगे साबित हुये।

बटलर ने अपनी अर्धशतकीय नाबाद पारी में मात्र 39 गेंद खेल कर पांच चौके और छह गगनचुंबी छक्के लगाये। रदरफोर्ड ने अपनी संक्षिप्त पारी में तीन दर्शनीय छक्के लगाये। गिल के बाद गुजरात के दूसरे विकेट गंवाने वाले बल्लेबाज साई सुदर्शन थे। अर्धशतक से चूके सुदर्शन ने 36 गेंदो की पारी में सात बार गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचाया जबकि एक और बार गेंद बगैर जमीन को स्पर्श करे बाउंड्री लाइन के पार गयी।

दूसरी ओर बेंगलुरु की शुरुआत निराशाजनक रही। हालांकि लियम लिविंगस्टन (54),जितेश शर्मा (33) और टिम डेविड (32) की दमदार पारियों की मदद से मेजबान टीम ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ आठ विकेट पर 169 रनो का स्कोर खड़ा किया। कोहली को देखने आये प्रशंसकों को आज निराशा हाथ लगी। चौका लगा कर खाता खोलने वाले कोहली अरशद खान की लेग स्टंप पर गिरी बैक ऑफ गुड लेंथ गेंद को पुल करने के प्रयास में डीप स्क्वायर लेग के पास प्रसिद्ध कृष्णा के हाथों लपके गये। उनके आउट होते ही दर्शक दीर्घा पर सन्नाटा छा गया।

फिल साल्ट (14),विराट कोहली (7),देवदत्त पडिक्कल (4) और कप्तान रजत पाटीदार (12) के तौर पर बेंगलुरु का शीर्ष क्रम सातवें ओवर तक 42 रन जोड़ कर पवेलियन लौट चुका था। ऐसे मुश्किल समय में लिविंग्स्टन और शर्मा ने सूझबूझ भरी बल्लेबाजी करते हुये स्कोरबोर्ड को बढ़ाया। ढीली गेंदों पर प्रहार और सिंग्ल्स डबल्स के जरिये दोनो बल्लेबाज अर्धशतकीय भागीदारी पूरी कर चुके थे। इस बीच साई किशोर की गेंद को समझने से चूके और लांग आन पर तेवतिया ने उनका कैच लपक लिया।

नये बल्लेबाज कृणाल पंड्या किशोर का एक और शिकार बने जब उन्होने कैरम बॉल पर रिटर्न कैच थमा दिया। इस बीच लिविंग्स्टन ने अपना अर्धशतक पूरा किया। आखिरी के पांच ओवरों में लिविंग्स्टन और टिम डेविड ने गियर बदलते हुये रनो की बौछार कर दी। दोनो ने मैदान के हर कोने में चौके छक्के लगाये। लिविंग्स्टन 19वें ओवर में मो सिराज की गेंद पर विकेट के पीछे लपके गये वहीं डेविड पारी के आखिरी ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर आउट हुये। आखिरी ओवर में डेविड ने 19 रन जोड़ कर अपनी टीम के लिये एक चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने में अहम योगदान दिया। गुजरात के लिये मो सिराज ने मात्र 19 रन देकर तीन अहम विकेट चटकाये जबकि साई किशोर को दो विकेट मिले। अन्य तीन विकेट प्रसिद्ध कृष्णा, अरशद खान और इशांत शर्मा ने बराबर बराबर बांट लिये।

आईपीएल हैदराबाद विवाद

क्रिकेट संघ को 3900 निःशुल्क पास देना जारी रखेगा सनराईजर्स हैदराबाद

नई दिल्ली, 2 अप्रैल। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और हैदराबाद क्रिकेट संघ (एचसीए) ने मंगलवार को यहां हुई बैठक के बाद 3,900 निःशुल्क पास आवंटन जारी रखने के लिए आम सहमति पर पहुंच गए। एसआरएच ने रविवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और आईपीएल संचालन परिषद के हस्तक्षेप करने और एचसीए द्वारा बार-बार की जाने वाली'ब्लैकमेलिंग' रणनीति को संबोधित करने की अपील की थी लेकिन राज्य संघ ने इस दावे से इनकार किया। एसआरएच ने आगे धमकी दी थी कि अगर एचसीए फ्रेंचाइजी को 'धमकी' देना जारी रखता है तो वे अपने घरेलू मैचों को दूसरे राज्य में स्थानांतरित करने पर विचार करेंगे, मुख्य रूप से अतिरिक्त मानार्थ टिकटों के मुद्दे पर। मामले को सुलझाने के लिए एचसीए सचिव आर देवराज ने राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में एसआरएच अधिकारियों के साथ बैठक की। चर्चा के लिए एसआरएच के प्रतिनिधि किरण, सरवनन और रोहित सुरेश मौजूद थे। एचसीए और एसआरएच ने एक संयुक्त बयान में कहा, ''चर्चा के दौरान फ्रेंचाइजी ने एसआरएच, एचसीए और बीसीसीआई के बीच मौजूदा त्रिपक्षीय समझौते का सख्ती से पालन करने का प्रस्ताव रखा तथा सुनिश्चित किया कि सभी वर्गों में उपलब्ध स्टेडियम क्षमता के दस प्रतिशत के अनुसार इन्हें आवंटित किया जाए। '' उन्होंने कहा, ''एचसीए ने बदले में प्रत्येक श्रेणी में पास के मौजूदा आवंटन को बनाए रखने का प्रस्ताव रखा जो वर्षों से चली आ रही प्रथा के अनुरूप है। इसके अनुसार, ''एसआरएच के मुख्य कार्यकारी अधिकरी षणमुगम के साथ गहन चर्चा और आगे की टेलीफोन चर्चा के बाद निम्नलिखित प्रस्ताव पर सहमति हुई। एचसीए को 3900 मानार्थ पास का आवंटन अपरिवर्तित रहेगा जो चली आ रही प्रथा के अनुरूप है। '' एचसीए ने एसआरएच को पेशेवर तरीके से आगे बढ़ने में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है। संयुक्त बयान में कहा गया, ''एचसीए और एसआरएच राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में दर्शकों के अनुभव को बढ़ाने के लिए सौहार्दपूर्ण ढंग से मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

रोनाल्डो ने ब्राजील से गार्डियोला के कार्यकाल को आगे बढ़ाने का किया आग्रह

कियारियो डी जेनेरियो, 2 अप्रैल। ब्राजील के पूर्व स्ट्राइकर रोनाल्डो ने ब्राजील फुटबॉल परिसंघ (सीबीएफ) से राष्ट्रीय टीम के प्रबंधक पद के लिए मैनचेस्टर सिटी के पेप गार्डियोला के कार्यकाल को आगे बढ़ाने का आग्रह किया है। उधर,गार्डियोला ने बार-बार खुद को सेलेकाओ से जोड़ने की अटकलों का खंडन किया है। उन्होने पिछले साल नवंबर में दो साल के लिये मैनचेस्टर सिटी से जुड़ने के अनुबंध विस्तार पर हस्ताक्षर किए थे। हालांकि रोनाल्डो ने सीबीएफ से 54 वर्षीय गार्डियालो को न छोड़ने का आ ान किया, जिन्हें व्यापक रूप से अब तक के सबसे महान प्रबंधकों में से एक माना जाता है। रोनाल्डो ने ब्राजील के बैंड टीवी से कहा, मैं कोशिश करूंगा, लेकिन यह वास्तव में सीबीएफ की तुलना में बहुत तेजी से किया जाना चाहिए। मैं गार्डियोला, जॉर्ज जीसस और एबेल फेरेरा को लक्ष्य बनाऊंगा। उन्होंने कहा कि ग्रेमियो के पूर्व प्रबंधक रेनाटो गौचो के नाम पर भी विचार किया जाना चाहिए। रोनाल्डो ने कहा यदि उनमें से कोई भी काम नहीं करता है, तो मेरे पास रेनाटो गौचो को लाने की योजना होगी, जो मुझे लगता है कि विश्व कप तक एक तत्काल समाधान प्रदान कर सकता है। वह ऐसे व्यक्ति हैं जो बहुत आसानी से टीम के विश्वास को जीत सकते हैं और मौजूदा स्थिति को बदल सकते हैं। ब्राजील पिछले शुक्रवार से प्रबंधक के बिना है, जब विश्व कप क्वालीफायर में अर्जेंटीना से टीम की 4-1 की हार के बाद डोरिवल जूनियर को बर्खास्त कर दिया गया था। पांच बार के विश्व कप विजेता वर्तमान में दक्षिण अमेरिकी क्षेत्र क्वालीफाइंग स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर हैं, जो नेता अर्जेंटीना से 10 अंक पीछे हैं।

कैनो ने फ्लूमिनेंस को पहले मैच में दिलाई जीत

रियो डी जेनेरियो, 2 अप्रैल। अर्जेंटीना के अनुभवी स्ट्राइकर जर्मन कैनो ने पहले हाफ में गोल करके फ्लूमिनेंस को मंगलवार को कोपा सुदामेरिकाना के ग्रुप चरण के पहले मैच में वन्स कैलडास पर 1-0 से जीत दिलाई। जॉन एरियस के क्रॉस के बाद गोल से दूर भागते हुए कैनो ने 31वें मिनट में 15 गज की दूरी से हेडर मारकर ब्राजील की टीम को बढ़त दिलाई। कोलंबियाई टीम के पास दूसरे हाफ में बराबरी करने के कई मौके थे, लेकिन फ्लूमिनेंस के गोलकीपर फैबियो ने छह गोल बचाकर उन्हें नाकाम कर दिया। इस बीच, विक्टर अब्रेगो और डिएगो डिएलोस ने दूसरे हाफ में गोल करके बोलीविया के नैशनल पोटोसी को अर्जेंटीना के क्लब इंडिपेंडिएंटे पर 2-0 से जीत दिलाई। मोंटेवीडियो में, डिफेंडर गुस्तावो वर्गास ने 91वें मिनट में गोल करके पैराग्वे के गुआरानी को बोस्टन रिवर के साथ 3-3 से बराबरी पर ला खड़ा किया।

कोवेंट्री का आईओसी अध्यक्ष चुना जाना सराहनीय : वोस

लॉज़ेन, स्विटज़रलैंड, 2 अप्रैल। अंतर्राष्ट्रीय घुड़सवारी महासंघ (एफईआई) के अध्यक्ष इंगमार डी वोस ने मंगलवार को क्रिस्टी कोवेंट्री के नए अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) अध्यक्ष के रूप में चुनाव की सराहना करते हुए इसे दुनिया के लिए एक स्पष्ट संदेश बताया। दो दिवसीय एफईआई फ़ोरम के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में डी वोस ने कहा, पहले दौर में चुनाव जीतने के लिए क्रिस्टी कोवेंट्री को बधाई, जो मुझे लगता है कि यह बाहरी दुनिया को एक बहुत ही स्पष्ट संदेश देता है कि आईओसी में एक तरह की आम सहमति है। जिम्बाब्वे की ओलंपियन कोवेंट्री 20 मार्च को ग्रीस में 144वें आईओसी सत्र में अपने चुनाव के बाद आईओसी की पहली महिला अफ्रीकी अध्यक्ष बनीं।

हॉकी इंडिया ने महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 40 संभावितों की घोषणा की

बेंगलुरु, 2 अप्रैल। हॉकी इंडिया ने यहां साई में चल रहे सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए बुधवार को 40 सदस्यीय कोर समूह की घोषणा की। 23 मार्च को शुरू हुए इस शिविर में शुरू में 65 संभावित खिलाड़ी शामिल थे। पिछले दो सप्ताह के उनके प्रदर्शन के आधार पर अब समूह को घटाकर 40 खिलाड़ी कर दिया गया है। मौजूदा कोर समूह की 28 खिलाड़ियों ने अपना स्थान बरकरार रखा है, वहीं 15वीं सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उनके प्रभावशाली प्रदर्शन और शुरुआती राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में उनके प्रयासों के आधार पर कोर समूह के बाहर से 12 नए खिलाड़ियों का चयन किया गया है। गोलकीपिंग विभाग में सविता, बिचू देवी खारीबाम, बंसरी सोलंकी और माधुरी किंडो जैसे चार जाने-पहचाने नाम हैं, जिन्होंने कोर समूह में अपना स्थान बरकरार रखा है।

के.एम. रूंगटा चैलेंजर ट्रॉफी

एसकेआईटी इलेवन की पारी 186 रन पर सिमटी

जयपुर, 2 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एम रूंगटा चैलेंजर ट्रॉफी में जयपुरिया ग्राउंड पर खेले गए तीन दिवसीय मैच के पहले दिन एस के आई टी इलेवन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन मात्र 66 रनों पर ही 5 विकेट गंवा देने पर कप्तान करण लांबा 74 रन व मनीष गोस्वामी 49 रन ने 6 वें विकेट के लिए 103 रनों की साझेदारी से टीम 186 रनों तक के स्कोर बनाने में सफल हुई। डी एस जे टीम के लिए राजवीर सिंह ने 29 पर 4 विकट लिए।

जवाबी पारी में डी एस जे टीम ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक बिना विकेट गंवाए 39 ओवर में 160 रन बना लिए थे। मनन सिंह शेखावत 80 पर नाबाद व हार्दिक कुक्कड़ 68 पर नाबाद बल्लेबाजी कर रहे है।

संक्षिप्त स्कोर - एस के आई टी इलेवन - 48.5 ओवर में 186 रन।

लोकेश सैनी 21 रन, आर्यन जैन 24 रन, करण लांबा 74 रन, मनीष गोस्वामी 49 रन व कैफ गुडएज 12 रन। अभिजय भंडारी 12- 1- 42- 2, हिमांशु राणा 9- 0- 48- 2, राजवीर सिंह 16- 6- 29- 4, पर्व झालानी 7- 1- 12- 1, कार्तिक बदलानी 8.5- 0- 54- 1 विकेट। डी एस जे इलेवन - 39 ओवर में बिना विकेट 160 रन। मनन सिंह शेखावत नाबाद 80 रन व हार्दिक कुक्कड़ नाबाद 68 रन। कल के एल सैनी स्टेडियम पर एम जे जे ग्रुप बनाम आर एच एल एस एस के मध्य मैच दिनांक 3 से 5 अप्रैल को खेला जाएगा।

अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग

एसजे पब्लिक स्कूल की जीत में शुभम का चौका

जयपुर, 2 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग क्रिकेट प्रतियोगिता में खेले गए पूल ए के मैच में एस जे पब्लिक स्कूल टीम ने ज्योति बा फूले क्लब को 4 विकेट से हराया। जी आर ग्राउंड पर खेले गए मैच ज्योति बा फूले क्लब ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए उत्कृष सैनी के 34 रन, गर्वित सैनी के 12 रन, नयन माली के 19 रन, चर्चित निर्वाण के 28 रन व आरव महर्षि के 10 रनों से 38.4 ओवर में 145 रन बनाए। एस जे पब्लिक स्कूल के लिए शुभम खंडेलवाल ने 27 पर 4, निशांत शर्मा ने 25 पर 3, कुशल अग्रवाल, देवेश व रिषभ ने 1-1 विकेट लिया। जवाबी पारी में एस जे पब्लिक स्कूल ने कुशल अग्रवाल के 32 रन, उमेश मीणा के 57 रन, रिषभ के 12 रन, रोहित मित्तल के 10 रन व जीतू यादव के 13 नाबाद रनों से 31.4 ओवर में 6 विकेट पर 146 रन बना कर मैच जीत लिया। ज्योति बा फूले क्लब के लिए नयन माली ने 33 पर 2, आयुष शर्मा ने 25 पर 2 व सात्विक जैन ने 11 पर एक विकेट लिया।

मिशेल के 99 और बेन के पंजे से जीता न्यूजीलैंड

हैमिल्टन, 2 अप्रैल। विकेटकीपर-बल्लेबाज मिशेल हे (99 नाबाद) और बेन सियर्स के (5/59) के पंजे की मदद से न्यूजीलैंड ने बुधवार को पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में 84 रनों की शानदार जीत हासिल की। अपने पहले अंतरराष्ट्रीय शतक से चूकने वाले हे ने 99 रन की पारी में सात छक्के और इतने ही चौके लगाये। उन्होने अपना अर्धशतक मोहम्मद वसीम की गेंद पर छक्का लगाकर पूरा किया जबकि आखिरी ओवर में गेंद को विकेटकीपर को छकाकर सीमा रेखा पार भेजा। हे के अलावा मोहम्मद अब्बास (41), हेनरी निकोल्स (22) और माइकल ब्रेसवेल (17) के योगदान से न्यूजीलैंड ने निर्धारित 50 ओवरों में 8 विकेट पर 292 रन स्कोर खड़ा किया।

पाकिस्तान के गेंदबाजों में वसीम (2/78) और हारिस राउफ (1/75) महत्वपूर्ण विकेट लेने के बावजूद महंगे साबित हुए। फहीम अशरफ (1/46) और सूफियान मुकीम (2/33) ने अनुशासन में रहने के साथ गेंदबाजी की। जीत के लिए 293 रनों के लक्ष्य पीछा करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत से लड़खड़ा गई और 41.2 ओवर में 208 रन पर ढेर हो गई। मेहमान टीम ने शुरुआत से ही जल्दी-जल्दी विकेट गंवाए और 32 रन पर उसके शीर्ष क्रम के पांच विकेट गिर गए, जिसमें बाबर आजम सिर्फ एक रन पर जैकब डफी की गेंद पर स्लिप में हेनरी निकोल्स के हाथों लपके गए। फहीम अशरफ ने हालांकि टीम को संभालते हुए 73 रनों की शानदार पारी खेली और बेन सियर्स की एक गेंद पर छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया, जबकि तैयब ताहिर ने भी सिर्फ 13 रन का योगदान दिया। तैयब का नाथन स्मिथ की गेंद पर एक स्क्वायर कट भी शामिल था। नसीम शाह ने अच्छी शुरुआत करते हुए 51 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। नसीम ने नाथन स्मिथ की गेंद पर चौका लगाकर अपना पहला वनडे अर्धशतक पूरा किया, लेकिन ज्यादा देर तक वह क्रीज में नहीं टिके और अर्धशतक में एक ओर रन जोड़ते हुए 51 रन बनाकर आउट हो गए।

सुरक्षा मानकों पर सीटिंग अरेंजमेंट खरा उतरने पर ही अनुमति वरना नहीं : नीरज

जयपुर, 2 अप्रैल। सवाई मानसिंह स्टेडियम के साउथ ब्लॉक में 400 सीटों की क्षमता बढ़ाने को लेकर चल रहे निर्माण कार्य को लेकर बीसीसीआई वेन्यू ऑपरेशन टीम , राजस्थान रॉयल्स के राजीव खन्ना और खेल विभाग के खेल सचिव नीरज के. पवन ने पूरे स्टेडियम का दौरा किया। ओर 13 अप्रैल को होने वाले जयपुर के पहले मैच की तैयारियों का जायजा लिया। नीरज पवन के अनुसार निर्माण कार्य युद्धस्तर पर अपनी मंज़िल की ओर बढ़ राह है। दिन रात काम करवाया जा रहा है। एमएनआईटी के द्वारा सुरक्षा मानकों को नज़र अंदाज़ नही किया जा रहा है।स्टेडियम के निर्माण कार्य करने वाले मजदूरों में कई सुरक्षा को लेकर कमी नज़र आई जिन्हें चेतावनी देकर कहा गया कि सभी मजदूर अपनी सुरक्षा के लिए

हेलमेट के साथ साथ ओर भी जरूरी साजो सामान की व्यवस्था करे। अगर कोई दुर्घटना हो भी जाती है तो जिसको ये काम सौंपा गया है वो जिम्मेदार होगा। अगर साउथ ब्लॉक में सीटिंग अरेंगमेंट में आखिरी पल में भी किसी की जान का जोखिम नज़र आया तो सीटिंग की अनुमति नही दी जाएगी।

संजू सैमसन को एनसीए ने विकेटकीपिंग फिर से शुरू करने की मंजूरी दी

जयपुर, 2 अप्रैल। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन को रिकवरी के बाद विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी फिर से संभालने के लिए नेशनल क्रिकेट एकेडमी से मंजूरी मिल गई है। एनसीए की मेडिकल टीम द्वारा उनकी फिटनेस का गहन मूल्यांकन करने के बाद यह मंजूरी मिली है। इस सकारात्मक विकास के साथ, सैमसन अपनी पूर्ण नेतृत्व भूमिका में लौट आएंगे और पंजाब किंग्स के खिलाफ टीम के अगले मैच से कप्तानी फिर से शुरू करेंगे। फ्रेंचाइजी सैमसन की पूरी तरह वापसी से उत्साहित है और उन्हें स्टंप के पीछे फिर से एक्शन में देखने तथा टीम का नेतृत्व करने के लिए उत्सुक है।

13 को मैच होगा और बेहतरीन तरीके से हल्ला बोलेगा जयपुर : राजीव खन्ना

जयपुर, 2 अप्रैल। राजस्थान रॉयल्स के उपाध्यक्ष राजीव खन्ना ने दावा करए हुए उन सभी अफवाहों को दरकिनार करते हुए कहा कि 13 अप्रैल को हर हाल में सवाई मानसिंह स्टेडियम में जयपुर की जनता राजस्थान रॉयल्स की जीत के लिए हल्ला बोल जरूर बोलेगी। राजीव खन्ना के अनुसार जयपुर के सभी मैच या 13 अप्रैल के मैच गोवाहाटी में कराए जाने की अटकलों को विराम देते हुए कहा कि हमने जब 400 सीटे बढ़ाने का काम हाथ मे लिया है तो कुछ सोच समझ कर ही लिया है, तय वक़्त 6-7 अप्रैल तक काम पूरा हो जाएगा। राजस्थान रॉयल्स टीम 10 अप्रैल को जयपुर आएगी तब तक पूरा सवाई मानसिंह स्टेडियम दुल्हन की तरह सज जायेगा। जयपुर में आईपीएल के आयोजन को बेहतरीन ओर यादगार बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अवैध खनन पर सख्त रूख दर्शाते हुए इन गतिविधियो के नियंत्रण के लिए की जा रही कार्यवाही हेतु समीक्षा बैठक को संबोधित किया।

अवैध खनन पर राज्य सरकार सख्त

आकस्मिक संयुक्त अभियान से होगी अब अवैध खनन पर रोकथाम- मु.मंत्री

जयपुर, 2 अप्रैल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार अवैध खनन की रोकथाम के लिए प्रतिबद्ध है।

अब राज्य सरकार इस पर सख्त एवं प्रभावी कार्यवाही के लिए आकस्मिक संयुक्त अभियान चलाएगी, जिससे खनन माफियाओं पर पूरी तरह लगाम लग सके। उन्होंने कहा कि कार्मिकों का यह दायित्व है कि अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूर्ण समर्पण भाव से करें तथा राज्यहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

मुख्यमंत्री बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर अवैध खनन गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए की गई कार्यवाही की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में खनिज संसाधनों की अपार संभावनाएं हैं तथा लाखों लोगों को खनन से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार मिल रहा है।

- **अवैध खनन की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि कार्मिक राज्यहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।**
- **मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध खनन पर निगरानी के लिये ड्रोन व अत्याधुनिक तकनीक की मदद ली जाए। उन्होंने यह भी कहा कि बजरी के विकल्प के रूप में एम-सेंड के उपयोग को प्रोत्साहन दिया जायेगा।**

शर्मा ने कहा कि अवैध खनन पर निगरानी रखने के लिए ड्रोन तथा अन्य आधुनिक तकनीक की मदद ली जाए। ड्रोन से पूरे क्षेत्र की फोटोग्राफी तथा वीडियोग्राफी हो, जिससे अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एम-सैंड नीति के तहत बजरी के विकल्प के रूप में एम-सैंड को प्रोत्साहन दिया जाए। प्रदेश में एम-सैंड इकाइयों की स्थापना और बजरी के सस्ते विकल्प के रुप में एम-सैंड के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए, जिससे बजरी के दोहन में कमी आए। उन्होंने कलैक्टरों से जिलों में चल रही अवैध खनन की कार्यवाही के बारे में जानकारी ली तथा दिशा-निर्देश दिए।

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि वैध खनन को बढ़ावा दिया जाए तथा अवैध खनन पर अंकुश लगे, जिससे राजस्व में बढ़ोतरी हो तथा रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हो सकें।

बैठक में प्रमुख शासन सचिव खान एवं पेट्रोलियम टी. रविकांत ने अवैध खनन के संभावित खनिज एवं संवेदनशील जिले, अवैध खनन के विरूद्ध कार्यवाही के प्रावधान, गत पांच वर्षों में अवैध खनन, निर्गमन, भंडारण के विरूद्ध की गई कार्यवाही, संस्थागत तंत्र, अवैध खनन को रोकने के लिए विभिन्न विभागों तथा जिलों की भूमिका सहित, विभिन्न विषयों पर विस्तृत जानकारी दी।

इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक यू आर साहू, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन एवं पर्यावरण अपर्णा अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल सहित, अन्य वरिष्ठ अधिकारी, तथा सभी जिला कलक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं जिला स्तरीय अधिकारीगण वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक से जुड़े।

चीता प्रोजैक्ट के लिए राजस्थान और म.प्र. के बीच एमओयू होगा

वन मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि मुकुंदरा हिल्स व बूँदी-रामगढ़ रिज़र्व के लिये 9 टाइगर आयेंगे

कोटा, 2 अप्रैल (निसं)। प्रदेश के वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा बुधवार को कोटा दौरे पर रहे। दोपहर में सर्किट हाऊस पहुंचकर उन्होंने कुछ देर भाजपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इसके बाद रंगबाड़ी स्थित शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के निवास पर पहुंचे। यहां पर उन्होंने उनके भतीजे भंवरलाल दिलावर के देहांत पर शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। मंत्री संजय शर्मा ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि चीता प्रोजेक्ट के मामले में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के पास फाइल गई है। फाइल पर सीएम की अनुमति मिलने के बाद फाइल आगे बढ़ेगी और राजस्थान और मध्यप्रदेश के बीच एमओयू हो जाएगा। इसके बाद, टाइगर मध्यप्रदेश में चला जाएगा, वहीं, मध्यप्रदेश से चीता राजस्थान में आ जाएगा। अधिकारियों ने पूरा ट्रैक निश्चित किया है। इसमें कौन से जिले और एरिया शामिल होंगे, यह जानकारी हम बाद में बता पाएंगे।

कोटा के मुकुंदरा हिल्स और बूंदी रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में बाघिन कब लाई जाएगी,

- **वन मंत्री ने कहा कि चीता प्रोजैक्ट के लिय अधिकारियों ने पूरा ट्रैक निश्चित किया है।**

इस संबंध में मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश और उत्तराखंड सरकार से राजस्थान सरकार की बात हुई है।

भारत सरकार से अनुमति मिल गई है, जल्द ही टाइगर की सौगात विभाग को मिलेगी। इसके लिए 9 टाइग्रेस हमको मिलने वाली हैं। इसमें दो एमएचटीआर में आएंगे, शेष सरिस्का और आरवीटीआर में जाएंगे। टाइगर के लिए प्रे बेस की आवश्यकता होती है। उसके लिए एंक्लोजर बनाए गये हैं और नेचुरल फूड उपलब्ध है, जिससे टाइगर के सर्वाइवल की गारंटी भी होगी। संजय शर्मा ने कहा कि बीते साल 2024 में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 7 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य दिया था। हमने इससे ज्यादा 7.22 करोड़ लगा दिए हैं। इसमें अन्य विभागों ने भी सहयोग किया था। इस बार भी मुख्यमंत्री ने 10 करोड़ पौधे का लक्ष्य दिया है। यह काम भी हम पूरा करने वाले हैं। बारां जिले में खेर की लकड़ी काटने का मामला आया है। इस संबंध में जयपुर से ही एक अधिकारी को नियुक्त किया है। वह इस पूरे प्रकरण की जांच करेंगे तथा जो भी तस्करी में शामिल होगा, उस पर कार्यवाही की जाएगी। इनमें अगर वन विभाग के अधिकारी भी होंगे तो उन पर भी एक्शन लिया जाएगा।

आपको बता दें कि इस मामले में रेंजर और अन्य कार्मिकों पर कार्रवाई की गई है। इस संबंध में विधायक ललित मीणा ने भी मंत्री शर्मा को जानकारी दी है। वन मंत्री संजय शर्मा ने ''एक पौधा एक दिन'' अभियान छेड़ा हुआ है। इसके तहत, उन्होंने अनंतपुरा स्थित वन विभाग की नर्सरी में पौधा भी लगाया है। ऐसे में अनन्तपुरा में नर्सरी के पीछे स्थित खाली जमीन और अतिक्रमण हो चुकी जमीन के संबंध में भी उन्होंने अधिकारियों से पूछताछ की है।

लालू यादव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गया था। वर्ष 2022 में सिंगापुर में किडनी प्रत्यारोपण हुआ था, बेटी रोहिणी आचार्य ने उन्हें किडनी दान की थी। उसके बाद लालू की सक्रियता कुछ बढ़ी भी थीं, लेकिन बढ़ती उम्र उन्हें बीमारियों से उबरने नहीं दे रही। वर्ष 2014 में उनकी ओपन हार्ट सर्जरी भी हुई थी। उसके साथ ही उन्हें खान-पान और रहन-सहन में कई तरह का परहेज करना पड़ रहा है।

बता दें कि बुधवार सुबह जानकारी सामने आई थी कि आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की तबियत बिगड़ गई है और उन्हें अचनाक दिल्ली रवाना होना पड़ रहा है। हालांकि, वे दिन में नहीं जा सके थे और उन्हें पारस अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

यूनुस चटगांव बंदरगाह को चीन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रखनी होगी।

यूनुस ने चीन को अपना चटगांव बंदरगाह इस्तेमाल करने की अनुमति दी है, जो बंगाल की खाड़ी में है। इससे चीन को बंगाल की खाड़ी में जमने में मदद मिलेगी।

इससे भारत के लिए चीन की चुनौती खड़ी हो जाएगी। यूनुस के इन संदेशों को भारत को गंभीरता से लेना चाहिए और इन खतरों से निपटने के लिए मीटिंग करनी चाहिए।

चटगांव भारत से कुछ ही दूरी पर है। यही नही, यहां के लोग भारत में विलय की मांग कर रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि ये लोग मुसलमान नहीं है और इनकी सहानुभूति भारत के साथ है। आज भी त्रिपुरा की कई जातियां चटगांव के आसपास के एरिया से होने का दावा करती हैं। जब बांग्लादेश पूर्वी पाकिस्तान था, तब और बाद में, बांग्लादेश के गठन के बाद से ही, इन लोगों को अपनाने की बजाय इनका उत्पीड़न हो रहा है।

अब बांग्लादेश अराजकता के दौर से गुजर रहा है और इस क्षेत्र में अलग होने की मांग जोर पकड़ रही है। इस क्षेत्र को लोगों का इस्तेमाल कर भारत को अपनी स्थिति मजबूत करनी चाहिए।

त्रिपुरा के कई आदिवासी नेता मांग कर रहे हैं कि भारत को चटगांव के आदिवासियों का रैस्क्यू करना चाहिए, जिनका बांग्लादेश सरकार उत्पीड़न कर रही है। ये लोग बांग्लादेश सरकार के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं।

असम के मुख्यमंत्री हेमन्त बिस्वा शर्मा ने पूर्वोत्तर राज्यों व शेष भारत के बीच कोई वैकल्पिक मार्ग नहीं होने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि उत्तरी बंगाल में जो सिलीगुड़ी कॉरीडोर (चिकन्स नैक) है, उसे मजबूत किया जाए, क्योंकि पूर्वोत्तर राज्यों को शेष भारत से जोड़ने वाला केवल वही है। एक आदिवासी संगठन तिपरा मोथा ने बेहद आक्रमक तेवर दिखाए व कहा कि चटगांव के पहाड़ी भागों को भारत में मिला लेना चाहिए।

'सदन में और रामलीला मैदान में कही बातों में अन्तर होता है

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रैवंत रैड्डी के वि.सभा में, ''उपचुनाव नहीं होगा'', बयान पर सुप्रीम कोर्ट का सख्त रूख

नयी दिल्ली, 02 अप्रैल। उच्चतम न्यायालय ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की ओर से सदन में दिए गए इस बयान पर कि अगर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक कांग्रेस में शामिल होते हैं तो भी उपचुनाव नहीं होंगे, पर बुधवार को कड़ी आपत्ति जताई।

- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा, सदन में कुछ कहा जता है तो उसमें पवित्रता होती है। सदन में दिया गया बयान कानून की व्याख्या के लिए प्रयुक्त हो सकता है।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी भारत राष्ट्र समिति के नेताओं द्वारा दायर याचिका की सुनवाई करते हुए कही।**

न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने सदन में मुख्यमंत्री के इस बयान के लिए उनकी खिंचाई की।पीठ ने कहा, ''यदि यह सदन में कहा जाता है तो आपके माननीय मुख्यमंत्री दसवीं अनुसूची का मजाक उड़ा रहे हैं। ''रामलीला मैदान'' में राजनेताओं द्वारा कही गई बात सदन में कही गई बात से अलग है।

पीठ ने कहा, ''जब राजनेता विधानसभा में कुछ कहते हैं तो उसमें कुछ पवित्रता होती है। वास्तव में निर्णय/ निर्णयों में कहा गया है कि जब हम कानूनों की व्याख्या करते हैं, तो सदन में भाषण देने वाले माननीय मंत्री के बयान का उपयोग उस कानून की व्याख्या के लिए किया जा सकता है।''

विधायी कार्यवाही पर न्यायिक जांच से संवैधानिक रूप से गारंटीकृत प्रतिरक्षा का हवाला देते हुए बीआरएस से कांग्रेस में शामिल होने वाले 10 पार्टी विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग की गई थी, इस पर उन्होंने यह स्पष्ट किया कि राज्य में कोई उपचुनाव नहीं होगा।

रेड्डी ने 27 मार्च को कथित तौर पर यह बयान राज्य विधानसभा में 2025-26 के लिए अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान विपक्षी विधायकों द्वारा उठाई गई चिंताओं का जवाब देते हुए दिया।

शीर्ष न्यायालय बीआरएस नेताओं केटी रामा राव और पाडी कौशिक रेड्डी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस के प्रति निष्ठा रखने वाले 10 विधायकों के खिलाफ लंबित अयोग्यता कार्यवाही पर तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष द्वारा समय पर कार्रवाई की मांग की गई थी।

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश (बुधवार को सुनवाई के दौरान) वरिष्ठ अधिवक्ता आर्यमा सुंदरम ने अदालत को तेलंगाना के मुख्यमंत्री के बयानों से अवगत कराया।

तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी अदालत में मौजूद थे। अदालत ने उनसे स्पष्टीकरण मांगा, क्योंकि उसने पाया कि वह सुकविता और सिसोदिया को जमानत दिए जाने के अपने कथित बयान से संबंधित एक अन्य मामले में पहले भी मुख्यमंत्री की ओर से पेश हुए थे।

'शिवाजी ने कोई मस्जिद नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक आदर्श शासक, आदर्श पिता थे... वह 100 प्रतिशत धर्मनिरपेक्ष थे, जिन्होंने कई युद्ध जीते लेकिन कभी किसी मस्जिद को नष्ट नहीं किया।''

उन्होंने यह भी कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब भी कोई बड़ा नेता बनता है, तो वह जाति और धर्म की बात करने लगता है। मैं लोगों को चेतावनी देता हूं कि जाति और धर्म की बात न करें। इस कार्यक्रम में मंत्री ने 'द वाइल्ड वॉरफ्रंट' पुस्तक के अंग्रेजी अनुवाद संस्करण का विमोचन किया। जिसे विश्वास पाटिल ने लिखा है और नदीम खान ने अनुवाद किया है।

राष्ट्रपति मुर्मु विदेश यात्रा पर जायेंगी

नयी दिल्ली, 02 अप्रैल। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 7 से 10 अप्रैल तक पुर्तगाल और स्लोवाकिया की राजकीय यात्रा पर जाएंगी। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को यहां बताया कि मुर्मु पुर्तगाल के राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डी सूसा के निमंत्रण पर 7-8 अप्रैल तक पुर्तगाल की यात्रा करेंगी। यह यात्रा 27 वर्षों के अंतराल के बाद हो रही हैं। पिछली बार 1998 में राष्ट्रपति के. आर. नारायणन ने पुर्तगाल की राजकीय यात्रा की थी। मुर्मु डी सूसा के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगी। वे पुर्तगाल के प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो और नेशनल असेंबली (संसद) के अध्यक्ष जोस पेड्रो अगुआर-ब्रैंको से भी मुलाकात करेंगी। स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी के निमंत्रण पर मुर्मु 9-10 अप्रैल को स्लोवाक गणराज्य का भी दौरा करेंगी। भारत के राष्ट्रपति की 29 वर्षों में स्लोवाकिया की यह पहली यात्रा होगी।

- **वे 7-8 अप्रैल को पुर्तगाल तथा 9-10 को स्लोवाकिया की यात्रा करेंगी।**

तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता बड़ा सवाल, सुप्रीम कोर्ट विचार करेगा

जस्टिस संजय करोल व प्रशांत कुमार मिश्रा की बैंच ने यह आदेश दिया

नयी दिल्ली, 02 अप्रैल। मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता देने को लेकर सुप्रीम कोर्ट बड़े सवाल पर विचार करेगा। कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ दवे को कानून के सवाल पर अदालत की सहायता करने के लिए एमिकस क्यूरी न्याय मित्र नियुक्त किया है, 15 अप्रैल को इस मामले में सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट के सामने सवाल है कि क्या फैमिली कोर्ट ऐसी मुस्लिम महिला को स्थायी गुजारा भत्ता दे सकती है, जिसकी शादी मुस्लिम विवाह भंग अधिनियम, 1939 के अनुसार भंग हो गई है और क्या महिला के पुनर्विवाह पर इस तरह के स्थायी गुजारा भत्ता को संशोधित किया जा सकता है?

- **बैंच, गुजरात हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर विचार कर रही थी। गुजरात हाई कोर्ट ने फैमिली कोर्ट के, महिला को एकमुश्त दस लाख रूपए गुजारा भत्ता देने के आदेश को कायम रखा था, जिसके खिलाफ महिला के पति ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दर्ज की थी।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ दवे को न्याय मित्र घोषित किया है।**

जस्टिस संजय करोल और प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने मामले में उठने वाले ''मुद्दों के महत्व पर विचार करते हुए'' ये आदेश पारित किया। पीठ 19 मार्च, 2020 के गुजरात हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ व्यक्ति द्वारा दायर अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसने फैमिली कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा था। फैमिली कोर्ट ने मुस्लिम महिला को तलाक की डिक्री के साथ-साथ 10 लाख रुपये का स्थायी आजीवन एकमुश्त गुजारा भत्ता दिया गया था। पिछली सुनवाई में पीठ ने पक्षों को मोहम्मद अब्दुल समद मामले में 2024 के फैसले को रिकॉर्ड में रखने का निर्देश दिया था। तेलंगाना राज्य ने माना कि मुस्लिम महिलाओं को सीआरपीसी की धारा 125 के तहत भरण-पोषण मांगने का अधिकार है। दरअसल, फैमिली कोर्ट ने 2001 के मामले पर भरोसा करते हुए यह आदेश पारित किया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने माना कि एक मुस्लिम पति तलाकशुदा पत्नी के भविष्य के लिए उचित और उचित प्रावधान करने के लिए उत्तरदायी है, जिसमें जाहिर तौर पर उसका भरण-पोषण भी शामिल है।

यह माना गया था कि इद्दत अवधि से परे इस मामले में अदालत ने 1986 के अधिनियम की संवैधानिकता को बरकरार रखा। 1986 में कहा गया कि तलाक के बाद एक मुस्लिम महिला इद्दत अवधि के दौरान भुगतान की जाने वाली उचित राशि की हकदार है। यदि उसने पुनर्विवाह नहीं किया है और इद्दत अवधि के बाद अपना भरण-पोषण करने में असमर्थ है तो वह अन्य बातों के अलावा भरण-पोषण का दावा करने की भी पात्र है। गुजरात हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए एक आदेश पारित किया। इसने पारिवारिक न्यायालय के आदेश को संशोधित करने से इनकार कर दिया, क्योंकि उसे जानकारी मिली थी कि मुस्लिम महिला ने पुनर्विवाह कर लिया है।

मुस्लिम महिलाओं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दबी पड़ी है, वह बाहर आ जाएगी।

इससे हम गरीब मुसलमानों को फायदा होगा। इन महिलाओं ने कहा कि इस विधेयक का विरोध नहीं होना चाहिए।

इस बीच राज्य के खेल एवं युवा कल्याण विभाग मंत्री एवं भोपाल के नरेला क्षेत्र से विधायक विश्वास सारंग ने सोशल मीडिया एक्स पर प्रदर्शन वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा है, भोपाल की मुस्लिम महिलाएं वक्फ बिल के समर्थन में... शुक्रिया मोदी जी, धन्यवाद मोदी जी...

ओम बिड़ला भारत शिक्षा शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे

नयी दिल्ली, 02 अप्रैल। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला गुरुवार को यहां भारत शिक्षा शिखर सम्मेलन 2025 का उद्घाटन करेंगे। इस सम्मेलन में नीति निर्माता, शिक्षाविद, शिक्षक, एडटेक इनोवेटर, उद्योग जगत के नेता और छात्र, भारतीय शिक्षा के उभरते परिदृश्य पर चर्चा करने के लिए एक साथ आएंगे।

प्रमुख सुधारों, चुनौतियों और भविष्य के अवसरों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए, इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत के शिक्षा क्षेत्र को वैश्विक प्रगति के साथ जोड़ना है।

जैम व ज्वैलरी निर्यात को भारी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से तीव्र मूल्य प्रतिस्पर्धा बाज़ार को अस्थिर कर सकती है।''

वित्तीय वर्ष 2024 में अमेरिका को 11.1 बिलियन डॉलर के इलैक्ट्रोनिक्स के निर्यात किए गए थे, जो अमेरिका को भारत के कुल निर्यात का 14 प्रतिशत है। भारत के कुल इलैक्ट्रॉनिक निर्यात का 32 प्रतिशत अमेरिका के खाते में है, ऐसे में टैरिफ में वृद्धि इस क्षेत्र पर गंभीर प्रभाव डाल सकती है, विशेष रूप से भारत में असैम्बल होने वाले आईफोन जैसे मोबाइल फोन निर्यात पर। विश्लेषकों द्वारा चेतावनी दी गई है कि एपल जैसी कंपनियाँ भारत में अपनी उत्पादन रणनीतियों पर पुनर्विचार कर सकती हैं।

भारत के 33 बिलियन डॉलर के रत्न और जवाहरात और कुल आभूषण निर्यात का 30 प्रतिशत अमेरिका को होता है, जिसमें हीरे और सोने के आभूषण शामिल हैं। भारी टैरिफ इस क्षेत्र को नुकसान पहुँचाएगा, जिसके परिणामस्वरूप निर्माता अपना काम सिंगापुर या यू.ए.ई. जैसे कम टैरिफ वाले देशों में ले जा सकते हैं। एम.के. ग्लोबल ने चेतावनी दी है कि निर्यात में महत्वपूर्ण गिरावट के परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर नौकरियाँ जा सकती हैं।

- **फार्मास्युटिकल उद्योग, ऑटोमोबाइल व कृषि उत्पादनों की भी लगभग यही व्यथा हो सकती है।**

भारत, अमेरिका के लगभग आधे जैनरिक दवा निर्यात की आपूर्ति करता है और इस कारण अमेरिका की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का एक महत्वपूर्ण पार्टनर है। पैंतीस प्रतिशत टैरिफ इस क्षेत्र को भारी नुकसान पहुँचा सकता है, लेकिन, 10 प्रतिशत से कम टैरिफ का भारतीय फार्मा स्टॉक्स पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, अमेरिका के खरीददारों पर टैरिफ लागत स्थानांतरित करने की भारत की क्षमता कुछ हद तक नुकसान की भरपाई कर सकती है।

हालांकि, भारत से अमेरिका को ऑटोमोबाइल का निर्यात बहुत अधिक नहीं है, लेकिन, ऑटो कॉम्पोनैंट्स का निर्यात कुल निर्यात का 27 प्रतिशत है। यदि टैरिफ लगाया गया तो टाटा मोटर्स को खतरे का सामना करना पड़ सकता है। तथापि, इस क्षेत्र का डायवर्सिफाइड एक्सपोर्ट मूल नुकसान को कुछ कम कर सकता है।

भारत से अमेरिका को होने वाला टैक्सटाइल और एपरल (परिधान) एक्सपोर्ट वित्तीय वर्ष 2024 में 9.6 बिलियन डॉलर तक पहुँच गया, जो कि इस क्षेत्र के कुल निर्यात का 28 प्रतिशत है। ऐसे में टैरिफ में वृद्धि भारत को अमेरिका के बाज़ार से बाहर कर सकती है। विश्लेषकों का कहना है कि इस सैक्टर को सबसे ज्यादा नुकसान हो सकता है। ऊपर से, सस्ते विकल्प देने वाले, बाँग्लादेश व वियतनाम जैसे देश भारत की स्थिति को और कमज़ोर कर सकते हैं।

विदेशी संस्थागत निवेशक (फॉरेन इन्टिट्यूशनल इन्वैस्टर) भारत में विदेशी पूँजी के आगमन पर बनी अनिश्चितता के कारण स्टॉक मार्केट असंतुलित व अस्थिर महसूस कर रहे हैं। तथापि, विश्लेषक सतर्क लेकिन आशावदी बने हुए हैं। भारत की मजबूत कॉर्पोरेट बैलैंस शीट, व्यापार वार्ताएं, तथा रूपए का अवमूल्यन कुछ राहत दे सकते हैं। डायवर्सिफाइड एक्सपोर्ट बेस (विविध निर्यात आधार) कुछ क्षेत्रों को टैरिफ के बुरे प्रभावों से बचा सकता है।

जैसे-जैसे टैरिफ डैडलाइन नज़दीक आ रही है, पूरी दुनिया सांस रोके बैठी है।

क्या ट्रंप संपूर्ण टैरिफ वॉर शुरु करेंगे, या फिर यह व्यापार संघर्ष में एक और रणनीतिक कदम है। परिणाम जो भी हो, अगले कुछ महीनों में यह भारत की आर्थिक दिशा को आकार देगा, यह तय करने में मदद करेगा कि यह टैरिफ संकट है या आर्थिक सुधारों के लिए एक अप्रत्याशित अवसर।

'श्री शुभम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और ओरिगो का भण्डारण निगम के खिलाफ 70 करोड़ के भुगतान के लिए 'आरबिट्रेशन' में मामला लम्बित चल रहा है। इसी मामले में भण्डारन निगम ने दोनों कंपनियों के खिलाफ 202 करोड़ रूपये का दावा किया है।

लोकसभा में वक्फ बिल पेश, सरकार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जैसा नहीं कहा जा सकता।

उन्होंने कहा, वर्ष 2013 में यूपीए सरकार की ओर से वक्फ कानून में लाये गये संशोधन में यदि गंभीर खामियां न होती, तो इस विधेयक की जरूरत ही नहीं पड़ती। उस संशोधन की वजह से ही दिल्ली की लुटियन ज़ोन की 123 अति महत्वपूर्ण संपत्तियों को वक्फ को हस्तांतरित कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि 2013 में पूरे देश में वक्फ की जमीन 18 लाख एकड़ थी, उसके बाद इसमें 21 लाख एकड़ की वृद्धि हो गयी है। उन्होंने कहा कि इस संशोधन के बाद, हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे विभिन्न राज्यों में गांव और मंदिरों और चर्चों की जमीन को वक्फ भूमि घोषित किया जाने लगा। यहां तक कि प्रयागराज के चंद्रशेखर आज़ाद पार्क के लिए भी वक्फ की संपत्ति होने का दावा किया गया।

शाह ने कहा, दान उसी चीज का किया जाता है, जो हमारी हो, मैं सरकारी संपत्ति या किसी दूसरे की संपत्ति को दान नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि देश के कई गणमान्य चर्च इस विधेयक का समर्थन कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, वक्फ की सम्पत्ति लाखों करोड़ रु. की है, पर आमदनी मात्र 126 करोड़ रुपये ही है। उन्होंने कहा कि वक्फ की संपत्तियों पर कब्जा जमाये बैठे चंद लोग उन्हें 100-100 साल की लीज पर होटलों और अन्य कामों के लिये औने-पौने दाम पर दूसरों को दे रहे हैं।

शाह ने कहा कि वक्फ का मुतव्वली वक्फ संपत्ति का प्रबंधक होता है, अगर कोई वक्फ की संपत्ति के साथ बेईमानी कर रहा है तो क्या उसे कानून के अनुसार सजा नहीं होनी चाहिये।

शाह ने कहा कि वक्फ कानून में वर्ष 2013 में किये संशोधन के अनुसार, वक्फ के मामलों को किसी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती, लेकिन इस संशोधन विधेयक में ऐसे प्रावधान हैं कि कोई चाहे तो वक्फ के निर्णयों को अदालतों में चुनौती दे सकता है। इस विधेयक के अनुसार, मुसलमान भी चैरिटेबल ट्रस्ट बना सकेंगे, वे इस ट्रस्ट के लिये पंजीकरण करा सकेंगे।

बहस के दौरान, विपक्ष के नेताओं ने वक्फ संशोधन बिल का पुरजोर विरोध किया। इनमें सबसे पुरजोर विरोध अखिलेश यादव ने किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा को जमीन से बेहद प्यार है। इसकी सरकारों ने रेलवे और डिफैंस की जमीने बेच दीं। अखिलेश ने कहा कि जिन लोगों के लिए वक्फ संशोधन बिल लाया जा रहा है, उनकी बातों को अहमियत नहीं देना, इससे बड़ी नाइंसाफी और क्या होगी।

जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने कहा कि यदि वक्फ संशोधन विधेयक संसद से पारित हुआ तो इसके लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी पार्टी जनता दल यूनाईटेड (जदयू) दोषी होगी।

किशोर ने कहा कि उनकी पार्टी जन सुराज वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ है। यदि मुस्लिम समुदाय को विश्वास में लिए बिना वक्फ संशोधन विधेयक पारित किया जाता है तो यह पूरी तरह से गलत होगा।

इससे पहले, संसदीय कार्य मंत्री और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री किरेन रिजीजू ने विधेयक पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा, ऑनलाइन, ज्ञापन, अनुरोध और सुझाव के रूप में कुल 97,27,772 याचिकाएं प्राप्त हुई हैं। 284 डेलिगेशन ने कमेटी के सामने अपनी बात रखी और सुझाव दिए। सरकार ने उन सभी पर विचार किया है। वक्फ की संपत्ति के बारे में रिजीजू ने कहा कि जब वक्फ बोर्ड के पास लाखों एकड़ जमीन और लाखों करोड़ की संपत्ति है, तो देश के गरीब मुसलमानों के लिए इसका इस्तेमाल क्यों नहीं किया जा रहा है? रिजिजू ने कहा कि रेलवे और सेना की जमीन पब्लिक प्रॉपर्टी है, जिसका इस्तेमाल देश के लिए होता है। वह किसी की निजी संपत्ति नहीं है। बता दें कि रेलवे और सेना के बाद देश में वक्फ बोर्ड के पास सबसे ज्यादा संपत्ति है। वक्फ बोर्ड आज देशभर में करीब 8 लाख 70 हजार संपत्तियों को नियंत्रित करता है। ये संपत्तियां करीब 9 लाख 40 हजार एकड़ जमीन पर फैली हुई हैं जिनकी अनुमानित कीमत 1 लाख 20 हजार करोड़ रुपये है। दुनिया में सबसे ज्यादा वक्फ संपत्ति भारत में है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः2386031, 2386032, फैक्सः0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्सः01562-256908